सेंसेक्स	80,242.24
निफ्टी	24,334.20
सोना	87,750
चांदी	98,000
डॉलर	84.70

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

बालाघाट
शुक्रवार 02 मई 2025
वैशाख शुक्ल 05 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 16, अंक 216
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

E-mail: balaghatexpress@gmail.com
/padmeshmedia /padmeshmedia
epaper.balaghatexpress.in

खास खबर

एनआईए करेगी राणा की आवाज-लिखावट के नमूने रिकॉर्ड

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने एनआईए को 26/11 मुंबई हमले के आरोपी तहव्वुर हुसैन राणा की आवाज और लिखावट के नमूने लेने की अनुमति दे दी है। एक सूत्र ने यह जानकारी दी। विशेष एनआईए न्यायाधीश चंदर जीत सिंह ने यह आदेश 30 अप्रैल को एजेंसी द्वारा दायर एक याचिका पर पारित किया। इससे पहले 28 अप्रैल को अदालत ने तहव्वुर की हिरासत 12 दिनों के लिए बढ़ा दी थी।

मुंबई पर 2008 में हुए आतंकी हमलों की साजिश रचने वाले तहव्वुर राणा को हाल ही में भारत ले आया गया था। फिलहाल वह एनआईए की हिरासत में है। भारत पिछले 17 वर्षों से राणा और उसके साथी डेविड कोलमैन हेडली के प्रत्यर्पण की कोशिश में लगा था, जो कि 2009 में ही अमेरिका में गिरफ्तार हुए थे। हेडली के मामले में भारत को फिलहाल खास सफलता नहीं मिली है, लेकिन तहव्वुर राणा के मामले में अमेरिका की निचली अदालतों से लेकर सुप्रीम कोर्ट और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत के दावों को मानते हुए उसके प्रत्यर्पण को मंजूरी दे दी थी।

1901 के बाद पांचवी बार सबसे ज्यादा गर्म रहा अप्रैल

नई दिल्ली। मई के महीने में देश के ज्यादातर हिस्सों में तापमान सामान्य से ऊपर रहेगा है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने बताया कि उत्तर-पश्चिम, मध्य और पूर्वी भारत के करीब के इलाकों में सामान्य से ज्यादा दिनों तक लू चलने की संभावना है। राजस्थान, हरियाणा, पंजाब, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, गांगेय पश्चिम बंगाल और गुजरात, ओडिशा, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, तेलंगाना और उत्तरी कर्नाटक के कुछ हिस्सों में मई में सामान्य से ऊपर लू वाले दिन हो सकते हैं। हालांकि, मई के पहले हफ्ते में उत्तर-पश्चिम भारत, इंडो-गंगा के मैदान और दिल्ली में बारिश और गरज के साथ छींटे पड़ सकते है। लेकिन, ज्यादातर हिस्सों में महीने के दौरान 2-7 दिन लू चलने की आशंका है। यह सामान्य से 1 से 4 दिन ज्यादा हो सकता है।

एप्पल ने लोगों को भेजा वॉर्निंग मैसेज

नई दिल्ली। एप्पल ने हाल ही में दुनियाभर के 100 से ज्यादा देशों में मौजूद यूजर्स को एक गंभीर चेतावनी संदेश भेजा है, जिसमें उन्हें बताया गया है कि उनके डिवाइस पर मर्केनरी स्पायवेयर (भाड़े के जासूसी सॉफ्टवेयर) से अटैक किया गया है। कंपनी ने पुष्टि की है कि ये चेतावनियां उन यूजर्स को भेजी गई हैं जो हाईटेक साइबर हमलों का संभावित निशाना बन सकते हैं। यह हमला आमतौर पर सरकारों द्वारा खरीदे गए निजी जासूसी सॉफ्टवेयर के जरिए किया जाता है। बहुत ही आसान शब्दों में कहें तो यह पेगासस अटैक जैसा ही है। पिछले साल जुलाई में भी एप्पल ने इस तरह का अलर्ट भेजा था जिसके बाद भारत में काफी हंगामा हुआ था क्योंकि विपक्ष के कई नेताओं के फोन पर इस तरह के नोटिफिकेशन आए थे।

पहलगाम आतंकी हमले की न्यायिक जांच नहीं होगी

नई दिल्ली। पहलगाम में हुए आतंकी हमले की ज्यूडिशियल जांच के लिए गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। जस्टिस सूर्यकांत और एनके सिंह की बेंच ने याचिकाकर्ता को फटकार लगाते हुए कहा कि, ऐसी याचिकाएं सिक्योरिटी फोर्स का मनोबल गिराती हैं।

नौसेना ने जंगी जहाजों को अलर्ट पर रखा, अरब सागर में की एंटी शिप और एंटी एयरक्राफ्ट फायरिंग की प्रैक्टिस, कोस्ट गार्ड की भी तैनाती

भारत ने शुरू की पाकिस्तान की घेरेबंदी

भारत की कार्रवाई से सहमा पाकिस्तान, अस्थायी रूप से बंद किया कराची, लाहौर हवाई क्षेत्र

इस्लामाबाद/नई दिल्ली। पहलगाम आतंकी हमले को 8 दिन बीतने के बाद भारत और पाकिस्तान में टेंशन बढ़ गया है। भारतीय नौसेना ने जंगी जहाजों को अलर्ट पर रख दिया है। वहीं पाकिस्तान की सीमा से लगे अरब सागर में नौसेना ने एंटी शिप और एंटी एयरक्राफ्ट फायरिंग की प्रैक्टिस की। वहीं गुजरात के नजदीक कोस्ट गार्ड की भी तैनाती की गई है। इसे भारत द्वारा पाकिस्तान की घेराबंदी माना जा रहा है।

गुरूवार को इंडियन नेवी ने अरब सागर में प्रैक्टिस की। वॉरशिप को किसी भी परिस्थिति से निपटने के लिए अलर्ट पर रखा गया है। पिछले कुछ दिनों में अरब सागर में एंटी शिप और एंटी एयरक्राफ्ट फायरिंग की प्रैक्टिस की गई। गुजरात के नजदीक अंतर्राष्ट्रीय समुद्री सीमा के पास कोस्ट गार्ड को तैनात किया गया है। इधर पहलगाम आतंकी हमले की नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी ने जांच तेज कर दी है। एनआईए चीफ सदानंद दाते गुरुवार दोपहर पहलगाम पहुंचे। एनआईए चीफ 3 घंटे तक बायसरन में रहे। वे 11 बजे बायसरन पहुंच गए थे। 2 बजे तक जांच करके सीधे सीआईएसएफ कैंप पहुंचे, वहां मीटिंग की। वहीं एनआई की टीम ने घटनास्थल इलाके की 3डी मैपिंग की ताकि क्राइम स्पॉट को बेहतर ढंग से समझा जा सके। आतंकी कहां से आए थे और किस रास्ते से गए। इसकी जानकारी मिल सकेगी।

पाकिस्तान बौखलाया

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत की ओर से लगातार की जा रही कार्रवाई से पाकिस्तान बौखला गया है। गुरुवार को पाकिस्तान ने सुरक्षा चिंताओं का हवाला देते हुए पूरे मई महीने के सभी दिन सीमित समय के लिए कराची और लाहौर के हवाई क्षेत्रों के कुछ हिस्सों को बंद करने की घोषणा की है। पहलगाम आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान और इस्लामाबाद के बीच बढ़े तनाव और नई दिल्ली की तरफ से जवाबी कार्रवाई की आशंका के बीच पाकिस्तान के विमानन अधिकारियों की तरफ से यह घोषणा की गई है।

असीम मलिक को एनएसए बनाया

पहलगाम हमले के बाद बढ़ते तनाव के बीच पाकिस्तान ने आईएसआई चीफ लेफ्टिनेंट जनरल असीम मलिक को राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार बनाया है। यह अपॉइंटमेंट 29 अप्रैल को हुई थी, लेकिन मीडिया में नोटिफिकेशन 30 अप्रैल को आधी रात जारी किया गया। असीम मलिक को सितंबर 2024 में आईएसआई चीफ बनाया गया था। अप्रैल 2022 में मोईद यूसुफ के बाद से पाकिस्तान में कोई एनएसए नहीं था। इस अपॉइंटमेंट के बाद असीम मलिक के पास अब दो जिम्मेदारियां (आईएसआई चीफ और एनएए) होंगी। इससे पहले 30 अप्रैल को भारत सरकार ने एनएसए बोर्ड का नए सिरे से गठन किया है। रिसर्च एंड एनालिसिस विंग के पूर्व प्रमुख आलोक जोशी को इसका नया चेयरमैन बनाया गया।

हर आतंकी को चुन-चुनकर मारेंगे- शाह

गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को दिल्ली में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि पहलगाम हमले का चुन-चुनकर बदल लिया जाएगा। ये नरेंद्र मोदी का भारत है। पहलगाम हमले के बाद से भारत सरकार ने पाकिस्तान के खिलाफ कई सख्त कदम उठाए हैं। अमित शाह ने कहा कि आज कोई ये ना समझ ले कि हमारे 27 लोगों को मारकर वो ये लड़ाई जीत गए हैं। मैं उनसे कहना चाहता हूं कि हर व्यक्ति को जवाब भी मिलेगा और जवाब लिया भी जाएगा। उन्होंने कहा कि कोई कायराना हमला करके सोचता है कि ये हमारी जीत है तो ये समझ ले कि चुन-चुन कर बदला होगा। ये नरेंद्र मोदी का भारत है।

दुनिया के सभी देश आज भारत के साथ खड़े हैं

गृह मंत्री ने कहा कि आज फिर से ये संकल्प याद दिलाना चाहता हूं कि आतंकवाद के खिलाफ हमारी लड़ाई जारी रहेगी। पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में, चाहे वामपंथी उग्रवाद हो या फिर कश्मीर का मुद्दा अगर कोई कायराना हरकत करता है तो किसी को भी बक्शा नहीं जाएगा। अमित शाह ने कहा कि इंच-इंच भूमि से आतंकवाद को मिटा देंगे। लामबंद होकर दुनिया के सभी देश आतंकवाद के खिलाफ भारत के साथ खड़े हैं। जब तक आतंकवाद समाप्त नहीं होगा तब तक उनको दंड दिया जाएगा।

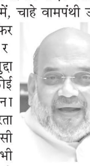

देश और धर्म के खिलाफ पोस्ट करना गंभीर अपराध...

डिंडौरी। देश और हिंदू विरोधी पोस्ट करने वाली मध्य प्रदेश की अतिथि शिक्षक डॉ. नसीम बानो की जिला न्यायालय में लगाई गई जमानत याचिका खारिज हो गई। कोर्ट ने कहा कि देश को झकझोर देने वाली आतंकवादी वारदात के बाद क्रूर आतंकवादियों की तुलना जय श्रीराम के नारे के साथ करना गंभीर अपराध है। ऐसे समय में हिंदू देवी देवताओं का अपमान करने के साथ देश विरोधी पोस्ट करना जघन्य अपराध किया गया है। ऐसे में जमानत नहीं दी जा सकती है।

आरोपी नसीम बानो द्वारा लगाई गई जमानत याचिका का अधिवक्ताओं ने भी लामबंद होकर विरोध किया। तृतीय अपर सत्र न्यायालय से आरोपी की जमानत याचिका जहां खारिज हो गई, वहीं आदर्श कॉलेज से भी उन्हें पद से हटा दिया गया है।

जमानत मिलती, तो गलत

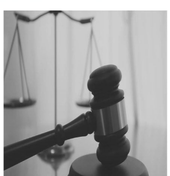

संदेश जाता

कॉलेज प्राचार्य द्वारा आरोपी अतिथि विद्वान को मामला सामने आने के बाद ही नोटिस जारी किया गया था। आरोपी की सेवा अनुबंध निरस्त करने के साथ ब्लैक लिस्टेड करने के लिए भी पत्राचार किया जा रहा है। न्यायालय में वकीलों ने भी जमानत याचिका का विरोध करते हुए कहा कि एक शिक्षित महिला का ऐसा कृत्य धर्म और देश विरोधी है। उन्होने तर्क दिया कि जमानत मिलने से समाज में गलत संदेश जाएगा। जमानत का विरोध करने में अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष यूके पटेरिया, वरिष्ठ अधिवक्ता प्रवेश कनौजे, राममिलन यादव सहित अन्य अधिवक्ता शामिल रहे। आरोपी जिला जेल में बंद है।

कॉलेज ने तत्काल की कड़ी कार्रवाई

अतिथि विद्वान के विरुद्ध मामला दर्ज होने के साथ जेल जाने के बाद उनका अनुबंध निरस्त कर पद से हटा दिया गया है। अतिथि विद्वान को ब्लैक लिस्टेड करने की कार्रवाई एडी कार्यालय से होती है। इस पूरे मामले की जानकारी एडी कार्यालय के साथ कमिश्नर कार्यालय को भी भेज दी गई है। अतिथि विद्वान की यह गंभीर मनमानी थी। ऐसे में कॉलेज का भी माहौल खराब हो रहा था।

मप्र, राजस्थान, यूपी, बिहार, छत्तीसगढ़ में आंधी और बारिश, मैहर-डिंडौरी में ओले गिरे...

शाजापुर में 73 किमी की रफ्तार से हवा चली

नई दिल्ली/भोपाल। मई में भारत के ज्यादातर हिस्सों में सामान्य से ज्यादा तापमान रहने की संभावना है। इस बीच मध्य प्रदेश, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, बिहार और छत्तीसगढ़ में आंधी और बारिश हो रही है। डिंडौरी में गुरुवार दोपहर डेढ़ बजे आंधी के साथ बारिश हुई। कुछ इलाकों में ओले भी गिरे। मौसम विभाग ने डिंडौरी, अनूपपुर, उमरिया, कटनी, मैहर, सिवनी और बालाघाट में ओले गिरने का अलर्ट जारी किया है। मैहर के कई इलाकों में ओले गिरे भी हैं। इससे पहले बैतूल के पिपरिया गुरुवा गांव में आंधी से 100 फीट ऊंचा बीएसएनएल टावर गिर गया। हादसे में चार बैल मारे गए, जबकि दो घायल हो गए। वहीं, इंदौर में शाम को तेज हवा चलने से पेड़ गिर गया। नीमच, मंदसौर, आगर-मालवा, उज्जैन, इंदौर, शाजापुर, राजगढ़, भोपाल, हरदा, रतलाम, खंडवा, देवास, सीहोर, अनूपपुर, डिंडौरी और नर्मदापुरम में हल्की बारिश हुई। तेज आंधी भी चली। शाजापुर में सबसे ज्यादा 73 किमी प्रतिघंटा की रफ्तार से आंधी चली। हरदा में इसकी रफ्तार 69 किमी, उज्जैन में

58 किमी, आगर-मालवा में 42 किमी, इंदौर में 65 किमी, नीमच-अनूपपुर में 45 किमी, सीहोर में 41 किमी, सिवनी में 36 किमी प्रतिघंटा रही।

रायपुर में शेड गिरा, कारें दबी

रायपुर में शाम होते ही अचानक तेज धूल भरी आंधी चली। करीब 50-60 किलोमीटर की रफ्तार से हवाएं चलने से कई जगह पेड़ और होर्डिंग्स गिरे हैं। आंधी-तूफान से सिमगा में पूरा टोल प्लाजा ही तहस-नहस होकर सडक़ पर गिर गया। वहीं देवेंद्र नगर में सडक़ पर बना शेड गिर गया। इसमें कई कार भी नीचे दब गई। जेसीबी की मदद से टीन शेड हटाने का काम किया गया। आंधी-बारिश के कारण प्रदेश में दिन का तापमान 5 से 10 डिग्री तक गिरा है। इस वजह से गर्मी और उमस से राहत मिली है। मौसम विभाग ने अगले 4 दिन अंधड़ और बारिश का अलर्ट जारी किया है।

मई के पहले सप्ताह में बारिश-ओले

मप्र में मई महीने में भीषण गर्मी पडऩे का ट्रेंड है। पिछले 10 साल के आंकड़ों पर नजर डालें तो राजस्थान और उत्तर प्रदेश बॉर्डर से जुड़े एमपी के जिलों में तापमान 48 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच चुका है। इस बार भी ऐसी ही गर्मी पड़ सकती है। हालांकि, मई के पहले सप्ताह में बारिश के साथ ओले गिर सकते हैं। आखिरी सप्ताह में सबसे ज्यादा तपिश होगी।

शरबत जिहाद केस में हाईकोर्ट की टिप्पणी

रामदेव पर किसी का काबू नहीं, अपनी ही दुनिया में रहते हैं

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने एक बार फिर बाबा रामदेव के हमदर्द कंपनी के शरबत पर शरबत जिहाद वाली विवादित टिप्पणी मामले पर नाराजगी जताई है। साथ ही कोर्ट अवमानना नोटिस जारी करने की तैयार में है। कोर्ट ने पहले ही रामदेव को हमदर्द के उत्पादों के बारे में कोई भी बयान जारी करने से मना किया था। दिल्ली हाईकोर्ट ने गुरुवार को टिप्पणी करते हुए कहा कि योग गुरु बाबा रामदेव किसी के नियंत्रण में नहीं हैं और अपनी ही दुनिया में रहते हैं। रामदेव को शरबत जिहाद बयान पर प्रथम दृष्टया कोर्ट के आदेश की अवमानना का दोषी पाया। इससे पहले दिल्ली हाईकोर्ट ने रामदेव को हमदर्द के उत्पादों के बारे में भविष्य में कोई बयान जारी न करने या वीडियो साझा न करने का आदेश दिया था। जस्टिस अमित बंसल ने गुरुवार को कहा कि कोर्ट के 22 अप्रैल के निर्देशों के बावजूद रामदेव ने आपत्तिजनक बयान देते हुए एक वीडियो जारी किया। वह किसी के नियंत्रण में नहीं हैं। वह अपनी ही दुनिया में रहते हैं। जानकारी के लिए बता दें कि हमदर्द नेशनल फाउंडेशन इंडिया ने विवादित टिप्पणी को लेकर रामदेव और उनकी पतंजलि फूड्स लिमिटेड के खिलाफ कोर्ट में याचिका दाखिल की थी।

डिजिटल पहुंच का अधिकार अब मौलिक अधिकार, सुप्रीम कोर्ट की अहम टिप्पणी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने एक बड़ा फैसला सुनाकर कहा कि डिजिटल पहुंच का अधिकार, जीवन और स्वतंत्रता के मौलिक अधिकार का ही हिस्सा है। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और बाकी अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने को कह दिया हैं कि देश के ग्रामीण इलाकों, बुजुर्गों, आर्थिक रूप से कमजोर लोगों, भाषाई अल्पसंख्यकों और दिव्यांगों के बीच जो डिजिटल खाई है, उस खाई को कम किया जाए।

सुप्रीम कोर्ट ने केवाईसी (नो योर कस्टमर) प्रक्रिया में बदलाव करने के लिए निर्देश दिए हैं। कोर्ट ने कहा कि ब्रेल लिपि और आवाज-आधारित सेवाओं जैसे विकल्प तैयार किए जाएं, ताकि सभी लोगों तक डिजिटल सेवाएं आसानी से पहुंच सकें। कोर्ट ने कहा कि डिजिटल बदलाव समावेशी और न्यायसंगत होना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि आज के समय में जब जरूरी सेवाएं, शासन, शिक्षा, स्वास्थ्य और आर्थिक मौका डिजिटल माध्यमों से ही मिल रहे हैं, तब संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत जीवन के अधिकार को इन तकनीकी वास्तविकताओं के अनुसार फिर से परिभाषित करना होगा। समानता के सिद्धांत के अनुसार, डिजिटल बदलाव समावेशी और न्यायसंगत होना चाहिए। जस्टिस आर. महादेवन ने जस्टिस जेबी पारदीवाला के साथ मिलकर यह फैसला सुनाया। यह फैसला दो एसिड अटैक पीड़ितों की याचिका पर सुनाया गया था। इन पीड़ितों का चेहरा बुरी तरह से झुलस गया था और वे 100 प्रतिशत अंधे थे। उन्होंने बताया कि डिजिटल केवीईसी/ई-केवीईसी प्रक्रिया को पूरा करने में उन्हें दिक्कत हो रही है, क्योंकि वे पलक झपका कर लाइव फोटो नहीं ले पा रहे हैं। इसकारण वे बैंक खाता नहीं खोल पा रहे हैं और टेलीकॉम कंपनियों से सिम कार्ड नहीं खरीद पा रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट ने उनकी याचिका को स्वीकार कर मोदी सरकार और आरबीआई (भारतीय रिजर्व बैंक) जैसे अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे ग्राहकों की लाइव फोटो लेने के लिए दूसरे तरीके अपनाएं। ताकि डिजिटल केवाईसी समावेशी और सुविधाजनक हो सके। कोर्ट ने कहा कि पेपर-आधारित केवाईसी प्रक्रिया को भी जारी रखा। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि डिजिटल खाई को पाटना अब सिर्फ नीति का मामला नहीं है, बल्कि यह सम्मान, स्वतंत्रता और सार्वजनिक जीवन में समान भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए एक संवैधानिक जरूरत बन गई है। कोर्ट ने कहा कि डिजिटल पहुंच का अधिकार, जीवन और स्वतंत्रता के अधिकार का ही एक हिस्सा है। इसलिए, राज्य को ऐसे डिजिटल सिस्टम बनाने और लागू करने चाहिए जो न केवल विशेषाधिकार प्राप्त लोगों के लिए हों, बल्कि उन लोगों के लिए भी हों जिन्हें हाशिए पर धकेल दिया गया है और जिन्हें ऐतिहासिक रूप से अलग रखा गया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि डिजिटल पहुंच का अधिकार अब मौलिक अधिकार है। इसका मतलब है कि हर किसी को डिजिटल सेवाओं का उपयोग करने का समान अवसर मिलना चाहिए। सरकार को यह सुनिश्चित करना होगा कि डिजिटल तकनीक सभी के लिए सुलभ हो और कोई भी पीछे न छूटे।

वेव्स ऐसा ग्लोबल प्लेटफॉर्म है, जो आप जैसे आर्टिस्ट, हर क्रिएटर का

मुंबई। मुंबई में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ल्ड ऑडियो-विजुअल एंड एंटरटेनमेंट समिट (वेव्स) को संबोधित कर कहा, आज मुंबई में 100 से अधिक देशों के आर्टिस्ट, निवेश और पॉलिसी मेकर्स एक साथ एक ही छत के नीचे एकत्र हुए हैं। एक तरह से आज ग्लोबल टैलेंट और ग्लोबल क्रिएटिविटी के एक ग्लोबल इको-सिस्टम की नींव रखी जा रही है।

पीएम मोदी ने कहा कि वेब्स ये सिर्फ एक छोटा सा नाम नहीं है। ये एक लहर है, कल्चर की, क्रिएटिविटी की, यूनिवर्सल जुड़वा की है। यह एक ऐसा ग्लोबल प्लेटफॉर्म है, जो आप जैसे हर आर्टिस्ट, हर क्रिएटर का है। जहां हर कलाकार, हर युवा एक नए आइडिया के साथ क्रिएटिव वर्ल्ड के साथ जुड़ेगा।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, आज 1 मई है। आज से 112 साल पहले 3 मई, 1913 को भारत में पहली फीचर फिल्म राजा हरिश्चंद्र रिलीज हुई थी, इसके निर्माता दादासाहेब फाल्के थे और कल ही उनकी जन्म-जयंती थी।

बीती एक सदी में भारतीय सिनेमा ने भारत को दुनिया के कोने-कोने में ले जाने में सफलता हासिल की है।

पीएम मोदी ने कहा कि आज वेव्स में इस मंच पर हमनें भारतीय सिनेमा के अनेक दिग्गजों को डाक टिकट के माध्यम से याद किया है। बीते वर्षों में मैं कभी गेमिंग वर्ल्ड, कभी म्यूजिक की दुनिया के लोगों से, फिल्म मेकर्स से मिला, कभी स्क्रीन पर चमकने वाले चेहरों से मिला। इन चर्चाओं में अक्सर भारत की क्रिएटिविटी, कैपेबिलिटी और ग्लोबल कोलाबरेशन की बातें उठती थीं।

पीएम मोदी ने कहा कि आज मेरा ये विश्वास और पक्का हो गया है कि आप सभी का प्रयास आने वाले वर्षों में वेब्स को नई ऊंचाई देगा। ये क्रिएट इन इंडिया, क्रिएट फॉर द वर्ल्ड का सही समय है। आज जब दुनिया स्टोरी-टेलिंग के नए तरीके ढूंढ रही है। तब भारत के पास हजारों वर्षों की अपनी कहानियों का खजाना है। और ये खजाना टाइमलैस है, थॉट प्रो-वॉकिंग और ट्रुली ग्लोबल है।

ये भारत में ऑरेंज इकोनॉमी का उदय काल है। कंटेंट, क्रिएटिविटी और कल्चर, ये ऑरेंज इकोनॉमी की तीन धुरी है। भारतीय फिल्मों की पहुंच अब दुनिया के कोने-कोने में पहुंच रही है। आज 100 से अधिक देशों में भारतीय फिल्में रिलीज होती हैं। इसलिए आज बड़ी संख्या में विदेशी दर्शक भारतीय कंटेंट को सब टाइटल्स के साथ देख रहे हैं।

भारत छोड़ने की डेडलाइन खत्म, केंद्र सरकार ने वापसी जारी रखने के दिए निर्देश

नई दिल्ली। पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद से केंद्र सरकार एक्शन में है। मोदी सरकार ताबड़तोड़ फैसले ले रही है। सरकार ने भारत में रह रहे पाकिस्तानी नागरिकों को वापस अपने देश जाने के लिए 48 घंटे का समय दिया था, जिसकी मियाद खत्म हो चुकी है। इसके बाद भी केंद्र सरकार ने अटारी-वाघा बॉर्डर से पाकिस्तानी नागरिकों की वापसी जारी रखने का निर्देश दिया है। यह आदेश अगले निर्देश तक लागू रहेगा।

बता दें पहले 30 अप्रैल तक समय सीमा तय की गई थी। पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद जारी सरकारी आदेश के बाद पिछले छह दिनों में 55 राजनयिकों, उनके आश्रितों और सहायक कर्मचारियों समेत सैकड़ों पाकिस्तानी नागरिक अटारी-वाघा सीमा के जरिए भारत छोड़ चुके हैं। मीडिया रिपोर्ट में अधिकारियों के हवाले से बताया गया है कि इनके अलावा पाकिस्तानी वीजा धारक 8 भारतीय भी पड़ोसी मुल्क चले गए हैं। यह सिलसिला आज भी जारी है। इसके अलावा 24 अप्रैल से अब तक पंजाब से लगी अंतरराष्ट्रीय सीमा के जरिए पाकिस्तान से भारत में कुल 1,465 भारतीय आए हैं, जिनमें 25 राजनयिक और अधिकारी शामिल हैं। इसके अतिरिक्त दीर्घकालिक भारतीय वीजा धारक 151 पाकिस्तानी नागरिक भी भारत आए हैं। सरकार ने पाकिस्तानी नागरिकों को भारत छोड़ो नोटिस तब जारी किया था जब 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादियों ने 28 लोगों की जान ले ली थी, जिनमें अधिकतर पर्यटक थे। दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन (दक्षेस) वीजा धारकों के लिए भारत छोड़ने की अंतिम तिथि 26 अप्रैल थी।

विद्युत समस्याओं को लेकर भरवेली सरपँच व प्रतिनिधियों ने सौंपा ज्ञापन

कहा- दो सालों से बंद पड़ा विद्युत विस्तार का काम, काम पूरा कराने 7 दिनों का दिया अल्टीमेटम, विद्युत विस्तार ना होने पर कार्यालय में ताला जड़ने की दी चेतावनी

बालाघाट(पदमेश न्यूज)। भरवेली बिजली वितरण केन्द्र में आर.डी.एस.एस.एस. योजना से फीडर को अलग-अलग किया जाना था, लेकिन अक्टूबर 2023 से ठेकेदार ने काम बंद कर दिया है, जिससे पंचायत में लोगों को बिजली समस्या से परेशानप होना पड़ रहा है। जिसको लेकर पंचायत सरपंच और प्रतिनिधियों ने वितरण केन्द्र जेई को ज्ञापन सौंपा। जिसमें उन्होंने विद्युत विस्तारीकरण कार्य को पूर्ण कर, विघुत व्यवस्था सुचारू बनाए रखने के लिए कंपनी को 7 दिनों का अल्टीमेटम दिया है। जिसमें उन्होंने इस समय सीमा में विद्युत विस्तार न होने और सुचारू विद्युत की व्यवस्था न बनाए जाने पर विघुत कार्यालय को बंद करने की चेतावनी दी है।

2023 से बंद है विघुत विस्तारीकरण का काम

जानकारी के अनुसार भारत सरकार ने बिजली आपूर्ति की गुणवत्ता, विश्वसनियता और सामर्थ्य बढ़ाने के लिए आर.डी.एस.एस.एस. योजना प्रारंभ की थी। जिसके तहत मॉयल नगरी भरवेली के सेंट्रल स्कूल फीडर से कृषि फीडर और घरेलु फीडर को अलग करना था। जिसका ठेका, निजी कंपनी को दिया गया था, लेकिन ठेका लेने के बाद, कंपनी ने कोई काम नहीं किया और अक्टूबर 2023 से यह काम बंद है।

बिजली समस्या से झूझ रहे ग्रामीण,महज पत्राचार में सिमट कर रह गई कार्यवाही

विघुत विस्तारीकरण का कार्य बंद होने के कारण, मॉयल नगरी भरवेली में बिजली की समस्या से ग्रामीण परेशान है, जिसका सीधा असर, ग्रामीणो की रोजमर्रा दिनचर्या पर पड़ रहा है। करोड़ो रूपए की इस योजना के अपूर्ण होने के बावजूद, बिजली विभाग, ठेकेदार से केवल पत्राचार तक ही सीमित है, वहीं जिम्मेदार भी, योजना के पूर्ण को लेकर संतोषजनक जवाब नहीं दे पा रहे है। जिससे बिजली विभाग की कार्यप्रणाली को लेकर पंचायत प्रतिनिधि और ग्रामीणो में आक्रोश बढ़ रहा है। ए आर.डी.एस.एस.एस. योजना के तहत पंचायत में हो रहे कार्यो को पूरा करने की मांग को लेकर पंचायत सरपंच गीता अनिल बिसेन के नेतृत्व में पंचायत जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों ने कनिष्ठ अभियंता, भरवेली वितरण केन्द्र में जेई बबिता उईके को ज्ञापन सौंपा और सात दिन के भीतर, कार्य पूर्ण नहीं होने पर कार्यालय में तालाबंदी किए जाने की चेतावनी दी।

शिकायत करने पर मिलता है सिर्फ आश्वासन

बताया गया कि अशोका बिल्डकॉन कंपनी, ग्राम पंचायत क्षेत्र में विद्युत लाईन विस्तार, नवीनिकरण एवं अन्य सुधार कार्य ठेके के माध्यम से करवा रही थी। जिसे अक्टूबर 2023 से बंद कर दिया गया है। ग्राम पंचायत भरवेली में विगत दो वर्षो से अधूरे पड़े आर.डी.एस.एस.एस. योजना के कार्य को लेकर विभाग से बार-बार संपर्क करने पर केवल आश्वासन दिया जाता है। इस मामले की शिकायत जिला स्तर से लेकर प्रदेश स्तर तक की गई है। उसके बावजूद भी कोई कार्य नहीं किया गया। इस मामले को लेकर कनिष्ठ अभियंता बबीता उईके से चर्चा की गई तो उन्होंने बताया कि ये मामला विभागीय स्तर का है। विभाग को अवगत कराकर समस्या का समाधान किया जाएगा।

तो विद्युत वितरण केंद्र भरवेली में तालाबंदी कर, करेंगे धरना प्रदर्शन- गीता बिसेन

ज्ञापन को लेकर की गई चर्चा के दौरान ग्राम पंचायत भरवेली सरपंच श्रीमती गीता अनिल बिसेन ने बताया कि ए आर.डी.एस.एस.एस. योजना के अधूरे पड़े रहने से पंचायत क्षेत्र में ग्रामीणों को विद्युत समस्या से परेशान होना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार ने करोड़ों रूपए का काम बड़े फर्म को दे तो दिया है, लेकिन उसकी सही मॉनिटरिंग नहीं किए जाने के कारण ग्रामीण जनता को परेशान होना पड़ रहा है। जिसके कारण पंचायत के प्रतिनिधियों को जनता का आक्रोश झेलना पड़ता है। उन्होंने बताया कि आर.डी.एस.एस.एस. योजना के अंतर्गत विद्युत विस्तार का कार्य 2022-2023 से भोपाल की अशोक बिल्डकॉन कंपनी को दिया गया था। जिसने, विद्युत कार्य को अधूरा ही छोड़ दिया है। जिसके कारण भरवेली के कई वार्डो में विद्युत समस्या से ग्रामीण परेशान है। जिसको लेकर आज, भरवेली विद्युत वितरण केंद्र में जूनियर इंजीनियर को ज्ञापन सौंपा गया। साथ ही उन्हें अवगत कराया गया कि 7 दिनों के अंदर विद्युत समस्या का समाधान नहीं होने पर विद्युत वितरण केंद्र भरवेली में तालाबंदी कर धरना दिया जाएगा।

कार मोटरसाइकिल को ठोस मारकर हुई फरार

दो महिला सहित तीन लोग घायल

बालाघाट(पदमेश न्यूज)। हट्टा थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम सालेटेका से पिपरझरी के बीच कार मोटरसाइकिल को ठोस मारकर फरार हो गई। इस दुर्घटना में मोटरसाइकिल में सवार दो महिला सहित तीन लोग घायल हो गए। जिनमे गंभीर रूप से घायल चंद्रकांत पिता दीपचंद देशमुख 22 वर्ष ग्राम मुर्री थाना किरनापुर, और चंद्रकला पति ईशु लाल पांचे ग्राम लिंगा थाना ग्रामीण बालाघाट निवासी को जिला अस्पताल में भर्ती किया गया वहीं इस दुर्घटना में चंद्रकांत की मां मीराबाई देशमुख 45 वर्ष को मामूली चोटें आई है। प्रास जानकारी के अनुसार चंद्रकांत अपनी मां मीरा देशमुख और चंद्रकला

पांचे के साथ मोटरसाइकिल में ग्राम खुर्सीपार अपने रिश्तेदार के घर शादी में शामिल होने के लिए गए थे और शादी में शामिल होने के बाद 1मई को चंद्रकांत देशमुख, अपनी मां मीरा देशमुख और चंद्रकला पांचे को मोटरसाइकिल में लेकर ग्राम खुर्सीपार से अपने घर मुर्री जाने निकले थे। 4:00 करीब पिपरझरी से सालेटेका की ओर आते समय सालेटेका की ओर से तेज रफ्तार से जा रही एक कार मोटरसाइकिल को ठोस मारकर फरार हो गई। इस दुर्घटना में चंद्रकांत देशमुख चंद्रकला पांचे और मीराबाई देशमुख तीनों घायल हो गए तीनों घायल को 108 एंबुलेंस से जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किया गया है। हालांकि इस दुर्घटना में मीरा देशमुख को मामूली चोंटे आई है। जिला अस्पताल पुलिस ने घायलों का बयान लेकर अस्पताल तहरीर अग्रिम कार्यवाही हेतु पुलिस थाना हट्टा भिजवा दी है।

माकूल व्यवस्थाओं के साथ जिले के 8 केंद्रों पर 4 मई को आयोजित होगी नीट परीक्षा

परीक्षा केंद्रों में शांति व सुरक्षा व्यवस्था के लिए प्रशानिक अधिकारी नियुक्त

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। मेडिकल व डेंटल महाविद्यालयों में प्रवेश के लिए 4 मई को नीट परीक्षा का आयोजन किया जाएगा। परीक्षा की तैयारियों के सम्बंध में उच्च शिक्षा मप्र शासन के अपर मुख्य सचिव अनुपम राजन ने वीसी के माध्यम से तैयारियों के सम्बंध में निर्देश दिए है। नेशनल एलिजिबिलिटी कम एंट्रेंस टेस्ट के लिए बालाघाट जिले के 08 परीक्षा केंद्रों में नीट परीक्षा का आयोजन 04 मई रविवार को होना है। 4 मई को दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक तथा दिव्यांगों को एक अतिरिक्त घंटे का समय परीक्षा में दिया जाएगा। इन परीक्षा केंद्रों में कानून व शांति व्यवस्था बनाये रखने के लिए कलेक्टर मृणाल मीना ने प्रशासनिक अधिकारियों की ड्यूटी लगायी गई है। जिसमे परीक्षा केंद्र सीएम राइज बालाघाट के लिए संयुक्त कलेक्टर मायाराम कौल, पीएम श्री बालाघाट में एसडीएम गोपाल सोनी, शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बूढ़ी में लिए तहसीलदार भूपेंद्र अहिरवार, शासकीय एक्सीलेंस बालाघाट में नायब तहसीलदार हट्टा सुश्री वंदना कुशराम, कमला नेहरू कन्या महाविद्यालय में नायब तहसीलदार लामता दशवंता मरावी, पीजी कॉलेज में प्रभारी तहसीलदार वारासिवनी शेख इमरान मंसूरी, पॉलीटेक्निक कॉलेज बालाघाट में नायब तहसीलदार किरनापुर केशोराव टेकाम और एमएलबी बालाघाट में नायब तहसीलदार लालबर्रा श्री मयंक मिश्रा को नियुक्त किया गया है।

कीटनाशक के सेवन से बेहोश व्यक्ति की उपचार के दौरान मौत

बालाघाट(पदमेश न्यूज)। कीटनाशक दवाई के सेवन से जिला अस्पताल में भर्ती एक व्यक्ति की उपचार के दौरान मौत हो गई। मृतक रामचंद्र पिता तुलाराम पन्द्राम 60 वर्ष ग्राम रानी मोहगांव थाना तिरोड़ी निवासी है। जिला अस्पताल पुलिस ने इस व्यक्ति का शव पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिए हैं। प्रास जानकारी के अनुसार रामचंद्र पन्द्राम खेती मजदूरी करता था जिसके परिवार में तीन बेटी और दो बेटे हैं सभी की शादी हो चुकी है। रामचंद्र की तीनों बेटी अपने ससुराल में रहती है और दो बेटे खेमराज पन्द्राम और हेमराज पन्द्राम सभी साथ में ही रहते हैं। हेमराज पन्द्राम सेलवा माईन्स में काम करता है। 30 अप्रैल को सुबह हेमराज पन्द्राम सेलवा माइंस चला गया था। इसके बाद 8 बजे करीब रामचंद्र पन्द्राम ने घर में रखी कीटनाशक दवाई का सेवन कर लिया। उस समय रामचंद्र पन्द्राम शराब के नशे में था। खबर मिलते ही हेमराज पन्द्राम सेलवा से अपना घर रानी मोहगांव पहुंचा और अपने पिता रामचंद्र पन्द्राम से पूछा तब उसने बताया कि उसने दवाई समझकर कीटनाशक दवाई पी लिया है। इसके बाद रामचंद्र पन्द्राम को उसके बेटे खेमराज पन्द्राम और हेमराज पन्द्राम ने प्राइवेट वाहन से कटंगी अस्पताल लाकर भर्ती किये। जहां से प्राथमिक उपचार के बाद रामचंद्र पन्द्राम को जिला अस्पताल बालाघाट रेफर किया गया था। 108 एंबुलेंस से रामचंद्र पन्द्राम को जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किया। जहां उपचार के दौरान शाम 7:30 बजे करीब रामचंद्र पन्द्राम की मौत हो गई। जिला अस्पताल पुलिस ने रामचंद्र पन्द्राम का शव जिला अस्पताल के फ्रीजर में सुरक्षित रखवा दी गई थी। 1 मई को जिला अस्पताल पुलिस चौकी के प्रधान आरक्षक रामेश्वर बिसेन और आरक्षक शरद यादव ने मृतक रामचंद्र पन्द्राम का शव पंचनामा कार्यवाही पश्चात पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिए और धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 के तहत मर्ग कायम कर मर्ग डायरी अग्रिम कार्यवाही हेतु पुलिस थाना तिरोड़ी भिजवा दी है।

अतिक्रमण हटाकर 625 पौधों को बसाया अब बन गया गांव का फलदार बगीचा

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। वारासिवनी में नरोड़ी गांव ने पौधरोपण के कार्य मे मिसाल पेश की है। यहाँ आज से 2 साल पहले पंचायत की भूमि पर गांव के लोगो द्वारा लावारिस पड़ी जमीन पर अतिक्रमण किया हुआ था। गांव के ही लोगों में किसी ने पशु बांधने के लिए शेड बना रहे थे, तो किसी ने चारागाह बनाया का रहा था। ऐसी स्थिति में ग्राम पंचायत ने प्रस्ताव पारित के स्वेच्छा से अतिक्रमण हटा लिया। इसी भूमि पर फिर से अतिक्रमण होना प्रारम्भ हो गया था। पंचायत ने फिर सक्रिय होकर अतिक्रमण हटाया। इसके बाद मनरेगा योजना के तहत करीब 1 हैक्टेयर क्षेत्र में फलदार पौधों का पौधारोपण किया गया। आज 2 साल पहले हुए पौधारोपण से गांव को ही आम, कटहल,अमरूद और जामुन जैसे फल मिलने की स्थिति में आ गया है।

सरपंच की रही मुख्य भूमिका

पंचायत के सरपंच की इस बगीचे को स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका रही है। सरपंच ने रूचि लेकर अपना योगदान दिया। उन्होंने देखरेख के साथ स्वयं ने ऊंचे स्थान पर पानी की टंकी रखवाई। ताकि पानी पूरे क्षेत्र में पहुँच जाएं। यह पौधरोपण मनरेगा के तहत 3.53 लाख रुपये की लागत से लगाया गया। अब यह गांव के सम्मान का क्षेत्र बन गया है।

कार्यालय जनपद पंचायत बालाघाट, जिला-बालाघाट (म0प्र0)

ईमेल- jpbalaghat@mp.nic.in balaghatjanpad@gmail.com

॥ ई-निविदा ॥

दुकानों के अंतरण किये जाने निविदा की सूचना

क्रमांक/1596/शा.का./ज.पं./2025 बालाघाट, दिनांक 01.05.2025

टेण्डर आईडी क्र.	दुकान क्र.	दुकान का क्षेत्रफल (वर्गफीट)	सरकारी बोली/न्यूनतम बोली	अमानत राशि	निविदा प्रपत्र मुल्य	दुकान के आरक्षण की स्थिति	क्र.
01	02	03	04	05	06	07	08
2025_DoPR_420084_1	01	8x11	751000.00	50000.00	2000.00	अनुसूचित जाति	1
2025_DoPR_420258_1	02	8x11	751000.00	50000.00	2000.00	अनुसूचित जनजाति	2
2025_DoPR_420259_1	03	8x11	751000.00	50000.00	2000.00	अनुसूचित जनजाति	3
2025_DoPR_420260_1	04	8x11	751000.00	50000.00	2000.00	अन्य पिछला वर्ग	4
2025_DoPR_420265_1	05	8x11	751000.00	50000.00	2000.00	अनारक्षित	5
2025_DoPR_420266_1	06	8x11	751000.00	50000.00	2000.00	अनारक्षित	6
2025_DoPR_420268_1	07	8x11	751000.00	50000.00	2000.00	अनारक्षित	7
2025_DoPR_420273_1	08	8x11	751000.00	50000.00	2000.00	अनारक्षित महिला	8

1 :- प्रत्येक निविदाकार शासन द्वारा जारी केन्द्रीय पंजीकृत प्रणाली के पोर्टल की बेवसाईट https://mptenders.gov.in में पंजीकृत होना अनिवार्य है। जिस नाम से आई0डी0 होगी उसी नाम से निविदा आफर प्रस्तुत किया जावेगा।
2 :- निविदा प्रपत्र की खरीदी ऑनलाईन बेवसाईट https://mptenders.gov.in में ऑनलाईन पैमेन्ट एवं पोर्टल सर्विस चार्ज के साथ खरीदें जा सकते है।
3 :- निविदा दिनांक 01/05/2025 समय सायं 5:30 बजे तक पोर्टल पर उपलब्ध होगी।
4 :- निविदा ऑनलाईन जमा करने का दिनांक 02/05/2025 समय सायं 5:30 बजे से दिनांक 31/05/2025 समय सायं 5:30 बजे तक है।
5 :- निविदा फार्म खोलने का दिनांक 04/06/2025 दोपहर 12:00 बजे से है।
6 :- निविदा में संशोधन केवल बेवसाईट पर देख सकते है, अखबारों में इसका कोई प्रकाशन नहीं किया जावेगा।
नोट :- यह केवल संक्षिप्त निविदा सूचना है, निविदा से संबंधित विस्तृत जानकारी के लिये जनपद पंचायत बालाघाट में कार्यालयीन दिवस एवं समय पर देखी जा सकती है।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी
जनपद पंचायत बालाघाट

आवश्यकता है

ऑफिस कार्य हेतु चपरासी की आवश्यकता है, 25 वर्ष से कम उम्र के बालाघाट एवं आसपास के रहने वाले ही संपर्क करें। वेतन-12000+ मिलने एवं फोन लगाने का समय शाम 5 बजे से शाम 8.00 बजे तक

संपर्क
बाघरेचा तिजारे एण्ड एसोसिएट्स चार्टड एकाउन्टेन्ट्स, श्याम टॉकीज एण्ड मॉल द्वितीय तल मेन रोड बालाघाट (मप्र)
मो. 9201340520/7999613237

आवश्यकता है

सिविल वर्क/इन्टीरयर वर्क देखरेख हेतु ITI/Polytechnic युवती की आवश्यकता है
वेतन - 10000+
मिलने एवं फोन लगाने का समय शाम 5 बजे से शाम 8.00 बजे तक

संपर्क
बाघरेचा तिजारे एण्ड एसोसिएट्स चार्टड एकाउन्टेन्ट्स, श्याम टॉकीज एण्ड मॉल द्वितीय तल मेन रोड बालाघाट (मप्र)
मो. 9201340520/7999613237

कार्यालय ग्राम पंचायत खोड़सिवनी
जनपद पंचायत बालाघाट जिला. बालाघाट

क्रमांक/क्यू दिनांक- 28/04/2025

निविदा

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि कार्यालय ग्राम पंचायत खोड़सिवनी मे 2025-2026 के लिए 30/04/2025 से 08/05/2025 तक निविदा आमंत्रित की जाती है, जिसमे 15वाँ वित्त आयोग, मनरेगा, स्वच्छ भारत अभियान व अन्य मद से विभिन्न विकास कार्यों के निर्माण के लिए रेत, लोहा, सीमेंट, गिट्टी, मुरम, फोटोकापी स्टेशनरी, कम्प्युटर सामग्री, नाली निर्माण, सर्व शिक्षा अभियान, इलेक्ट्रांनिक उपकरण सहित अन्य आवश्यक निर्माण सामग्री के साथ स्ट्रीट लाईट, हाईमास्क तथा इसके सभी उपकरण लगाने के लिए निविदा निर्धारित प्रारूप में आंमत्रित की जाती है, निविदाकर्ता की फर्म रजिस्टर्ड होना आवश्यक है, निविदाकर्ता कार्यालयीन समय में पहुंचकर बंद लिफाफे में निविदा जमा कर सकते है निविदा के सम्बन्ध में अंतिम निर्णय ग्राम पंचायत का होगा।

संरपच - श्री पीतमलाल पाँचे,
उपसंरपच - श्री ठानीराम पांचे, स्थचिव - श्री बाजीराव राउत, रोजगार सहायक - श्री युगल किशोर
एवं समस्त पंचगण ग्राम पंचायत खोड़सिवनी

कार्यालय तहसीलदार तहसील लालबर्रा
जिला बालाघाट (म.प्र.)

रा.प्र.क्र. 0003/ड-154/2025-26
मौजा पाथरसाही, रा.नि.मं. लालबर्रा

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक अनिल चौधरी पिता गनीराम चौधरी जाति पंवार, निवासी ग्राम लेण्डेझरी, तहसील लालबर्रा, जिला बालाघाट द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मौजा पाथरसाही, रा.नि.मं. लालबर्रा तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट में स्थित आवेदक द्वारा अपने पिताजी स्व. गनीराम पिता धरमचंद का अनुज्ञा प्रमाण पत्र रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1969 की धारा 12(2) म.प्र. मृत्यु पंजीयन 1999 नियम 12(2) प्रावधानों के अंतर्गत उपरोक्त मृत्यु की घटना दिनांक 15.05.1996 मृत्यु की घटना स्थल ग्राम पाथरसाही के अंतर्गत आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है। जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति हो तो वह दिनांक 12.05.2025 के पूर्व स्वयं या अपने अभिभाषक/अधिवक्ता सहित उपस्थित होकर इस न्यायालय में दावा आपत्ति पेश कर सकते है। नियत तिथि उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 01.05.2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

स्थान - लालबर्रा
दिनांक - 02.05.2025

के.एल. तेकाम
तहसीलदार
तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट म.प्र.

कार्यालय तहसीलदार तहसील लालबर्रा
जिला बालाघाट (म.प्र.)

रा.प्र.क्र. 0007/ड-154/2025-26
मौजा अमोली, रा.नि.मं. लालबर्रा

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक विमला ब्रम्हे पति महेश ब्रम्हे जाति गढ़ेवाल, निवासी ग्राम अमोली, तहसील लालबर्रा, जिला बालाघाट द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मौजा अमोली, रा.नि.मं. लालबर्रा तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट में स्थित आवेदक द्वारा अपने पति स्व. महेश ब्रम्हे पिता समलदास ब्रम्हे का अनुज्ञा प्रमाण पत्र रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1969 की धारा 12(2) म.प्र. मृत्यु पंजीयन 1999 नियम 12(2) प्रावधानों के अंतर्गत उपरोक्त मृत्यु की घटना दिनांक 05.12.2007 मृत्यु की घटना स्थल ग्राम अमोली के अंतर्गत आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है। जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति हो तो वह दिनांक 09.05.2025 के पूर्व स्वयं या अपने अभिभाषक/अधिवक्ता सहित उपस्थित होकर इस न्यायालय में दावा आपत्ति पेश कर सकते है। नियत तिथि उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 29.04.2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

स्थान - लालबर्रा
दिनांक - 02.05.2025

के.एल. तेकाम
तहसीलदार
तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट म.प्र.

कार्यालय तहसीलदार तहसील लालबर्रा
जिला बालाघाट (म.प्र.)

रा.प्र.क्र. 0004/ड-154/2025-26
मौजा कनकी, रा.नि.मं. कनकी

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक राकेश बांधे पिता धुरन बांधे जाति लोहार, निवासी ग्राम कनकी, तहसील लालबर्रा, जिला बालाघाट द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मौजा कनकी, रा.नि.मं. कनकी तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट में स्थित आवेदक द्वारा अपनी दादीजी स्व. सुगनीबाई पति येकट का अनुज्ञा प्रमाण पत्र रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1969 की धारा 12(2) म.प्र. मृत्यु पंजीयन 1999 नियम 12(2) प्रावधानों के अंतर्गत उपरोक्त मृत्यु की घटना दिनांक 05.10.2010 मृत्यु की घटना स्थल ग्राम कनकी के अंतर्गत आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है। जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति हो तो वह दिनांक 07.05.2025 के पूर्व स्वयं या अपने अभिभाषक/अधिवक्ता सहित उपस्थित होकर इस न्यायालय में दावा आपत्ति पेश कर सकते है। नियत तिथि उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 29.04.2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

स्थान - लालबर्रा
दिनांक - 02.05.2025

के.एल. तेकाम
तहसीलदार
तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट म.प्र.

खुशख़बरी

किसी भी कंपनी की बाईक श्री फायनेंस में फायनेंस कराने पर बाईक के शोरूम रेट में 2500/- रूपये की नगद छुट श्री फायनेंस द्वारा दी जाएगी।
संपर्क करें :
श्री फायनेंस जनपद कॉम्पलेक्स वारासिवनी
7879930478
नोट : ऑफर सिमित समय के लिए

घरेलू कार ड्राइवर चाहिए
वेतनमान 10000
संपर्क करें -9329595770

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

नौकरी लगाने के नाम पर धोखाधड़ी करने के मामले में

महाराष्ट्र राज्य के एक आरोपी प्रशांत बोपचे को 7-7वर्ष की सश्रम कारावास

4 लाख 70 हजार रुपये अर्थदंड, विद्वान सत्र न्यायाधीश प्राणेश कुमार प्राण की अदालत का फैसला

बालाघाट(पदमेश न्यूज)। विद्वान सत्र न्यायाधीश प्राणेश कुमार प्राण की अदालत ने नौकरी लगाने के नाम पर लाखों रुपए लेकर धोखाधड़ी करने के मामले में महाराष्ट्र राज्य के एक आरोपी को 7 वर्ष की सश्रम कारावास की सजा सुनाई। यह आरोपी प्रशांत बोपचे उर्फ पुरुषोत्तम मेश्राम 56 वर्ष ग्राम खापरखेड़ा तहसील सावनेर जिला नागपुर महाराष्ट्र निवासी है। विद्वान अदालत ने इस आरोपी को 7 वर्ष की सश्रम कारावास के अलावा 4 लाख 70 हजार रुपये अर्थदंड से भी दंडित किए हैं। इस आरोपी ने 14 लोगों से रेलवे में नौकरी लगाने के नाम पर रुपए लेकर धोखाधड़ी की थी। इस मामले की पर भी अभियोजन की ओर से लोक अभियोजक मदन मोहन द्विवेदी द्वारा की गई थी।

14 बेरोजगारों से रेलवे में नौकरी लगाने के नाम पर की थी धोखाधड़ी

अभियोजन के अनुसार 24 मार्च 2022 को लोकेश बोहने ने किरनापुर थाना में एक लिखित शिकायत दर्ज की थी कि 26 फरवरी 2022 को उसके मित्र संकेत मेश्राम द्वारा यह जानकारी दी गई थी कि एक व्यक्ति एसकेएम कंपनी रेलवे कंस्ट्रक्शन (प्राइवेट लिमिटेड) एमएचसीजी एमपी नागपुर रजिस्ट्रेशन नंबर 582 एसआईओ 900 मैं काम करता है जो बेरोजगारों को रेलवे में नौकरी लगवा रहा है।

इस आशय की जानकारी प्राप्त होने पर लोकेश ने उस व्यक्ति से संपर्क किया था।जिसने अपना नाम प्रशांत पिता यशवंत बोपचे निवासी ग्राम खापरखेड़ा जिला नागपुर निवासी बताया उसने यह भी कहा कि वह 20000 रुपये जमा करता है तो उसकी नौकरी ग्राम खारा के कंट्रोल रूम में सिग्नल दिखाने के पद पर लग जाएगी। उसने लोकेश को 25 मार्च 2022 को अंतिम तिथि होना बताते हुए रुपए जमा करने कहा था। लोकेश इस व्यक्ति की बातों में आकर उसने 23 मार्च 2022 को प्रशांत बोपचे को 20000 रुपये ऑनलाइन ट्रांसफर करना चाह तब प्रशांत बोपचे ने लोकेश को एक बारकोड भेजा था। जिस पर दीपक सिंह गौतम का नाम आ रहा था। प्रशांत बोपचे ने दीपक सिह को अपना परिचित बताया और उसी के अकाउंट में पैसे डालने कहा था। लोकेश ने दीपक सिंह के खाते में 20000 रुपये ट्रांसफर किये थे। इसके बाद प्रशांत बोपचे ने लोकेश को कंप्यूटर से टाइप सुदा नियुक्ति पत्र

लाकर दिया और आश्वासन दिया था कि कुछ दिन में उसकी नौकरी लग जाएगी। लेकिन लोकेश को कोई नौकरी नहीं दी गई ।जानकारी लेने पर लोकेश को ज्ञात हुआ कि इस व्यक्ति द्वारा अन्य कई से नौकरी दिलाने के नाम पर रुपए प्राप्त किए हैं। लोकेश द्वारा की गई शिकायत पर आरोपी प्रशांत बोपचे के विरुद्ध धारा 420 भादवि के तहत अपराध पंजीबद्ध कर जांच प्रारंभ की गई थी जांच में फरियादी लोकेश के अलावा मुकेश नागेश्वर, ओम प्रकाश मदनकर,राज पांचे, शेखर राहंगडाले, प्रतीक शक्करपुड़े, संकेत मेश्राम,शुभम राहंगडाले, केशव प्रसाद नगपुरे, राहुल गोंडाने, नवजोत महाजन,सुरेंद्र नागेश्वर,आशीष लांजेवार और राम पिलगेर आदि को नौकरी का झांसा देकर धोखाधड़ी कर फर्जी जॉइनिंग लेटर देने का मामला सामने आया। किरनापुर पुलिस ने लोकेश सहित अन्य पीड़ित पक्षकारों के कथन लेने के बाद इस मामले में प्रशांत बोपचे को गिरफ्तार करने किये और विवेचना अनुसंधान के उपरांत धारा 420 419 467 467 एवं 471 भादवि के तहत अभियोग पत्र विद्वान अदालत में पेश किया गया था। यह मामला हाल ही में विद्वान सत्र न्यायाधीश प्राणेश कुमार प्राण की अदालत में चला। जहां अभियोजन पक्ष आरोपी प्रशांत बोपचे के विरुद्ध धारा 420 और धारा 468 भादवि के तहत आरोपित अपराध सिद्ध करने में सफल रहा। जिसके परिणाम स्वरूप विद्वान अदालत ने मामले की समस्त परिस्थितियों को देखते हुए अपने विवेचन निष्कर्ष और उपलब्ध साक्ष्य के आधार पर आरोपी प्रशांत बोपचे उर्फ पुरुषोत्तम मेश्राम पिता यशवंत राव बोपचे 56 वर्ष ग्राम खापरखेड़ा तहसील सावनेर जिला नागपुर महाराष्ट्र निवासी को धारा 420 भादवि (14काउंट) में 7-7 वर्ष की सश्रम कारावास, 3लाख 99 हजार रुपये अर्थदंड, धारा 468 भादवि(14काउंट)में 7-7 सश्रम कारावास, 5 -5हजार रुपये अर्थदंड से दंडित किये।

पीडित पक्षकार को प्रतिकर राशि भुगतान करने के आदेश

विद्वान अदालत ने आरोपी द्वारा अर्थदंड की राशि अदा की जाने पर अपील अवधि पश्चात अपील न होने की दशा में पीड़ित पक्षकार जिनमे लोकेश बोहने को 30 हजार रुपए, मुकेश नागेश्वर को 30 हजार रुपये, ओमप्रकाश मदनकर को 15 हजार रुपये, राज पांचे को25 हजार रुपये, शेखर राहंगडाले को 40 हजार रुपये, प्रतीक शक्करपुडे को 30 हजार रुपये, संकेत मेश्राम को 25हजार रुपये, शुभम राहंगडाले को 20 हजार रुपये, केशव प्रसाद नगपुरे को 30 हजार रुपये, राहुल गोंडाने को 30 हजार रुपये, नवजोत महाजन को 30 हजार रुपये, सुरेंद्र नागेश्वर को 30हजार रुपये, आशीष लांजेवार को 15 हजार रुपये, और राम पिलगेर को 30 हजार रुपये प्रतिकर राशि भुगतान करने के आदेश दिए हैं।

पुरानी पेशल बहाली संघ ने निकाला कैडल मार्च

अंबेडकर चौक में मोमबत्ती जलाकर,अर्पित किए श्रद्धा सुमन, पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए नागरिकों को दी श्रद्धांजलि, मृतक के परिजनों को 1 करोड़ रु मुआवजा व सरकारी नौकरी की करी मांग

बालाघाट(पदमेश न्यूज)। पिछले दिनों जम्मूकश्मीर के पर्यटन स्थल पहलगाम बैसरन घाटी में हुए आतंकवादी हमले में 26 निर्दोष नागरिकों की हत्या किए जाने के बाद देश भर में शोक और रोष का माहौल है। इस नरसंहार की घटना की सभी धर्मावलंबियों के साथ साथ तमाम सामाजिक राजनैतिक सहित अन्य संगठनों ने निंदा की है।इस खौफनाक घटना के बाद बालाघाट में भी शोक और रोष का माहौल व्याप्त है।इसी कड़ी में पहलगाम के बैसरन घाटी में हुए इस आतंकी हमले पर पुरानी पेंशन बहाली संघ ने कड़ा विरोध जताया है।जिन्होंने घटना के विरोध में अंबेडकर गार्डन से कैंडल मार्च निकालकर मृतकों के प्रति श्रद्धा सुमन अर्पित किए तो वही पाकिस्तान और आतंकी संगठनों पर वैधानिक कार्यवाही कर, इस घटना में लिप्त सभी आतंकियों को फांसी की सजा दिए जाने की मांग की है।कैडल मार्च के माध्यम से एनपीएस संगठन ने अंबेडकर चौक पहुचकर, इस घटना में मारे गए सभी 26 लोगो को मोमबत्ती जलाकर श्राद्धाजंली दी।तो वही उन्होंने मृतको के सभी परिजनों को 1 -1 करोड़ रु मुआवजा देने सहित, मृतकों के 1 परिजन को सरकारी नौकरी दिए जाने की गुहार लगाई है। इस दौरान पुरानी पेंशन बहाली संघ प्रांतीय संगठन मंत्री गिरधारी ठाकरे,जिला अध्यक्ष बीके पटेल, उपाध्यक्ष गौरी शंकर पटले, महासचिव निलय कुमार एडे, जिला मंत्री योगराज बाहेकर, जिला मीडिया प्रभारी प्रभु दयाल भलावे, नंद किशोर ठाकरे, राजेश बाहेकर, राजेश भीमटे, शिव नारायण पारधी, श्रीमती अनीता खांडेकर,और देवकन भगत, सहित पुरानी पेंशन बहाली संघ के से जुड़े अन्य पदाधिकारी सदस्य शिक्षक गण प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

मृतको को मिले शहीद का दर्जा- ठाकरे

आयोजन को लेकर की गई चर्चा के दौरान पुरानी पेंशन बहाली संघ प्रांतीय संगठन मंत्री गिरधारी ठाकरे और जिला अध्यक्ष बीके पटेल ने बताया कि पुरानी पेंशन बहाली संघ राष्ट्रीय अध्यक्ष विजय कुमार बंधु के आह्वान पर आज 1 मई गुरुवार को देश के सभी राज्यों व जिले में कैंडल मार्च श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। इसी कड़ी में बालाघाट में भी एनपीएस संगठन द्वारा पिछले दिनों जम्मूकश्मीर के पर्यटन स्थल पहलगाम बैसरन घाटी में हुए आतंकवादी हमले में मारे गए सभी 26 निर्दोष नागरिकों की याद में यह कैंडल मार्च निकाला गया है। आज उपस्थित साथियों ने कैंडल जलाकर इस आतंकी घटना में मृत हुए सभी नागरिकों को श्रद्धा सुमन अर्पित कर श्रद्धांजलि दी है। इस कार्यक्रम के माध्यम से हम मोदी सरकार से मांग करते हैं कि इस घटना में लिप्त सभी आतंकियों को फांसी की सजा दी जाए, तो वही इस हमले में मारे गए सभी नागरिकों को शहीद का दर्जा प्रदान किया जाए। इसके अलावा मृतको के परिजनों को एक-एक करोड रुपए की मुआवजा राशि के साथ ही मृत के 1 परिजन को शासकीय नौकरी प्रदान की जाए। इसी आशा और विश्वास के साथ आज कैंडल मार्च निकालकर श्रद्धा सुमन अर्पित कर सभी

जाति जनगणना के विषय को लेकर ओबीसी, एससी-एसटी क्रांति मोर्चा आया सामने, फैसले का किया स्वागत

अन्य वादों जैसे जातिगत जनगणना भी ना रह जाए अधूरी, एक विशेष मुद्दे से ध्यान भटकाने लाया गया है सरकार द्वारा जनगणना का मुद्दा, लगाया आरोप

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। राष्ट्रीय ओबीसी, एससी-एसटी क्रांति मोर्चा बालाघाट द्वारा स्थानीय सर्किट हाउस में प्रेस वार्ता ली गई, जहां मोर्चा के पदाधिकारी द्वारा बताया गया कि जो सरकार द्वारा जातिगत जनगणना करवाए जाने की बात कही जा रही है उस फैसले का वह सम्मान करते हैं । किंतु सरकार द्वारा अन्य किए गए वादों जैसा ही यह वादा भी अधूरा ना रह जाए उन्होंने सरकार को जातिगत जनगणना किए जाने वाले वादे को निभाने की मांग की है। उन्होंने कहा कि सरकार तत्काल जातिगत जनगणना को लेकर बजट पास करें। जल्द से जल्द तय समय सीमा में जातिगत जनगणना को पूरा करें। क्योंकि उन्हें लगता है कि सरकार द्वारा इसके पहले भी कई वादे किए गए थे और वह वादे आज तक अधूरे हैं उन्हें तो यह भी लग रहा है कि अभी एक विशेष मुद्दा इन दिनों देश में चल रहा है। उस मुद्दे से ध्यान भटकाने के लिए सरकार द्वारा जातिगत जनगणना किए जाने की बात कही जा रही है। उन्होंने कहा कि यदि ऐसा होता है तो वह फिर सड़कों पर उतरकर आंदोलन करेंगे पर अभी सरकार द्वारा जातिगत जनगणना किए जाने के फैसले का उन्होंने स्वागत किया और स्थानीय अंबेडकर चौक में आतिशबाजी का अंबेडकर जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर खुशी जाहिर की है । आपको बता दे कि भारत सरकार ने देश में जातिगत जनगणना कराए जाने का ऐलान किया है। सरकार के ऐलान का स्वागत करते हुए आंबेडकर चौक में ओबीसी, एससी-एसटी क्रांति मोर्चा ने, गुरूवार को आतिशबाजी की। हालांकि पहलगाम हमले के बीच और बिहार चुनाव के पहले हुए इस ऐलान को लेकर, मोर्चा ने, संदेह भी जाहिर किया है। जिसको लेकर मोर्चा के प्रतिनिधियों ने 1 मई को सायंकाल 5 बजे, प्रेस से चर्चा में सरकार के निर्णय पर अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि यदि सही में सरकार द्वारा जातिगत जनगणना करवाई जा रही है तो वह सरकार के इस फैसले का सम्मान करते

हैं । सरकार के द्वारा लिए गए निर्णय का वह स्वागत करते हैं । किंतु उन्होंने यह भी कहा कि इसके पहले भी सरकार द्वारा कई विषय और कई वादे जनता से किए हैं जो अभी भी अधूरे हैं । अचानक से इस प्रकार का विषय लाकर जनगणना करवाए जाने की बात कही जाना उन्हें थोड़ा अटपटा लग रहा है । उन्हें लग रहा हैं कि अन्य वादों जैसे सरकार का यह वादा भी अधूरा ना रह जाए, इसलिए वह सरकार से मांग कर रहे हैं कि यदि सही में सरकार द्वारा जातिगत जनगणना करवाई जा रही है तो उसके लिए प्रॉपर बजट पास किया जाए । बजट के साथ-साथ जातिगत जनगणना किए जाने को लेकर एक समय निश्चित किया जाए । जिससे सही में लगे कि सरकार जनगणना करवा रही है और यदि अन्य वादों की तरह यह वादा भी सरकार पूरा नहीं करती तो वह सड़कों पर उतरकर पुनः आंदोलन करेंगे।

ओबीसी के लंबे संघर्ष के बाद सरकार ने यह निर्णय लिया है - उम्मेद लिल्हारे

मोर्चा प्रतिनिधि उम्मेद लिल्हारे ने बताया कि ओबीसी के लंबे संघर्ष के बाद सरकार ने यह निर्णय लिया है। आजादी के पहले और अब तक चलाए गए आंदोलन से सरकार को झुकना पड़ा है। हम उम्मीद करते है कि सरकार ओबीसी की जनगणना को लेकर गंभीर रहेगी। हालांकि इससे पूर्व एससी-एसटी के आरक्षण में क्रीमीलेयर लागु कर सरकार ने उसमें बाधा पैदा की। हम नहीं चाहते है कि ओबीसी में ऐसी स्थिति बने और यदि ऐसा होगा तो हमारा आंदोलन जारी रहेगा।

फैसला केवल जुमला साबित ना हो - महेश सहारे

प्रतिनिधि महेश सहारे ने बताया कि महेश सहारे आजादी के बाद सरकार के जातिगत जनगणना में ओबीसी की गणना को शामिल किए जाने का हम स्वागत करते है। स्वतंत्र भारत में लिया गया यह फैसला, केवल जुमला साबित ना हो। चूंकि सरकार ने इससे पहले भी दो करोड़ युवाओं को नौकरी, खाते में 15 लाख, किसानो की आय दुगुनी और महंगाई को खत्म करने की घोषणा की थी लेकिन वह घोषणा आज भी पूरी नहीं हो सकी है। हम चाहते है कि सरकार, जातिगत जनगणना के ऐलान के साथ ही विशेष सत्र बुलाकर, इसके लिए बजट आबंटित करें और तय करें कि जनगणना में सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक आंकड़ो से गणना की जाए और उन आंकड़ो को सार्वजनिक किया जाए। चूंकि इससे पहले हुई जनगणना में आंकड़े सार्वजनिक नहीं किए गए। कहीं यह बिहार चुनाव के पहले की गई घोषणा, केवल घोषणा बनकर ना रह जाए। साथ ही इसकी समय-सीमा भी तय की जाए।

संवेदनशील मुद्दे से ध्यान भटकाने सरकार ऐसा विषय ला देती है- रहीम

प्रतिनिधि रहीम खान ने भी सरकार के निर्णय का स्वागत करते हुए कहा कि ऐलान, ठंडे बस्ते में ना जाए और जो निर्णय लिया है, उसका परिणाम निकालकर सामने आए। दरअसल, सरकार अक्सर संवेदनशील मुद्दे पर लोगों का ध्यान भटकाने, ऐसा विषय ला देती है, जिससे उसी विषय पर चर्चा होती है। यदि यह ध्यान भटकाने का मुद्दा है तो कोई बात नहीं लेकिन यदि, सरकार की ऐसी नियत है तो इसके परिणाम भी सामने आने चाहिए।

चुनावी वादा जैसे ही ना बन जाये ये फैसला

मोर्चा के अन्य पदाधिकारी शिव जायसवाल और राजेश मरार द्वारा भी पहले सरकार के इस फैसले का स्वागत किया गया और कहा गया कि यदि सरकार ने जातिगत जनगणना करने हेतु निर्णय लिया है तो सबसे पहले सरकार को बजट पास करना चाहिए और सही समय अवधि में जनगणना किए जाने की बात सबके सामने समय अवधि निश्चित की जानी चाहिए । नहीं तो यह भी एक प्रकार का चुनावी वादा जैसे ही जातिगत जनगणना का विषय बनकर रह जाएगा । अंत में मोर्चा द्वारा स्थानीय अंबेडकर चौक में आतिशबाजी की गई और सरकार के इस फैसले का आतिशबाजी कर स्वागत किया गया।

बैंक मित्रों ने काली पट्टी बांधकर मजदूर दिवस पर किया प्रदर्शन

रैली निकालकर कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन, कहा कुशल श्रमिक की तरह दिया जाए मानदेय

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। मजदूर दिवस पर जिले में अलग-अलग संगठन ने अपने संगठनों के पदाधिकारीयों के साथ कलेक्टर कार्यालय में ज्ञापन दिया गया है, जहां श्रमिकों का मानना है कि उन्हें कुशल श्रमिक की तरह मानदेय दिया जाए और उनकी प्रमुख लंबित मांगों पर विभाग ध्यान दें , इसी क्रम में बैंक मित्रों ने काली पट्टी बांधकर जिला कलेक्टर को ज्ञापन दिया है उन्होंने कहा कि वह जिले में कियोस्क का काम करते हैं और बैंक के छोटे-छोटे कार्य वह करते हैं किंतु आज उन्हें कुशल श्रमिक की तरह मानदेय नहीं दिया जा रहा है किसी की मांग को लेकर उन्होंने जिला कलेक्टर को मजदूर दिवस के अवसर पर ज्ञापन सौंपा है। आपको बता दे कि जिले में कियोस्क का संचालन करते हुए बैंक मित्र की भूमिका निभा रहे कियोस्क संचालकों ने, 01 मई मजदूर दिवस पर, मुख्यालय में काली पट्टी बांधकर शांतिपूर्ण प्रदर्शन किया। बैंक मित्रो ने रैली निकाली और कलेक्ट्रेट पहुंचकर संयुक्त कलेक्टर मायाराम कौल को कलेक्टर के नाम ज्ञापन सौंपा। जिसमें बैंक मित्रो ने बैंको के तहत काम कर रही बीमा कंपनियों के बीमा कराए जाने को लेकर जारी किए गए फरमान पर रोक लगाने, बैंक मित्रो को कुशल श्रमिक का दर्जा देकर मानदेय दिए जाने, प्रधानमंत्री मोदी के 2014 में बैंक मित्रों को 5 हजार रूपए दिए जाने की गई घोषणा पर अमल करने, बैंक मित्रो को सुरक्षा, बीमा सहित अन्य 7

सूत्रीय मांगो के निराकरण की मांग की गई। प्रदेश कार्यवाहक अध्यक्ष सरफराज हुसैन ने बताया कि पूरे प्रदेश में आज मजदूर दिवस पर बैंक मित्रो ने काली पट्टी बांधकर शांतिपूर्ण प्रदर्शन किया। पूरे प्रदेश में बालाघाट में 450 बैंक मित्रो सहित पूरे प्रदेश में 25 हजार बैंक मित्र है। इस समय बैंको के अधिन काम करने वाली बीमा कंपनियो ने, हमें, बंदूक की नोक पर रखकर एक फरमान जारी किया हैं। जिसमें प्रतिदिन बीमा करने कहा गया है। जबकि बीमा व्यक्ति की इच्छा पर निर्भर है, बावजूद कंपनियां, बीमा कराने, हमें मजबूर कर रही है, साथ ही धमकी दे रही है कि यदि बीमाा नहीं किया गया तो, वह आइडी बंद कर देगी या दूसरे को बेच देगी। उन्होंने कहा कि 15 सालों से हम बैंक मित्र के रूप में वित्तिय लाभ वाली शासकीय योजनाओं का काम कर रहे है लेकिन शासन ने हमें कभी अपना अंग नहीं माना है। हमारी मांग है कि सरकार हमें कुशल श्रमिक मानते हुए हमें कुशल श्रमिक की तरह मानदेय प्रदान करें।

बैंको के मर्ज होने से मानदेय को बंद कर दिया गया हैं - मूलचंद बिसेन

बैंक मित्र मूलचंद बिसेन ने बताया कि पहले हमें 3250 रूपए मानदेय मिलता था। जिसके बाद वह चार हजार किया गया लेकिन बीच में बैंको के मर्ज होने से मानदेय को बंद कर, अब केवल कमीशन दिया जा रहा है। जबकि हमारे लिए कोई सुरक्षा नहीं है, ना ही हमारा बैंक से कोई बीमा कराया जाता है और ना ही कैश ले जाते समय हमें कोई सिक्युरिटी मिलती है। ऐसी परिस्थिति में यदि हमारे साथ पैसो की लूट जैसी कोई घटना होती है तो खुद मरो, खुद भरो जैसा है। हमें 2014 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लालकिले से दिए गए अपने भाषण में 5 हजार रूपए मानदेय दिए जाने की बात कही थी, लेकिन आज तक कोई मानदेय नहीं दिया गया। उन्होंने शासन, प्रशासन से घोषणा का पालन करवाने और बैंक मित्रो को सुरक्षा दिए जाने की मांग की।

मकान की छत से गिरने से घायल एक वृद्धा की मौत

तेज आंधी तूफान के दौरान हुई यह घटना

बालाघाट(पदमेश न्यूज)। भरवेली थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम हीरापुर में तेज आंधी तूफान के दौरान इसी ग्राम की एक वृद्धा सुंदरकली बाई पति सुखराम कठौते 65 वर्ष मकान की छत के ऊपर से गिरने से गंभीर रूप से घायल हो गई जिसकी जिला अस्पताल लाते समय रास्ते में मौत हो गई। यह घटना 1 मई को 4:00 बजे करीब हुई। जिला अस्पताल पुलिस ने इस वृद्धा का शव जिला अस्पताल के फ्रीजर में सुरक्षित रखवा दिये है। जिसका पोस्टमार्टम 2 मई को किया जाएगा। प्राप्त जानकारी के अनुसार सुंदरकली बाई ग्राम हीरापुर में अपनी बेटी के परिवार के साथ में ही रहती थी। 1 मई को सुंदर कली बाई ने अपने मकान की छत के ऊपर गेहूं सूखने के लिए डाली थी। 4:00 बजे करीब तेज आंधी तूफान के दौरान बूंदाबांदी होने के कारण सुंदर कली बाई अपने मकान के छत के ऊपर चढ़कर गेहूं समेटने के लिए चढ़ी थी। तभी तेज आंधी तूफान से सुंदरकली बाई अपने मकान की छत से टिन सेट की ऊपर गिरी और टिन सेट के साथ ही वह नीचे गिर गई ।जिससे वह गंभीर रूप से घायल और बेहोश हो गई थी। टिन के गिरने की आवाज

सुनकर मोहल्ले पड़ोस के लोग दौड़े। देखें सुंदरकली बाई घायल और बेहोशी हालत में पड़ी हुई थी। जिसे ऑटो से तुरंत थी जिला अस्पताल लाये किंतु डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिए। सुंदर कली बाई की जिला अस्पताल लाते समय रास्ते में ही मौत हो चुकी थी। जिला अस्पताल पुलिस चौकी के प्रधान आरक्षक महेंद्र मर्सकोले ने सुंदर कलीबाई का शव जिला अस्पताल की फ्रीजर में सुरक्षित रखवा दी है। जिसका पोस्टमार्टम 2 मई को किया जाएगा।

बघोली-साल्हे ला. से पनबिहरी माइनर नहर जीर्णशीर्ण, किसानों के खेतों तक नही पहुंचता पानी

किसानों ने माइनर नहर का सीमेन्टीकरण निर्माण करवाने की शासन-प्रशासन से की मांग

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय से लगभग ८ किमी. दूर ग्राम पंचायत टेकाड़ी ला. एवं बघोली के समीप से गुजरी सर्राटी जलाशय नहर की बघोली-साल्हे ला. से पनबिहरी माइनर नहर जीर्णशीर्ण होने के साथ ही क्षतिग्रस्त हो चुकी है। साथ ही नहर की साफ-सफाई नही होने के कारण झाड़ियां भी उग चुकी है। ऐसी स्थिति में बघोली, साल्हे ला. पनबिहरी के किसानों के खेतों तक पानी नही पहुंच पाता है। जिससे किसानों की फसल प्रभावित होती है जिससे किसानों को काफी नुकसानी का सामना करना पड़ता है। साथ ही दो महीने बाद बरसात प्रारंभ होने वाली है और खरीफ सीजन में किसानों के द्वारा सैकड़ों एकड़ से अधिक रकबे (खेती) में धान की फसल लगाई जायेगी और बारिश नही होने पर सर्राटी जलाशय माइनर नहर बघोली-साल्हे ला. से पनबिहरी माइनर नहर के पानी से किसान सिंचाई करते है परन्तु नहर जीर्णशीर्ण होने के कारण किसानों के खेतों तक पानी नही पहुंच पाता है। साथ ही पानी के अभाव में किसानों की फसल प्रभावित हो जाती है, जिससे उन्हे आर्थिक परेशानियों से जुझना पड़ता है। साथ ही किसानों के द्वारा लंबे समय से जीर्णशीर्ण हो चुकी माइनर नहर का मरम्मत कार्य या फिर सीमेन्टीकरण निर्माण करवाने की मांग कर रहे है परन्तु जिम्मेदारों के द्वारा कोई ध्यान नही दिया जा रहा है जिससे किसानों में शासन-प्रशासन के प्रति भारी आक्रोश व्याप्त है। किसानों ने बरसात के पूर्व बघोली-साल्हे ला. से पनबिहरी माइनर नहर का जल्द सीमेन्टीकरण निर्माण करवाने की मांग की है ताकि किसानों को सिंचाई के लिए पानी मिल सके।

नहर का खस्ताहाल, जिम्मेदार मौन

आपकों बता दे कि ग्राम पंचायत बघोली-साल्हे ला. के समीप से सर्राटी जलाशय माइनर नगर गुजरी है और इस नहर से एक माइनर नहर निकली है, जो पनबिहरी तक जाती है। इस माइनर नहर का विगत वर्ष पूर्व जल संसाधन विभाग के द्वारा लाखों रूपयों की लागत से कज्चा निर्माण किया गया है। जिसके माध्यम से बघोली, साल्हे ला. पनबिहरी के किसान सैकड़ों हेक्टेयर खेती में सिंचाई करते है परन्तु समय-समय पर माइनर नहर का मरम्मत कार्य एवं झाड़ियों की साफ-सफाई नही किये जाने के कारण नहर वर्तमान में जीर्णशीर्ण होने के साथ ही जगह-जगह से क्षतिग्रस्त हो चुकी है। साथ ही लंबी-लंबी झाड़िया उग जाने व क्षतिग्रस्त होने के कारण नहर कुछ स्थानों से पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो चुकी है। जिसके कारण किसानों के खेतों तक पानी नही पहुंच पाता है। जबकि प्रतिवर्ष जल संसाधन विभाग के द्वारा पानी का टेक्स किसानों से वसूला जा रहा है परन्तु सिंचाई के लिए पानी नही मिलने से किसानों में भारी आक्रोश व्याप्त है। वहीं जल संसाधन विभाग के द्वारा सर्राटी जलाशय रामजीटोला माइनर नहर का सीमेन्टीकरण निर्माण करवा दिया गया है परन्तु बघोली-साल्हे ला. से पनबिहरी माइनर नहर का सीमेन्टीकरण कार्य नही करवाया गया है। जिसके कारण नहर जगह-जगह से क्षतिग्रस्त हो चुकी है जिसके कारण किसानों के खेतों तक पानी नही पहुंच पाता है। ऐसी स्थिति में पानी के अभाव में किसानों की फसल खराब हो जाती है। साथ ही करीब दो महीने बाद बरसात प्रारंभ होने वाली है और किसानों के द्वारा सैकड़ों हेक्टेयर खेती में धान की फसल लगाई जायेगी इसलिए किसानों ने जल संसाधन विभाग से बघोली-साल्हे ला. से पनबिहरी माइनर नहर का मरम्मत कार्य या फिर सीमेन्टीकरण निर्माण करवाने की मांग की है ताकि किसानों के खेतों तक आसानी से नहर का पानी पहुंच सके और किसान फसल में सिंचाई कर फसल उत्पादन अधिक लेकर अपनी आर्थिक स्थिति को मजबूत कर सके। वहीं जल संसाधन विभाग के कार्यपालन यंत्री उदयसिंह परस्ते से दूरभाष पर बघोली-साल्हे ला. से पनबिहरी माइनर नहर जो जीर्णशीर्ण हो चुकी है, जिसका मरम्मत कार्य करवाने या फिर सीमेन्टीकरण निर्माण करवाने के संबंध में चर्चा करने का प्रयास किया गया किन्तु संपर्क नही हो पाया।

नहर जीर्णशीर्ण हो चुकी है - दुलीचंद

दुलीचंद पटले ने बताया कि टेकाड़ी ला. जलाशय से निकली बघोली-साल्हे ला. से पनबिहरी माइनर नहर जीर्णशीर्ण होने के साथ ही क्षतिग्रस्त हो चुकी है। जिसके कारण किसानों के खेतों तक पानी नही पहुंच पाता है जिससे किसानों की फसल प्रभावित होती है। साथ ही यह भी बताया कि लंबे समय से जल संसाधन विभाग से माइनर नहर का मरम्मत या फिर सीमेंटीकरण नहर का निर्माण करवाने की मांग कर रहे है लेकिन कोई ध्यान नही दिया जा रहा है, जिससे किसानों में आक्रोश व्याप्त है। श्री पटले ने बताया कि नहर के अंदर एवं पारों में लंबी-लंबी झाड़िया उग चुकी है जिसकी सफाई कर मरम्मत कार्य करवा दिया जाता है तो किसानों के खेतों तक पानी पहुंच सकता है इसलिए प्रशासन से मांग है कि बघोली-साल्हे ला. से पनबिहरी माइनर नहर का जल्द सीमेंटीकरण करवाये ताकि किसानों के खेतों तक सर्राटी जलाशय का पानी पहुंच सके।

पानी नही मिलने के बाद भी किसानों से वसूला जा रहा टेक्स - राजकुमार

नोट : राजकुमार नागेश्वर की फोटो साथ में प्रेषित है लगा देवें।

राजकुमार नागेश्वर ने बताया कि किसानों के खेतों तक सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध करवाने की मंशा से शासन के द्वारा विगत वर्ष पूर्व माइनर नहर का निर्माण किया गया है और इस माइनर नहर में सर्राटी जलाशय का पानी आता है। जिससे किसान फसल में सिंचाई कर फसल उत्पादन लेते है परन्तु बघोली-साल्हे ला. से पनबिहरी माइनर नहर का लंबे समय से मरम्मत कार्य नही करवाया गया है। जिसके कारण नहर पुरी तरह से जीर्णशीर्ण हो चुकी है एवं झाड़िया उग जाने के कारण पनबिहरी तक पानी नही पहुंच पाता है। साथ ही यह भी बताया कि सिंचाई के लिए पानी नही मिलने एवं बारिश नही होने पर किसानों की फसल पानी के अभाव में खराब हो जाता है जिससे किसानों को आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ता है। श्री नागेश्वर ने बताया कि सर्राटी जलाशय का पानी नही मिलने के बाद भी जल संसाधन विभाग के द्वारा किसानों से पानी का टेक्स वसूला जाता है प्रतिवर्ष, हमारी मांग है कि जब नहर का पानी ही नही आता है तो परमिट काट देना चाहिए और टेकस नही लेना चाहिए और प्रशासन से मांग है माइनर नहर का जल्द सीमेन्टीकरण करवाये।

बिजली की आंख मिचौली से आमजन परेशान

क्षेत्रीयजनों ने विद्युत ट्रांसफार्मरों, पोलों की तकनीकी खराबी में सुधार कर नियमित रूप से बिजली प्रदाय करने की मांग की

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय सहित ग्रामीण अंचलों में बिजली की आंख मिचौली यानि बार-बार विद्युत कटौती होने से क्षेत्रीयजनों को उमस भरी गर्मी में खासा परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं विद्युत विभाग के द्वारा क्षेत्र में दिन एवं रात में किसी भी समय बार-बार कटौती कर दी जाती है जिसके कारण इस भीषण गर्मी में आमजन परेशान रहते है क्योंकि बिजली कटौती होने पर गर्मी का एहसास अधिक होने लगता है। साथ ही मज्छरों का प्रकोप भी बढ़ने लगता है एवं मज्छरों के काटने से डेंगू, मलेरिया व अन्य बीमारियों होने का डर बना रहता है और बिजली कटौती की सबसे अधिक समस्या ग्रामीण क्षेत्रों में अधिक है। इसी तरह खमरिया क्षेत्र में भी बार-बार बिजली कटौती की जाती है जिससे सभी परेशान है। साथ ही बिजली गुल होने से ऑनलाईन सेंटरों के काम भी प्रभावित हो जाते है जिससे उनके व्यापार भी प्रभावित हो रहा है और इस बिजली कटौती के चलते किसी को अर्जेन्ट में फार्म भरना है, टिकट बुक, पासबुक एन्ट्री व सहित अन्य कार्य करना है तो वहां काम नही हो पाता है जिसके कारण लोगों को परेशान होना पड़ता है। क्षेत्रीयजनों ने बताया कि वर्तमान में चिलचिलाती धुप व उमस भरी गर्मी से सभी परेशान तो है ही और इस गर्मी से राहत पाने के लिए कुलर, पंखा का उपयोग किया जाता है परन्तु बिजली की आंख मिचौली यानि बार-बार बिजली गुल होने से ठंडी हवा प्रदान करने वाले उपकरण बंद हो जाते है जिससे गर्मी और अधिक लगने के साथ ही मज्छरों का प्रकोप भी बढ़ने लगता है। साथ ही मज्छरो के काटने से विभिन्न प्रकार की बीमारी होने और रात के समय अंधेरा रहने पर कीड़े-मकोड़े के काटने का भय बना रहता है इसलिए विद्युत विभाग से मांग है कि विद्युत ट्रांसफार्मर एवं पोलों में तकनीकी खराबी है तो उसमें सुधार कर बिजली कटौती बंद कर नियमित रूप से बिजली प्रदाय करें।

लालबर्रा सीएम राइज स्कूल में समर कैम्प का हुआ शुभारंभ

योगा-ध्यान, चित्रकला, खेलकुद सहित अन्य गतिविधियों का छात्र-छात्राओं को दिया जा रहा प्रशिक्षण

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय स्थित सीएम राइज स्कूल में लोक शिक्षण संचालनालय के निर्देशानुसार १ मई से समर कैम्प का शुभारंभ किया गया। साथ ही इस ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर में १ मई से २० मई तक स्कूल में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं को योग सहित अन्य गतिविधियों के माध्यम से प्रशिक्षण देकर उनका शारीरिक एवं मानसिक विकास किया जायेगा। यह समर कैम्प कार्यक्रम स्कूल के प्रभारी प्राचार्य सनत दुबे की अध्यक्षता में प्रारंभ हुआ। जिसमें सर्वप्रथम उपस्थितजनों ने माँ सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण किया। इस समर कैम्प में कक्षा ३ री से कक्षा १२ वीं तक अध्ययनरत छात्र-छात्राओं को योगा ध्यान, क्षेत्रीय संगीत, वाध्ययंत्र, क्राप्ट, रंगोली, मेहंदी, पेंटिंग, डांस, लोकगीत, फोटोग्राफी, चित्रकला, पोस्टर मेकिंग, इंग्लिश स्पिकिंग, लोक हस्तकला, स्वास्थ्य, पोषण, कम्प्यूटर बेसिक नालेज, खेलकुद, डजिटल टुल्स का उपयोग कैसे करना है उसके बारे में प्रतिदिन प्रातः ८ बजे से ११ बजे तक प्रशिक्षण दिया जायेगा। जिससे छात्र-छात्राओं का कौशल विकास होने के साथ ही हर गतिविधियों में प्रति रूची बढ़ेगी जिससे उनका शारीरिक एवं मानसिक विकास भी होगा। चर्चा में सीएम राइज स्कूल लालबर्रा के प्रभारी प्राचार्य सनत दुबे ने बताया कि लोक शिक्षण संचालनालय के निर्देश पर छात्र-छात्राओं का ग्रीष्मकालीन अवकाश के सदुपयोग के लिए १ मई से समर कैम्प का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में १ मई से स्कूल में समर कैम्प का शुभारंभ किया गया है और छात्र-छात्राओं को योगा ध्यान, क्षेत्रीय संगीत, खेल-कुद सहित अन्य गतिविधियों व खेल का प्रशिक्षण दिया जा रहा है ताकि छात्र-छात्राओं का कौशल विकास होने के साथ ही खेल एवं अन्य गतिविधियों के प्रति रूची बढ़े। साथ ही यह भी बताया कि शासन की मंशा है कि स्कूली छात्र-छात्राओं को शिक्षा के साथ-साथ खेल सहित अन्य गतिविधियों में भी आगे बढ़ाना है इसलिए ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान समर कैम्प का आयोजन का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। जिसका उपयोग छात्र-छात्राएं करें और समर कैम्प प्रशिक्षण शिविर का लाभ ले।

पीएचई विभाग का खुला सीवेज चैंबर दे रहा दुर्घटना को आमंत्रण, बंद करने की मांग

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय से लगभग ८ किमी. दूर ग्राम पंचायत टेकाड़ी ला. के रोड किनारे नल-जल योजना का सीवेज चैंबर खुला हुआ है। जो दुर्घटना को आमंत्रण दे रहा है जिससे किसी भी समय बड़ी दुर्घटना होने की संभावना बनी हुई है क्योंकि मार्ग से गुजरते समय अगर पीएचई विभाग का खुला सीवेज चैंबर दिखाई नही दिया जो व्यक्ति उसमें गिर घायल हो सकता है। इसलिए ग्रामीणजन एवं आने-जाने वालों ने पंचायत एवं पीएचई विभाग से चैंबर के ऊपर सीमेंट का ढक्कन लगाने की मांग की है ताकि किसी प्रकार की दुर्घटना घटित न हो सके। आपकों बता दे कि पीएचई विभाग के द्वारा नल-जल योजना की पाईपलाईन के माध्यम से पानी प्रदाय करने के लिए रोड़ किनारे सीवेज चैंबर बनाया गया है जहां से पानी प्रदाय करने के लिए चालू किया जाता है। इसी तरह ग्राम पंचायत टेकाड़ी ला. में भी नल-जल योजना के तहत घर-घर नल कनेक्शन किया गया है और ग्रामीणजनों को पानी प्रदाय करने के लिए जगह-जगह सीवेज चैंबर बनाया गया है जिसके माध्यम से अलग-अलग वार्डों में पानी प्रदाय किया जाता है। लेकिन टेकाड़ी ला. से चिखलाबड्डी पहुंच मार्ग पर पीएचई विभाग का सीवेज चैंबर खुला हुआ है जो रोड़ किनोर है जो दुर से दिखाई देता है। अगर कोई बज्चा खेलते हुए एवं सड़क से गुजरते समय खुले चैंबर को देखता है तो वह अनियंत्रित होकर नीचे गिर सकता है। साथ ही अंधेरे में गुजरते समय ग्रामीणजन भी खुले चैंबर में गिर सकते है जिससे बड़ी दुर्घटना घटित हो सकती है इसलिए ग्रामीणजनों ने पीएचई विभाग व ग्राम पंचायत से खुले चैंबर में सीमेंट का ढक्कन लगाने की मांग की है।

कनकी में रात्रिकालीन टेनिस बॉल टुर्नामेंट सरपंच एवं फ्रेंडस कप जारी, समापन 4 को

बेहरई/लालबर्रा(पद्मेश न्यूज)। जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत कनकी स्थित रामलीला मैदान में वीसीसी के तत्वाधान में स्व. विनोद भोयर, स्व. कृष्णा टेकाम, स्व. रमेश बांधे की स्मृति एवं स्व. आयुष (पलक) निमाड़े की स्मृति में गत दिवस से रात्रिकालीन टेनिस बॉल टुर्नामेंट सरपंच एवं फ्रेंडस कप जारी है। जिसका समापन ४ मई को फाइनल मैच के साथ समारोहपूर्वक किया जायेगा। इस रात्रिकालीन टेनिस बॉल टुर्नामेंट में रोजाना मैच खेले जा रहे है और खेल मैदान में प्रकाश की पर्याप्त व्यवस्था की गई है। साथ ही क्रिकेट टीम के खिलाड़ी पहुंचकर अपने खेल का उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे है। चर्चा में आयोजन समिति के पदाधिकारी, कनकी सरपंच दुर्गाप्रसाद पगरवार ने बताया कि वीसीसी के तत्वाधान में स्व. विनोद भोयर, स्व. कृष्णा टेकाम, स्व. रमेश बांधे की स्मृति में गत दिवस से रात्रिकालीन टेनिस बॉल टुर्नामेंट सरपंच कप २० अप्रैल एवं २७ अप्रैल से स्व. आयुष (पलक) निमाड़े की स्मृति में फ्रेण्डस कम टुर्नामेंट जारी है। जिसमें सरपंच कप टुर्नामेंट में प्रथम पुरसर ५५,५५५ रूपये, द्वितीय पुरस्कार २२,२२२ रूपये, प्रवेश शुल्क १५०० रूपये, फ्रेण्डस कप में प्रथम पुरस्कार १५००० रूपये, द्वितीय पुरस्कार १०००० रूपये, प्रवेश शुल्क १५०० रूपये निर्धारित किया गया है। साथ ही यह भी बताया कि रोजाना मैच खेले जा रहे है और खिलाड़ी पहुंचकर अपने खेल का उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे है एवं ४ मई को फाइनल मैच के साथ रात्रिकालीन टेनिस बॉल टुर्नामेंट सरपंच व फ्रेंडस कप का समापन किया जायेगा। इस अवसर पर क्षेत्रीयजनों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील कनकी सरपंच दुर्गाप्रसाद पगरवार, आयोजन समिति अध्यक्ष मुकेश मंडलेकर, उपाध्यक्ष भानुप्रताप मड़ावी, संयोजक देवानंद लिल्हारे, कोषाध्यक्ष रितेश शर्मा, उपकोषाध्यक्ष रेखलाल भोयर, सचिव राधेश्याम पिछोड़े, सहसचिव आलोक पटले, उपसरपंच बुधराम भोयर, सचिव विपत कुमरे, रोजगार सहायक गणेश गौतम, मैनेजमेंट कमेटी के अजय डहारे, पंचगण देवराम कंगाली, निलेश भोयर, गणेश भोयर, कृष्णकुमार नगपुरे, युवराज लिल्हारे, तपेश लिल्हारे, मज्जीद कुरैशी, राकेश चौरागड़े, नरेन्द्र नागेन्द्र, प्रर्मिला मडावी, उमा चांदेवार, पूर्णिमा डोंगरे, कृष्णा कातुरे, महेश्वरी कातुरे, सुनीता मंडलवार, लक्ष्मी मोहकुरे, कविता धुर्वे, रीमा बघेले, वीणा भोयर सहित ग्रामीणजनों ने की है।

4 साल की डिग्री 8 साल में भी नहीं दे रहा विश्वविद्यालय

भोपाल। मप्र आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय जबलपुर द्वारा 3 मई को आयोजित किए जा रहे दीक्षांत समारोह पर भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन ने गंभीर आपत्ति जताते हुए प्रदेश उपाध्यक्ष रवि परमार ने कहा कि यह अत्यंत शर्मनाक है कि वही विश्वविद्यालय, जो बीते आठ वर्षों में छात्रों को समय पर डिग्रियां नहीं दे सका, आज दिखावे के लिए दीक्षांत समारोह का आयोजन कर रहा है। एनएसयूआई प्रदेश उपाध्यक्ष रवि परमार ने कहा कि यह समारोह विश्वविद्यालय प्रशासन के भ्रष्टाचार पर पर्दा डालने का प्रयास है, न कि छात्रों के भविष्य का उत्सव।

परमार ने आरोप लगाया कि विश्वविद्यालय के शीर्ष पदाधिकारी स्वयं घोटालों में लिप्त हैं। कुलगुरु अशोक खंडेलवाल न केवल नर्सिंग घोटाले, बल्कि करोड़ों रुपये की एफडी धोखाधड़ी में भी दोषी हैं। कुलसचिव पुष्पराज बघेल पर लोकायुक्त और आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो में प्रकरण पंजीबद्ध हैं, फिर भी वे आज तक पद पर बने हुए हैं। परीक्षा नियंत्रक सचिन कुचिया की भूमिका और भी अधिक आपत्तिजनक है, जिन पर छात्रों के परीक्षा परिणामों व प्रमाण पत्रों को लेकर गंभीर आरोप हैं ग्वालियर हाईकोर्ट ने गंभीर टिप्पणी करते हुए कहा था कि तुम चपरासी बनने लायक नहीं हो।

सीबीआई जांच के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं!

नर्सिंग महाघोटाले में सबसे पहले ग्वालियर हाईकोर्ट द्वारा वर्ष 2023 में नर्सिंग घोटाले के संबंध में मप्र आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय से संबद्ध 364 नर्सिंग कॉलेजों की सीबीआई जांच के आदेश दिए गए थे, लेकिन विश्वविद्यालय के भ्रष्ट अधिकारियों पर आज तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। ऐसे भ्रष्टाचार में आकंठ डूबे विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में महामहिम राज्यपाल और प्रदेश के उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ला की उपस्थिति न केवल दुर्भाग्यपूर्ण है, बल्कि यह संकेत देती है कि सरकार स्वयं इन भ्रष्ट अधिकारियों को संरक्षण प्रदान कर रही है। सीबीआई यह मांग करता है कि विश्वविद्यालय प्रशासन में संलिप्त दोषियों को तत्काल पद से हटाया जाए। नर्सिंग और स्नष्ठ घोटालों की न्यायिक निगरानी में जांच कराई जाए। छात्रों को समय पर डिग्रियां और प्रमाणपत्र दिए जाएं ताकि उनका भविष्य सुरक्षित हो सके। यह दीक्षांत समारोह छात्रों का नहीं, भ्रष्टाचारियों का उत्सव है एनएसयूआई इसका घोर विरोध करता है।

कृषि उपज मंडी में मनाया गया अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस

मजदूरों को अधिकार के प्रति किया गया जागरूक

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस स्थानीय कृषि उपज मंडी में १ मई को अनाज मंडी एवं राईस मिल यूनियन एवं हमाल एवं रेजा मजदूर संघ के तत्वाधान में आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम जिला सचिव दिनेश रामटेके, सहसचिव छन्नूलाल दांदरे सहित अन्य गणमान्य जनों की उपस्थिति में प्रारंभ किया गया। जिसमें कार्यक्रम का शुभारंभ झंडा वंदन कर व अमेरिका के शिकागों में शहीद हुये मजदूरों को श्रृध्दा सुमन अर्पित कर किया गया। तत्पश्चात कृषि उपज मंडी में आमसभा का आयोजन किया गया जिसमें उपस्थित जनों के द्वारा कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस मनाया जाने के पीछे के उद्देश्य एवं लंबे संघर्ष के साथ वर्तमान सरकार कि श्रम नीतियों पर विस्तार पूर्वक प्रकाश डालकर बताया गया। इस अवसर पर दिनेश रामटेके ,महेन्द्र नागवंशी ,छन्नूलाल दांदरे ,भिवराम भोयर ,विद्याचंद देशमुख ,चित्रसेन शेंन्द्रे ,दीनदयाल राउत ,अनूप चंद्रेश्वर ,छायाबाई ,गीतबाई ,उर्मिलाबाई ,गगवनबाई सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

शिकागो के शहीदों को दी श्रद्धांजलि

मजदूर दिवस के अवसर पर मंडी में शिकागो में हुए मजदूरों के आंदोलन में मजदूरों को अपना हक दिलाने के लिए अपने प्राण निछावर करने वाले शहीदों को श्रद्धांजलि दी गई। जिसमें बताया गया कि मजदूर दिवस १ मई को श्रमिकों के अधिकारों और योगदान को सम्मानित करने के लिए मनाया जाता है। इसकी शुरुआत १८८६ के शिकागो हैमार्केट आंदोलन के बाद हुई थी भारत में यह पहली बार १९२३ में चेन्नई में मनाया गया था। यह दिन मजदूरों के अधिकारों और संघर्षों को याद करने के लिए मनाया जाता है। १८८६ में शिकागो अमेरिका में श्रमिकों ने आठ घंटे के कार्यदिवस की मांग को लेकर हड़ताल की थी। ४ मई को हेमार्केट स्क्वायर में हुए प्रदर्शन में कई लोग मारे गए जिसे हेमार्केट अफेयर कहा जाता है।

महेनतकस लोगो का दिन हैं मजदूर दिवस- दिनेश रामटेके

जिला सचिव दिनेश रामटेके ने बताया कि पूरे विश्व में मजदूर दिवस १ मई को मनाया जाता है। यह मजदूर हमाल श्रमिक मेहनतकस लोगों का दिन है जो वह अपने परिवार के साथ मना रहे हैं। अमेरिका के शिकागों में हिटलर की तानाशाही के खिलाफ पूरे विश्व के मजदूरों ने अपने हक और अधिकार की लड़ाई लड़कर जीत हासिल की थी। तभी से प्रतिवर्ष १ मई को पूरे विश्व के मजदूर संगठन मिलकर मजदूर दिवस मनाते है और जो मजदूर शहीद हुये थे उन्हे श्रृध्दांजलि अर्पित करते है। अंतरर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस पर अपने मजदूर भाई बहनों से यही अपील है कि वह अपने अधिकारों के लिए जागरूक रहे और सदैव अपनी लड़ाई लड़ने के लिए तैयार रहे। ८ घंटे काम ८ घंटे आराम और ८ घंटे परिवार के साथ यह लंबे संघर्ष बाद हमें प्राप्त हुआ है यह हमारा अधिकार है।

मजदूर दिवस मनाने का उद्देश्य जागरूक करना हैं - छन्नूलाल दांदरे

जिला सहसचिव छन्नूलाल दांदरे ने बताया कि स्थानीय कृषि उपज मंडी में अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस समारोह पूर्वक मनाया गया है। जिसमें बड़ी संख्या में मजदूर उपस्थित हुये है जिन्हे उनके हक की लड़ाई लडने् प्रेरित किया गया है। वर्तमान समय में मजदूरों को इस बढ़ती हुई महंगाई के दौर में अपने परिवार का लालन पोषण करने में काफी कठिनाई हो रही है। प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी मनाया गया है जहां सभी का मार्गदर्शन कर इस अवसर पर उन्हें उनके अधिकारों और उसे पाने के रास्तों के बारे में बताया जा रहा है। कार्यक्रम का मूल उद्देश्य मजदूरों को जागरूक करना है और यह बताना कि उन्हें महिला पुरुष के रूप में क्या लाभ मिल रहे है। श्रम कल्याण मंडल से क्या लाभ है वहीं छोटी छोटी बातों को लेकर विचार विमर्श करना हैं।

डीजे में नाचते समय हुआ विवाद ,काउंटर मामला दर्ज

झाड़गांव सरपंच पति पवन चिखले सहित सात आरोपी बने

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। रामपायली पुलिस थाना अंतर्गत ग्राम पंचायत झाड़गांव में विवाह समारोह के रिसेप्शन कार्यक्रम में डीजे पर नाचते समय विवाद हो गया। जिसमें अलग अलग स्थान एवं समय पर दो पक्षों में मारपीट हुई। जिसमें पुलिस के द्वारा काउंटर अपराध दर्ज कर झाड़गांव सरपंच पति पवन चिखले सहित ७ आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है वहीं मामले में जांच की जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार २८ अप्रैल की रात्रि में ग्राम झाडगांव में किसी के विवाह कार्यक्रम का रिसेप्शन था। जहां पर शामिल होने के लिए बड़ी संख्या में मेहमान आए हुए थे तभी डीजे पर युवाओं के द्वारा नृत्य किया जा रहा था। जहां पर ग्राम सरपंच पति पवन चिखले का भाई अभिषेक चिखले भी नृत्य कर रहा था। जहाँ धक्का लगने को लेकर गांव के चौक में बाहर से आयें युवको में कंकर नगपुरे ,पवन कातरे और मनीष लिल्हारे के द्वारा मारपीट कर दी गई। जिसमें अभिषेक चिखले के द्वारा तीनों आरोपियों के खिलाफ रामपायली थाने में एफआईआर दर्ज करवाई गई थी। इसके बाद ३० अप्रैल को झाड़गांव सरपंच पति पवन चिखले के द्वारा अपने तीन साथियों के साथ ग्राम बरबसपुर निवासी सुखराम नगपुरे के घर में जाकर झाड़गांव में हुई घटना की रंजिश के तहत मारपीट की गई। जिसमें सुखराम नगपुरे के द्वारा रामपायली थाने में ४ व्यक्तियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवायी गई है। पुलिस ने मामले में अभिषेक चिखले की रिपोर्ट पर कंकर नगपुरे ,पवन कातरे ,मनीष लिल्हारे एवं सुखराम नगपुरे की रिपोर्ट पर पवन चिखले ,विनोद उर्फ योगेश नगपुरे ,बलिराम उर्फ पप्पू मसखरें ,हरि नगपुरे के विरुद्ध अलग अलग अपराध में भारतीय न्याय संहिता की धारा २९६,११५/२ ,३५१/२,३ ५ के तहत अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

तेज धुप गर्मी से अरुण चौधरी की मौत

मामला ग्राम मंगेझरी का पुलिस जुटी जांच में

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। वारासिवनी पुलिस थाना अंतर्गत ग्राम पंचायत मंगेझरी निवासी २३ वर्षीय युवक की संदिग्ध स्थिति में मौत हो गई। घटना के बारे में बताया जा रहा है कि अरुण चौधरी गाय ढूंढने गया था जो खेत में मृत अवस्था में पाया गया। इसमें तेज धूप और गर्मी के कारण मौत होने की संभावना व्यक्त की जा रही है। घटना में पुलिस के द्वारा आवश्यक कार्यवाही कर मर्ग जांच प्रारंभ कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार अरुण पिता लखन सिंह चौधरी उम्र २३ वर्ष ग्राम मंगेझरी निवासी किसान परिवार से है। जिनके घर में मवेशियों का पालन किया जाता है परिवार के द्वारा २९ अप्रैल को मवेशियों को चराने के लिए प्रतिदिन की तरह छोड़ दिया गया था। जो शाम तक सभी घर वापस लौट गए थे परंतु एक गाय घर नहीं आई थी जिसे रात में आसपास तलाश की गई फिर ३० अप्रैल की सुबह अरुण चौधरी अपनी गाय को ढूंढने के लिए खेत की ओर निकल गया। जो देर शाम तक घर वापस नहीं आया जिस पर परिजनों के द्वारा चिंतित होकर आसपास पतासाजी प्रारंभ कर दी गई। इसी दौरान ग्राम के व्यक्ति ने बताया कि वह खेत की ओर गया था। जहां जाकर देखें तो अरुण चौधरी खेत में पेड़ के नीचे बेसुध अवस्था में पड़ा हुआ था जिसे उठाकर सिविल अस्पताल में लाया गया। जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया घटना में मौत का कारण अज्ञात बताया जा रहा है। वहीं संदिग्ध परिस्थिति में मौत होना दिख रहा है परंतु तापमान या तेज धूप के कारण मौत होने की संभावना व्यक्त की जा रही है। घटना के संबंध में अस्पताल तहरीर पर पुलिस के द्वारा अस्पताल में आकर शव परीक्षण कर मामले में जानकारी लेकर आवश्यक पंचनामा कार्यवाही कर शव विच्छेदन गृह में पोस्टमार्टम करने के उपरांत शव परिजनों को सौंप दिया गया हैं। वहीं मामले में मर्ग कायम कर जांच प्रारंभ कर दी गई है। घटना के संबंध में आनंद बिसेन ने पुलिस को बताया कि मैं ग्राम मंगेझरी वार्ड नं. १५ में रहता हूँ खेती किसानी का काम करता हूँ। अरुण चौधरी मेरा चाचा लगता है जिसकी गाय घर नही आयी थी तो ३० अप्रैल की सुबह करीबन ७ बजे चाचा अरुण चौधरी अपनी गाय को ढुंढने के लिये गाँव के खेत की तरफ गया था। मेरा चाचा अरुण चौधरी शाम तक घर वापस नही आया था। रात्रि करीबन ७.३० बजे गाँव की एक महिला जिसका घर खेत में बना हुआ है उसने बताया कि अरुण चौधरी रिंकु गिरी के खेत के पास चित अवस्था में पडा हुआ है। तब मैं गाँव के अन्य लोगो के साथ जाकर देखा जो मेरा चाचा अरुण चौधरी मृत अवस्था में पडा था। जिसकी मौत कैसे हुई है पता नहीं पर शायद मेरे चाचा की मौत धुप एवं अत्यधिक गर्मी में रहने के कारण हुई होगी।

सड़क हादसे में अतुल धुर्वे की मौत पुलिस कर रही जांच

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। वारासिवनी पुलिस थाना अंतर्गत ग्राम पंचायत बोटेझरी निवासी २२ वर्षीय युवक की सड़क हादसे में मौत हो गई है। इसमें बताया जा रहा है कि अतुल धुर्वे किसी कार्यक्रम में शामिल होने जा रहा था तभी कटंगझरी का सिवारवल्ला टोला मेंन रोड़ पर रोड़ किनारे लगे खंबे से टकराने से यह हादसा हुआ है। पुलिस ने ३० अप्रैल को मामले में आवश्यक पंचनामा कार्यवाही कर जांच में लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार अतुल धुर्वे पिता भोजलाल धुर्वे उम्र २२ वर्ष बोटेझरी निवासी अपनी मोटरसाइकिल से २९ अप्रैल की रात्रि में किसी कार्य से घर से बाहर निकला था। तभी सड़क हादसे में उसकी मौत हो गई घटना की जानकारी परिवार के लोगों को राहगीरों के द्वारा दी गई। मौके पर परिजनों जाकर देखा तो ग्राम बोटेझरी से कटंगझरी का सिवार टोला मेंन रोड़ पर रोड़ किनारे लगे खंबे से मोटर साइकिल की भयंकर भिड़ंत होने से मौके पर ही युवक की मौत हो गई थी। जिसे रात्रि करीब १.३० बजे सिविल अस्पताल वारासिवनी में लाया गया जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। वहीं अस्पताल तहरीर पर ३० अप्रैल को पुलिस के द्वारा मामले में आवश्यक जानकारी लेकर शव परिक्षण कर आवश्यक पंचनामा कार्यवाही कर सिविल अस्पताल स्थित शव विच्छेदन गृह में पोस्टमार्टम कर परिजनों को शव सुपुर्द कर दिया गया वहीं मामले में मर्ग कायम कर जांच की जा रही है। घटना के संबंध में पुलिस को जानकारी देते हुए संदीप बट्टी ने बताया कि मैं ग्राम बोटेझरी रहता हूँ। मेरा पडोसी भांजा अतुल धुर्वे रात्रि में अपनी मोटर सायकल क्रमांक एमपी ५० जेड डी १७३३ से अपने घर से किसी कार्यक्रम में जा रहा था। जो रात्री करीबन ११.५५ बजे करीबन मुझे फोन आया कि मेरा पडोसी भांजा अतुल धुर्वे का मोटर सायकल से ग्राम कटंगझरी का सिवार टोला मैंन रोड़ पर रोड़ किनारे लगे खम्बे से टकराने से मोटर सायकल सहित नीचे गिर गया हैं। जो मौके पर ही खत्म हो गया है कि सूचना मिलने पर मैं गाँव के अन्य लोगो के साथ आया था जो देखा कि मेरा भांजा अतुल धुर्वे रोड़ किनारे खम्बे के पास मृत पडा है एवं कुछ दूरी पर मोटर सायकिल गिरी पडी है।

६० लीटर कच्ची शराब के साथ मन्नूलाल गिरफ्तार न्यायलय ने भेजा जेल

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। वारासिवनी पुलिस के द्वारा ३० अप्रैल को अवैध हाथ भट्टी कच्ची महुआ शराब के साथ मन्नूलाल बिजेवार को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया। जिसे न्यायालय ने जेल भेज दिया । मामले में पुलिस के द्वारा आरोपी के कब्जे से ६० लीटर कच्ची शराब जप्त की गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार पुलिस के द्वारा कस्बा भ्रमण किया जा रहा था तभी मुखबिर से पुलिस को सूचना मिली कि एक व्यक्ति के द्वारा एकोड़ी के ग्रामीण मार्ग से बड़ी मात्रा में हाथ भट्टी कच्ची महुआ शराब का परिवहन किया जा रहा है। पुलिस ने थाना प्रभारी के निर्देश पर मुखबिर के बताए अनुसार मौके पर उपस्थित होकर जांच की जहां एक व्यक्ति को रोककर पूछताछ की गई। जिसने अपना नाम मन्नूलाल बिजेवार उम्र ६० वर्ष गर्रा निवासी बताया जिसकी तलाशी लेने पर उसके पास बड़ी मात्रा में हाथ भट्टी कच्ची महुआ शराब पाई गई। जिसे पुलिस थाने में लाकर पूछताछ की गई जिसके पास करीब ६० लीटर अवैध महुआ शराब मिलने पर उसे जप्त किया गया। पुलिस ने मन्नूलाल बिजेवार के विरुद्ध आबकारी अधिनियम की धारा ३४/२ के तहत अपराध पंजीबद्ध कर उसे वारासिवनी न्यायालय में पेश किया गया जहां न्यायालय ने उसे जेल भेज दिया।

पेंशनरों को तीन प्रतिशत महंगाई राहत देने के निर्णय को बताया अन्यायपूर्ण -आर एस बैस

रामपायली/वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। आर एस बैस प्रेस ने विज्ञप्ति जारी कर बताया कि पेंशनर्स वेलफेयर एसोसिएशन के संरक्षक गणेश दत्त जोशी एवं प्रदेश अध्यक्ष आमोद सक्सेना सहित जिले के समस्त पेंशनरों ने मंत्री परिषद में प्रदेश के पेंशनरों को १ मार्च २०२५ से ३ प्रतिशत महंगाई राहत देने पर कड़ा विरोध जताया है। प्रदेश के कर्मचारियों को जुलाई २०२४ से ३ प्रतिशत एवं जनवरी २०२५ से २ प्रतिशत महंगाई दिया गया है। इसके विपरीत प्रदेश के पेंशनरों को १ मार्च २०२५ से तीन प्रतिशत महंगाई राहत देने को अन्याय पूर्ण कहा है। श्री बैस ने बताया कि राजनीतिक लाभ के लिए मध्यप्रदेश से पृथक कर छत्तीसगढ़ राज्य बनाकर पेंशनरों के हितों पर लगातार २४ वर्षों से कुठाराघात किया जा रहा है। मध्य प्रदेश राज्य पुनर्गठन अधिनियम २००० की धारा ४९ अनुसूची ६ में महंगाई राहत देने के लिए दोनों राज्यों को आपस में सहमति लेने का प्रावधान नहीं है। इसके साथ ही महालेखाकार मध्य प्रदेश एवं छत्तीसगढ़ भी एकीकृत मध्यप्रदेश के पेंशनरों दायित्वों की वसूली कर रहा है। अधिनियम में एकीकृत मध्य प्रदेश के अंतर्गत पेंशनरों दायित्वों का विभाजन कर मध्य प्रदेश राज्य से ७३.३८ प्रतिशत एवं छत्तीसगढ़ राज्य से २६.६२ प्रतिशत पेंशनरो दायित्वों की वसूली का अधिकार दोनों राज्यों के महालेखाकार को दिया गया है । श्री बैस ने बताया कि उतरवर्ती मध्यप्रदेश के पेंशनरों को महंगाई राहत देने के संबंध में किसी प्रकार की वसूली का अधिकार दोनों राज्यों के महालेखाकार को नहीं है और ना ही उनके द्वारा इस मद में कोई वसूली की जा रही है। श्री बैस ने जिले के समस्त पेंशनर संगठनों के प्रदेश के पेंशनरों को तत्काल केंद्रीय तिथि से ५ प्रतिशत महंगाई राहत देने की मांग सरकार से की है।

अन्तर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस पर विधिक साक्षरता एवं जागरूकता कार्यक्रम हुआ आयोजित

बालाघाट (पद्मेश न्यूज) ।राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण एवं मप्र राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशों पर अंतर्राष्ट्रीय श्रम दिवस के अवसर पर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्राणेष कुमार प्राण के मार्गदर्षन में ग्राम पंचायत पाथरवाड़ा में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर के दौरान विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव सतीष शर्मा द्वारा कानूनी प्रावधानों के बारे में जानकारी देते हुए राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली द्वारा संचालित योजना असंगठित क्षेत्रों के श्रमिकों के लिए विधिक सेवा योजना-2015 लागू की गई है इसके अनुसार न्यूनतम मजदूरी अधिनियम के प्रावधानों की भी जानकारी दी। शिविर में उपस्थित न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी श्रीमती शीनी जैन द्वारा औद्योगिक विवाद अधिनियम, निःशुल्क विधिक सहायता योजना के बारे में जानकारी प्रदान की। साथ ही न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी शुभम जैन द्वारा बालश्रम (प्रतिषेद्य एवं विनियमन) अधिनियम के प्रावधानों के बारे में उपस्थित ग्रामीणजनों को जानकारी प्रदान की। शिविर में उपस्थित जितेंद्र मोहन धुर्वे जिला विधिक सहायता अधिकारी द्वारा शिविर के दौरान कर्मकार प्रतिकर अधिनियम, समान पारिश्रमिक अधिनियम के संबंध में उपस्थित श्रमिकों को अवगत कराया गया। वहीं 10 मई 2025 को आयोजित होने वाली नेषनल लोक अदालत के संबंध में भी जानकारी दी। आयोजित शिविर में ग्राम पाथरवाड़ा की सरंपच श्रीमती शत्रुपा धामड़े, सुभाष धामड़े व ग्रामीणजन एवं श्रमिक बंधु तथा पैरालीगल वालेन्टियर उपस्थित रहे।

पोशीदा खतरेः राज्य द्वारा निगरानी और लोकतंत्र

राज्य द्वारा निगरानी (स्टेट सर्विलांस) व्यवस्थागत नियंत्रणों और देखरेख के अधीन होनी चाहिए और यह अपराध की काली दुनिया की नापाक गतिविधियों जैसी नहीं लगनी चाहिए। जैसा कि भारत के सुप्रीम कोर्ट की एक पीठ ने कहा, सवाल यह नहीं है कि क्या राज्य स्पाइवेयर का इस्तेमाल कर सकता है, बल्कि यह है कि इसका जायज निशाना कौन लोग हो सकते हैं। किसी राज्य एजेंसी द्वारा राजनीतिज्ञों, न्यायाधीशों, धार्मिक नेताओं, सिविल सेवकों और पत्रकारों की कथित निगरानी पर सुनवाई के दौरान, पीठ साफ तौर पर यह चाह रही थी कि निगरानी की शक्तियों व औजारों के मनमाने इस्तेमाल पर नियंत्रण हो। सरकार ने न तो यह माना है और न ही इनकार किया है कि वह पेगासस का इस्तेमाल करती है। पेगासस इजराइल-निर्मित सैन्य स्तरीय स्पाइवेयर है, जो केवल राज्य एजेंसियों को बेचा जाता है और इसका इस्तेमाल बहुत तरह के लोगों को निशाना बनाने के लिए किया गया। इस औजार के वजूद और इसके इस्तेमाल के बारे में वैश्विक खुलासों के बाद यह मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा। उसने एक तकनीकी समिति नियुक्त की, जिसकी जांच को कथित तौर पर निशाने पर रहे लोगों और सरकार की ओर से सहयोग के अभाव ने सीमित बनाया। जब यह मामला न्यायपालिका के समक्ष था, उस समय भी आई-फोन (जो पेगासस का मुख्य निशाना था) का इस्तेमाल करने वाले कई हाई-प्रोफाइल लोगों को फोन-निर्माता की ओर से इस आशय के सुरक्षा अलर्ट मिले कि वे संदिग्ध राज्य निगरानी का निशाना हैं। दुनियाभर के राज्यों ने निशाने पर रहे लोगों - जिन्होंने लगातार विकसित हो रही तकनीकों का इस्तेमाल कर अपने संवाद को ताक-झांक से महफूज बनाने का प्रयास किया - की जासूसी के लिए कानून से इतर उपायों का इस्तेमाल किया है। पकड़ में आने से बचने के लिए आतंकवादी व अन्य गैर-राज्य कर्ता, और अपराधी इनक्रिप्शन व अन्य उन्नत तकनीकों का इस्तेमाल कर रहे हैं क्योंकि वे व्यापक समाज को नुकसान पहुंचाने की साजिश करते हैं। पर्याप्त कानूनी व तकनीकी साधनों के बगैर, राज्य उभरते राष्ट्रीय सुरक्षा खतरों से निपटने में अप्रभावी साबित होगा। इस संदर्भ में, और खासकर जम्मू एवं कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादी हमले की पृष्ठभूमि में, सुप्रीम कोर्ट ने एक प्रासंगिक सवाल सामने रखा है।

कानून लागू करने में यथोचित प्रक्रिया और पारदर्शिता को बेशर्मी से नकारे जाने के बचाव में, मनमाने ढंग से राष्ट्रीय सुरक्षा का हवाला दिये जाने की सरकार की प्रवृत्ति की सुप्रीम कोर्ट द्वारा अतीत में आलोचना की जाती रही है। सरकारी कर्ताओं का एक परेशान करने वाला चलन यह भी है कि वे अक्सर राजनीतिक विरोधियों पर राष्ट्र-विरोधी होने का लेबल लगाते हैं। राज्य अगर निगरानी की ज्यादा शक्तियां चाहता है, तो उसे उसी अनुरूप मजबूत नियम बनाने होंगे जिससे लोगों का बचाव हो सके। राष्ट्रीय सुरक्षा कार्यपालिका के मनमानेपन और व्यक्तिगत अधिकारों व गरिमा के उल्लंघन का बहाना नहीं हो सकती। ऐसे प्रोटोकॉल स्थापित किये जाने चाहिए, जो निगरानी में स्पष्ट परिभाषित मानकों और कदमों का पालन सुनिश्चित करें। सुरक्षा संबंधी चिंताएं दूर हो जाने पर, और उचित समयसीमा के भीतर, इन प्रक्रियाओं को सरकार की अन्य शाखाओं और आम जनता के पर्यवेक्षण के अधीन होना चाहिए। किसी भी सूरत में, किसी राज्य एजेंसी के पास देश की लोकतांत्रिक राजनीति में दखलअंदाजी करने, या असहमति के स्वरों और सक्रियतावाद को कुचलने का इख्तियार नहीं हो सकता। अनिश्चित सुरक्षा वातावरण से निपटने की कोशिश करते समय, भारत के संवैधानिक लोकतंत्र की दिशा सुदृढ़ बनी रहनी चाहिए।

आदि शंकराचार्य ने हिन्दू संस्कृति को पुनर्जीवित किया

महापुरुषों की कीर्ति युग-युगों तक स्थापित रहती। उनका लोकहितकारी चिंतन, दर्शन एवं कर्तृत्व कालजयी होता है, सार्वभौमिक, सार्वदैशिक एवं सार्वकालिक होता है और युगों-युगों तक समाज का मार्गदर्शन करता हैं। आदि शंकराचार्य हमारे ऐसे ही एक प्रकाशस्तंभ हैं जिन्होंने एक महान हिंदू धर्माचार्य, दार्शनिक, गुरु, योगी, धर्मप्रवर्तक और संन्यासी के रूप में 8वीं शताब्दी में अद्वैत वेदांत दर्शन का प्रचार किया था। हिन्दुओं को संगठित किया। उन्होंने चार मठों की स्थापना की, जो भारत के विभिन्न हिस्सों में स्थित हैं। आदि गुरु शंकराचार्य हिंदू धर्म में एक विशेष स्थान रखते हैं, उनके विराट व्यक्तित्व को किसी उपमा से उपमित करने का अर्थ है उनके व्यक्तित्व को ससीम बनाना। उनके लिये इतना ही कहा जा सकता है कि वे अनिर्वचनीय है। उन्हें हम धर्मक्रांति एवं समाज-क्रांति का सूत्रधार कह सकते हैं। अपने जन्मकाल से ही शिशु शंकराचार्य के मस्तक पर चक्र का चिन्ह, ललाट पर तीसरे नेत्र तथा कंधे पर त्रिशूल जैसी आकृति अंकित थी, इसी कारण आदि शंकराचार्य को भगवान शिव का अवतार भी माना जाता है। भगवान शिव ने उन्हें साक्षात् दर्शन देकर अंध-विश्वास, रूढ़ियों, अज्ञानता एवं पाखण्ड के विरूद्ध जनजागृति का अभियान चलाने का आशीर्वाद दिया। उन्होंने भयाक्रांत और धर्म विमुख जनता को अपनी आध्यात्मिक शक्ति और संगठन युक्ति से संबल प्रदान किया था। उन्होंने नए ढंग से हिंदू धर्म का प्रचार-प्रसार किया और लोगों को सनातन धर्म का सही एवं वास्तविक अर्थ समझाया।

आदि शंकराचार्य के अनूठे प्रयासों से ही आज हिन्दू धर्म बचा हुआ है एवं सनातन धर्म परचम फहरा रहा है। शंकराचार्य ने अपने 32 वर्ष के अल्प जीवन में ही पूरे भारत की तीन बार पदयात्रा की और अपनी अद्भुत आध्यात्मिक शक्ति और संगठन कौशल से उस समय के 72 संप्रदायों तथा 80 से अधिक राज्यों में बंटे इस देश को सांस्कृतिक एकता के सूत्र में इस प्रकार बांधा कि यह शताब्दियों तक विदेशी आक्रमणकारियों से स्वयं को बचा सका और अखण्ड बना रहा। ऐसे दिव्य एवं अलौकिक संत पुरुष का जन्म धार्मिक मान्यताओं के अनुसार आठवीं सदी में वैशाख माह के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को केरल के कालड़ी गांव में ब्राह्मण परिवार में हुआ था। उनके पिता का नाम शिवगुरु और माता का नाम आर्यम्बा था। बहुत दिन तक सपत्नीक शिव की आराधना करने के अनंतर शिवगुरु ने पुत्र-रत्न पाया था, अतः उसका नाम शंकर रखा। जब ये तीन ही वर्ष के थे तब इनके पिता का देहांत हो गया। ये बड़े ही मेधावी तथा प्रतिभाशाली थे। छह वर्ष की अवस्था में ही ये प्रकांड पंडित हो गए थे और आठ वर्ष की अवस्था में इन्होंने संन्यास ग्रहण किया था। इनके संन्यास ग्रहण करने के समय की कथा बड़ी विचित्र है। कहते हैं, माता एकमात्र पुत्र को संन्यासी बनने की आज्ञा नहीं दे रही थीं। तब एक दिन नदी किनारे एक मगरमच्छ ने शंकराचार्यजी का पैर पकड़ लिया तब इस वक्त का फायदा उठाते हुए शंकराचार्यजी ने अपने माँ से कहा 'माँ मुझे संन्यास लेने की आज्ञा दो, अन्यथा यह मगरमच्छ मुझे खा जायेगा।' इससे भयभीत होकर माता ने तुरंत इन्हें संन्यासी होने की आज्ञा प्रदान की; और आश्चर्य की बात है कि जैसे ही माता ने आज्ञा दी वैसे ही तुरन्त मगरमच्छ ने शंकराचार्यजी का पैर छोड़ दिया। इन्होंने गोविन्द नाथ से संन्यास ग्रहण किया, जो आगे चलकर आदि गुरु शंकराचार्य कहलाए।

आदि शंकराचार्य ने प्राचीन भारतीय उपनिषदों के सिद्धांत और हिन्दू संस्कृति को पुनर्जीवित करने का अनूठा एवं ऐतिहासिक कार्य किया। साथ ही उन्होंने अद्वैत वेदान्त के सिद्धान्त को प्राथमिकता से स्थापित किया। उन्होंने धर्म के नाम पर फैलाई जा रही तरह-तरह की भ्रांतियों को मिटाने का काम किया। सदियों तक पंडितों द्वारा लोगों को शास्त्रों के नाम पर जो गलत शिक्षा दी जा रही थी, उसके स्थान पर सही शिक्षा देने का कार्य आदि शंकराचार्य ने ही किया। आज शंकराचार्य को एक उपाधि के रूप में देखा जाता है, जो समय-समय पर एक योग्य व्यक्ति को सौंपी जाती है। आदि गुरु शंकराचार्य ने हिंदू धर्म के प्रचार-प्रसार के लिए चार अगल दिशाओं में चार मठों की स्थापना की। भगवद्गीता, उपनिषदों और वेदांतसूत्रों पर लिखी हुई इनकी टीकाएँ बहुत प्रसिद्ध हैं। इन्होंने अनेक विधर्मियों को भी अपने धर्म में दीक्षित किया था। इन्होंने ब्रह्मसूत्रों की बड़ी ही विशद और रोचक व्याख्या की है।

आदि शंकराचार्य ने हिन्दुओं को संगठित करने के लिए सबसे पहले दक्षिण दिशा में तुंगभद्रा नदी के तट पर श्रृंगेरी मठ की स्थापना की। यहां के देवता आदिवाराह, देवी शारदाम्बा, वेद यजुर्वेद और महावाक्य 'अहं ब्रह्मस्मि' है। सुरेश्वराचार्य को मठ का अध्यक्ष नियुक्त किया। इसके बाद उन्होंने उत्तर दिशा में अलकनंदा नदी के तट पर बद्रिकाश्रम (बद्रीनाथ) के पास ज्योतिर्मठ की स्थापना की जिसके देवता श्रीमन्नारायण तथा देवी श्रीपूर्णगिरि हैं। यहां के संप्रदाय का नाम आनंदवार, वेद अर्थवेद तथा महावाक्य 'अयमात्मा ब्रह्म' है। मठ का अध्यक्ष तोटकाचार्य को बनाया। पश्चिम में उन्होंने द्वारकापुरी में शारदा मठ की स्थापना की जहां के देवता सिद्धेश्वर, देवी भद्रकाली, वेद, सामवेद और महावाक्य 'तत्वमसि' है। इस मठ का अध्यक्ष हस्तमानवाचार्य को बनाया। उधर पूर्व दिशा में जगन्नाथ मठ, जहां की देवी विशाला, वेद ऋग्वेद और महावाक्य 'प्रज्ञान ब्रह्म' है। यहां उन्होंने हस्तामलकाचार्य को मठ का अध्यक्ष बनाया। इस प्रकार शंकाराचार्य ने अपने सांगठनिक कौशल से संपूर्ण भारत को धर्म एवं संस्कृति के अटूट बंधन में बांधकर विभिन्न मत-मतांतरों के माध्यम से सामंजस्य स्थापित किया।

आठ वर्ष की आयु में चारों वेदों में निष्णात हो गए, बारह वर्ष की आयु में सभी शास्त्रों में पारंगत, सोलह वर्ष की आयु में शांकरभाष्य तथा बत्तीस वर्ष की आयु में शरीर त्याग दिया। ब्रह्मसूत्र के ऊपर शांकरभाष्य की रचना कर विश्व को एक सूत्र में बांधने का प्रयास भी शंकराचार्य के द्वारा किया गया है, जो कि सामान्य मानव से सम्भव नहीं है। शंकराचार्य के दर्शन में सगुण ब्रह्म तथा निर्गुण ब्रह्म दोनों का हम दर्शन कर सकते हैं। निर्गुण ब्रह्म उनका निराकार ईश्वर है तथा सगुण ब्रह्म साकार ईश्वर है। जीव अज्ञान व्यष्टि की उपाधि से युक्त है। तत्त्वमसि तुम ही ब्रह्म हो; अहं ब्रह्मास्मि मैं ही ब्रह्म हूं; अयामात्मा ब्रह्म यह आत्मा ही ब्रह्म है; इन बृहदारण्यकोपनिषद् तथा छान्दोग्योपनिषद वाक्यों के द्वारा इस जीवात्मा को निराकार ब्रह्म से अभिन्न स्थापित करने का प्रयत्न शंकराचार्यजी ने किया है। ब्रह्म को जगत् के उत्पत्ति, स्थिति तथा प्रलय का निमित्त कारण बताया हैं। ब्रह्म सत् (त्रिकालाबाधित) नित्य, चैतन्यस्वरूप तथा आनंद स्वरूप है। ऐसा उन्होंने स्वीकार किया है।

जिस युग में आदि शंकराचार्य ने जन्म लिया उस समय देशी-विदेशी प्रभावों के दबाव में भारतीय संस्कृति संक्रमण के दौर से गुजर रही थी और उसका पतन आरंभ हो गया था। उन्होंने भयाक्रांत और धर्म विमुख जनता को अपनी आध्यात्मिक शक्ति और संगठन युक्ति से संबल प्रदान किया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'आदि शंकर जन्म भूमि क्षेत्रम' में प्रार्थना करते हुए कहा कि आने वाली पीढ़ियां संत-दार्शनिक आदि शंकराचार्य द्वारा हमारी संस्कृति की रक्षा में दिए योगदान की ऋणी रहेंगी। उन्होंने भारत के हर कोने में वेद-वेदांत का प्रसार कर सनातन परंपरा को सशक्त एवं सुदृढ़ किया। दिव्य ज्ञान से आलोकित उनका संदेश देशवासियों के लिए सदैव पथ-प्रदर्शक बना रहेगा। पूर्व राष्ट्रपति एवं दार्शनिक डॉ. राधाकृष्णन ने उन्हें प्राचीन परंपरा का भाष्यकार आचार्य बताते हुए लिखा है कि देश के अन्य भाष्यकारों की तरह अपने अध्ययन में उन्होंने कभी भी किसी प्रकार की मौलिकता का दावा नहीं किया। भारत में आदि शंकराचार्य के प्रयास से एक ऐसे आंदोलन का आविर्भाव हुआ जो सनातन वैदिक धर्म को उसकी अस्पष्टताओं और असंगतियों से निकालकर स्पष्ट तथा सर्वसाधारण के लिए स्वीकार्य बनाना चाहता था। उनकी शिक्षा का आधार उपनिषद थे। उनके द्वारा स्थापित मठों की उपासना पद्धतियां सरल है। वेदांत के विरोधियों से शास्त्रार्थ करने के उनके उत्साह के कारण देश के विभिन्न दार्शनिक केंद्रों में जो जड़ता आई थी उनमें एक नए विचार-विमर्श की प्रेरणा आरंभ हुई। शंकर द्वारा स्वीकृत दर्शन तथा संगठन बौद्धों के दर्शन और संगठन से मिलते-जुलते थे। आदि शंकराचार्य ने भारत में बढ़ते विभिन्न मतों पर उन्हीं की पद्धति से अपनी वैचारिक श्रेष्ठता सिद्ध की और सनातन वैदिक धर्म की पुनरुत्थान किया।

- ललित गर्ग

बेतुके बयानों से बचें एवं राजनीतिक सहमति कायम रखें

पहलगाम की बर्बर आतंकी घटना ने भारत की आत्मा पर सीधा हमला किया है, इसमें पाकिस्तान की स्पष्ट भूमिका को देखते हुए देश की एक सौ चालीस करोड जनता चाहती है कि अब पाकिस्तान को सबक सीखाना जरूरी हो गया है, नरेन्द्र मोदी सरकार ने भी इसे गंभीरता से लिया और पाकिस्तान के खिलाफ कठोर एक्शन लेते हुए सिंधु जल को रोकने जैसे पांच कदम उठाये। दोनों ही देशों के बीच युद्ध की स्थिति बनी है, यह पहली बार देखने को मिला है कि इस घटना को लेकर कश्मीर सहित समूचा देश एक दिखाई दे रहा है। ऐसे क्रूर, आतंकी एवं अमानवीय हमले के वक्त में पूरा देश दुख और गुस्से की मन:स्थिति से गुजर रहा है, जम्मू-कश्मीर विधानसभा ने शांति और सांप्रदायिक सद्भाव का एक सशक्त संदेश दिया है। सभी राजनीतिक दल, जाति, वर्ग, धर्म के लोग पाकिस्तान को करारा जबाव देने के लिये मोदी सरकार के हर निर्णय में सहयोगी होने का संकल्प व्यक्त किया है, बावजूद इसके कुछ नेताओं के ओछे, बेतुके एवं अराष्ट्रीय बयान भी सामने आए हैं, जिनको सुनकर इन नेताओं के मानसिक दिवालियेपन, औछेपन एवं विध्वंसक राजनीतिक सोच पर क्रोध भी आता है एवं तरस भी आता है। निश्चित ही ये बयान जहां अंधविरोध की घोर नकारात्मक एवं संकीर्ण राजनीति को दर्शाते है, वहीं कुछ वोट बैंक की सस्ती राजनीति को उजागर करते हैं। भाजपा नेताओं को भी यह ध्यान रखना होगा कि उनकी ओर से ऐसा कुछ न कहा-किया जाए, जिससे यह लगे कि वे पहलगाम की घटना का राजनीतिक लाभ लेने की कोशिश कर रहे हैं। जब राष्ट्र संकट एवं जटिल दौर में हो, किसी का राजनीतिक हित देशहित से बड़ा नहीं हो सकता।

अनर्गल, बेतुके एवं राष्ट्र-विरोधी बयानों ने एक बार फिर कुछ नेताओं एवं दलों की घटिया सोच को बेनकाब किया है। जबकि कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व ने पहलगाम की बर्बर आतंकी घटना पर अपने नेताओं के बेतुके बयानों का संज्ञान लिया और यह निर्देश दिया कि वे इस हमले पर पार्टी लाइन के हिसाब से ही बोलें। ऐसे निर्देश देना इसलिए आवश्यक हो गया था, क्योंकि उसके कई बड़े नेता और यहां तक कि कर्नाटक के मुख्यमंत्री भी बेलगाम होकर यह कह गए कि हम युद्ध के पक्ष में नहीं। वहीं के एक मंत्री एवं नेता ने तो कहा कि आतंकियों के पास इतना समय कहां होता है कि वह किसी को मारने से पहले उसका धर्म पूछें। इसी तरह का बयान महाराष्ट्र के कांग्रेस विधायक ने भी दिया। हद तो यह हो गई कि जब यह भी बोला गया कि जो महिला कह रही है कि उसके पति को मारने से पहले उनसे उनका धर्म पूछा गया, उसने अपना होशोहवास खो दिया होगा। एक अन्य कांग्रेस नेता ने यह बेतुकी बात कही कि पाकिस्तान भाजपा और आरएसएस का दुश्मन होगा, कांग्रेस का नहीं? ऐसे बयान केवल संवेदनहीन और पहलगाम हमले से क्षुब्ध देशवासियों का खून खौलाने वाले ही नहीं, आतंक को खाद-पानी देने वालों के मन की मुराद पूरी करने वाले भी हैं।

भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत ने अपने विवादित बयान में कहा कि इस घटना से किसे फायदा हो रहा है और कौन हिंदू-मुस्लिम कर रहा है इसका जवाब हमला करने वाले के पास ही है। टिकैत ने जोर देकर कहा कि असली चोर पाकिस्तान में नहीं बल्कि भारत में ही मौजूद है। टिकैत अपने औछे, घटिया एवं उच्छृंखल बयान के साथ यह उदाहरण भी दिया कि जब गांव में किसी की हत्या होती है, तो पुलिस सबसे पहले उसे पकड़ती है, जिसे जमीन मिलने जैसा फायदा होता है। पाकिस्तान के लिये पानी रोकने के निर्णय पर उनका यह कहना कि पानी पर सभी जीव-जंतुओं का अधिकार है, यह सबको मिलना चाहिए। ऐसा कहकर उन्होंने भारत-विरोधी विचार ही दिया है। बिजनसमैन एवं गांधी परिवार के जवाई रॉबर्ट वाड्रा के पहलगाम हमले पर विचार भले ही चौतरफा आलोचना के बाद बदल गए हैं। लेकिन उन्होंने भी इस आतंकवादी हमले के लिए मोदी सरकार और हिंदुत्व को जिम्मेदार ठहराया था।

राष्ट्रीय हितों पर चोट करने और देश की एकजुटता को प्रभावित करने वाले ये बयान यही नहीं बताते कि राजनीतिक कटुता के चलते नेतागण संवेदनशील मामलों में भी बोलते समय अपने विवेक का परित्याग कर देते हैं, बल्कि यह भी इंगित करते हैं कि उन्हें राष्ट्रीय महत्व के विषयों पर भी पार्टी लाइन की कोई परवाह नहीं रहती। उनके लिये पार्टी देश से ज्यादा महत्वपूर्ण है। इस पर भी ध्यान देने की जरूरत है, जिन भी दलों के नेता पहलगाम की घटना पर अनर्गल बयान दे रहे हैं और जिसके चलते सर्वदलीय बैठक में बनी सहमति आहत हो रही है, उन पर लगाम लगे। पहलगाम आतंकी हमला पहला मौका है, जब विपक्ष 'किसी भी जवाबी कार्रवाई' के लिए मोदी सरकार के साथ खड़ा दिख रहा है। उड़ी हमले के बाद सर्जिकल स्ट्राइक और पुलवामा हमले के बाद एयर स्ट्राइक के सुबूत मांगने वाले विपक्ष के रुख में यह बड़ा बदलाव है। सबसे बड़े लोकतंत्र की राजनीति के लिए यह निश्चय ही सकारात्मक संकेत भी है।

संसदीय लोकतंत्र में सरकार बहुमत से बनती है, लेकिन सत्तापक्ष और विपक्ष, दोनों की भूमिकाएं महत्वपूर्ण रहती हैं। बेशक पहलगाम में सुरक्षा चूक पर जवाब मांगने का राजनीतिक अधिकार विपक्ष को है, क्योंकि चूक तो हुई ही है, लेकिन सहमति के लिए संवाद और समन्वय की प्रक्रिया जारी रहनी जरूरी है। यह कभी नहीं भूलना चाहिए कि राजनीति देश के लिए होनी चाहिए, देश की कीमत पर नहीं। अलग-अलग दलों से होने तथा कई मुद्दों पर नीतिगत मतभेदों के बावजूद प्रधानमंत्री नरसिंह राव, पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर और नेता प्रतिपक्ष अटल बिहारी वाजपेयी ने परस्पर सम्मान भाव वाले रिश्तों से संवाद, सौहार्द, समझ तथा समन्वय की जो मिसाल पेश की, वह दलगत राजनीति में वर्तमान सन्दर्भों में मार्गदर्शक बन सकती है। एक-दूसरे को देशविरोधी मानने की मानसिकता से मुक्त होना होगा और परस्पर कटुता के बजाय सम्मान का भाव जगाना होगा। अपेक्षा की जाती है कि अपनी-अपनी राजनीतिक विचारधारा पर अडिग रहते हुए भी वे राष्ट्रहित के मुद्दों पर सहमति के साथ आगे बढ़ें, कायम रहे राजनीतिक सहमति ताकि देश चुनौतियों एवं संकटों का सामना प्रभावी एवं सफलतापूर्वक कर सके।

विडम्बना तो यह है कि भारत तथा अंतर्राष्ट्रीय दबाव के आगे लाचार हुए पाकिस्तान के सत्ताधीशों ने स्वीकार किया कि वे पिछले तीस साल से आतंक की फसल सींच रहे थे। भारत ने पूरी दुनिया को मुंबई के भीषण हमले, संसद पर हुए हमले तथा पुलवामा से लेकर उड़ी तक की आतंकवादी घटनाओं में पाक की संलिप्तता के मजबूत सबूत बार-बार दिए, अब दुनिया भी स्वीकारने लगी है कि पाकिस्तान आतंक की प्रयोगशाला है। उसकी इस नर्सरी एवं आतंक की खेती का उद्देश्य भारत की तबाही ही है। भारत को कभी तो जबाव देना ही था, अब भारत ने कमर कसी है तो पाकिस्तान परमाणु बम से हमले की धमकी, सिंधु नदी को रक्त से भरने तथा कश्मीर मुद्दे के अंतर्राष्ट्रीयकरण जैसी गिदड धमकियों पर उतर आया है। अब तो भारत के राजनीतिक दलों, नेताओं एवं संकीर्ण मानसिकता वाले लोगों को पाकिस्तान के प्रति अपनी सोच को बदलना चाहिए। अब पाकिस्तान के लिये स्थिर पड़ोसी का विचार छोड़कर रणनीतिक विखंडन के जरिये क्षेत्रीय परिदृश्य को नया आकार देना समय की जरूरत है। आज सरकार, विपक्ष और नागरिकों के सामने एक बड़ी चुनौती है कि वे ऐसा कुछ न करें, जिससे सांप्रदायिक संघर्ष फैले। सीमाओं पर लड़ने की ताकत देश के भीतर के इन संकीर्ण एवं स्वार्थी राजनीतिक एजेंडे में खप जायेगी तो हम केवल उस एजेंडे को ही आगे बढ़ा रहे होंगे, जो आतंकवादियों एवं पाकिस्तान का मकसद है- भारत को विभाजित करना। कश्मीर एवं देश में मुस्लिम समाज ने पहलगाम की घटना का जिस तरह विरोध किया, काली पट्टी बांधकर नमाज पढ़ी और कहा कि इस घटना ने इस्लाम को बदनाम किया है, वह स्वागतयोग्य है। देश में आगे भी सद्भाव बना रहे, यह देखना सभी समुदायों की जिम्मेदारी है। लेकिन इससे बड़ी जिम्मेदारी राजनीतिक दलों एवं नेताओं की है कि वे बेतुके बयानों से स्वार्थ की राजनीति का त्याग करें।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

- ललित गर्ग

पाकिस्तान का हुक्का-पानी बंद

पहलगाम हत्याककांड के बाद भारत ने पाकिस्तान का हुक्का पानी बंद कर दिया, अच्छा किया। पाकिस्तानी नागरिकों को भारत से खदेड दिया, लेकिन क्या इससे काश्मीर में आतंकी हमले स्थाई रूप से रुक जाएंगे या ये लुकका छिपी का खेल पहले की तरह जारी रहेगा?

अगर आप गौर से देखें तो भारत ने पहलगाम हत्याकांड के बाद पाकिस्तान के खिलाफ अनेक प्रतिबंधात्मक कदम आनन फानन में उठाए किंतु सीधे हमला नहीं किया। पहले बार्डर सील किए, वीजा बंद किए, सिंधुजल रोका और अब हवाई मार्ग भी बंद कर दिया।

सरकार की इन तमाम कार्रावाइयों से अमन पसंद जनता मुतमईन है। लेकिन वीर, अधीर देवतुल्य कार्यकर्त्ता अधीर हैं। पाकिस्तान के खिलाफ आक्रामण को उतावले उनके मन विचलित हैं। विचलित वे हिंदू भी हैं जिनके परिजन केवल हिंदू होने की वजह से मारे गये। लेकिन बाकी देश अपने अपने काम में लगा है। देश का काम केवल युद्ध करना ही नहीं उसे टालना भी होता है। युद्ध टलना ही चाहिए। लेकिन सवाल ये है कि असल मुद्दों को भी नहीं टालना चाहिए। हमारी या किसी भी देश की सरकार आपदा में, अवसर तलाश लेती है। चीन और अमेरिका की सरकारों ने पाकिस्तान के डर का फायदा अपने ढंग से उठाया है। ये दोनों महाशक्तियां भारत का आतंकवाद के खिलाफ समर्न कर रहीं हैं लेकिन पाकिस्तान को भी युद्धक सामान देने के लिए तैयार बैठे हैं। दोनों को भारत से आतंकित पाकिस्तान पसंद है। आतंकित, भयभीत पाकिस्तान ही दोनों को मुफीद पडता है।

आने वाले दिनों में भारत और पाकिस्तान की सरकारें युद्धराग मारू गाकर अपनी जनता को असल मुद्दों से भटकाए रख सकती है। सीमा पर और देश के भीतर तनाव सरकारों को हमेशा फायदा पहुंचाता है, सरकार किस दल की है ये महत्वपूर्ण नहीं होता।कांग्रेस ने अतीत में इस तनाव का लाभ उठाया, आज भाजपा की बारी है। इस माहौल में भी सियासत दबे पांव आगे बढ रही है। जातीय जनगणना का मुद्दा अब आम सहमति की ओर बढता नजर आ रहा है। लोकसभा में प्रतिपक्ष के नेता राहुल गांधी ने पहली बार मोदी सरकार का इस मुद्दे पर सशर्त समर्धन किया है। उन्होने सरकार से जातीय जनगणना की टाइम लाइन बताने को कहा है।

राजनीति और प्रेम में यही फर्क है। राजनीति बिना शर्त नहीं चलती और प्रेम शर्तें मंजूर नहीं करता। दोनों की अपनी तबीयत है। राहुल देश में प्रेम की दूकान खोले बैठे हैं क्योंकि नफरत की तो असंख्य दूकानें पहले से मौजूद हैं। बहरहाल असल मुद्दा पाकिस्तान और आतंकवाद है। इस मुद्दे पर सरकार ने हमेशा की तरह चुप्पी साध रखी है। चुप्पी सरकार का बिना फल का बाण है। चलता भी है और जान भी नहीं लेता। रामजी ने मारीच को बिना बाण का बाण मारा थाऔर सात योजन पीछे धकेल दिया था।सरकार बिना युद्ध लडे पाकिस्तान को सात योजन पीछे करना चाहती है। युद्ध से पाकिस्तान तो बर्बाद हो जाएगा लेकिन भारत की भी कमर टूटेगी ही। भारत पहले से ही अमरीकी टेरिफ वार की मार झेल रहा है।

देश के मौजूदा हालात को देखकर प्रधानमंत्री जी ने 9मयी का अपना रूस दौरा टाल दिया। विक्ट्री डे पर आयोजन समारोह में मोदी जी को शामिल होना था। अब उनके स्थान पर रक्षामंत्री राजनाथ सिंह रूस जाएंगे।विश्व भ्रमण प्रेमी किसी भी आदमी के लिए अपनी यात्रा स्थगित करना आसान बात नहीं है। देश को मोदीजी का आभारी होना चाहिए।

इस संक्रमणकाल में अब सब मौन हैं। न ममता की चर्चा है न मायावती की। न अखिलेश यादव सुर्खियों में हैं न नीतीशकुमार। भाजपा को भी नया अध्यक्ष चुनने से राहत मिली। हालांकि भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव का भारत पाक तनाव से कोई सरोकार नहीं है। वैसे भी अब भाजपा के लिए अध्यक्ष का चुनाव अब महत्वपूर्ण कार्य नहीं क्योंकि अब ये तदर्थ पद है। पहले पार्टी अध्यक्ष प्रधान होता था, अब प्रधानमंत्री पद महत्वपूर्ण हो गया है।

-राकेश अचल

कहोल ऋषि के नाम पर पड़ा है कहलगांव का नाम

इतिहास-संस्कृति एवं धर्म-दर्शन व अध्यात्म की भूमि रहे अंगक्षेत्र में अनेकों दार्शनिक, चिंतक, मनीषी तथा लेखक हुए हैं जिन्होंने अपनी प्रज्ञा के बल पर ऊंचे मुकाम हासिल किये। ऐसे मनीषियों में हाथियों के उपचार पर विश्व का पहला ग्रंथ हस्त्य आयुर्वेद के रचयिता पालकप्य मुनि, बौद्ध धर्म विषयक थेरगाथा के लेखकों में एक बुद्ध के समकालीन सोणकोलविश, प्रमुख जैन ग्रंथ लंकावतार सूत्र के प्रणेता विराज जीन, दशवैकालिक सूत्र के लेखक जैन धर्म के पांचवें धर्मगुरु स्वंभव आदि के नाम आते हैं। विद्वत जनों के इस आभा-मंडल में अंगक्षेत्र स्थित कहलगांव के दो ऐसे विद्वानों के नाम भी शामिल हैं जिनके विचारों और दर्शन से भारत ही नहीं पूरी दुनिया प्रभावित हुई। इनमें से एक हैं विक्रमशिला बौद्ध महाविहार के महान् आचार्य दीपांकर श्रीज्ञान अतिश जो बौद्ध धर्म के अंतिम प्रमुख आचार्य माने जाते हैं। और दूसरे हैं अद्वैत वेदांत के प्रकांड पंडित महर्षि अष्टावक्र।

यह भी विडंबना रही कि विक्रमशिला के देश के प्रमुख बौद्ध महाविहारों में शुमार होने के कारण इसके प्रमुख आचार्य दीपांकर के व्यक्तित्व व कृतित्व से लोग भलीभांति परिचित हैं, किंतु अष्टावक्र ऋषि के बारे में विस्तृत जानकारी नहीं थी जबकि उनके पिता कहोल (कहोड़) ऋषि से सभी परिचित थे जिनकी तपोभूमि पवित्र उत्तरवाहिनी गंगा तट पर स्थित कहलगांव थी। कहोल ऋषि पर ही इस नगरी का नाम कहलगांव पड़ा है। किंतु पिछले साल कहलगांव में राघव परिवार द्वारा आयोजित भव्य श्रीराम कथा के दौरान अष्टावक्र के जीवन दर्शन के मर्मज्ञ व अष्टावक्र शीर्षक महाकाव्य के रचयिता पद्मविभूषण जगतगुरु श्रीराम भद्राचार्य के प्रवचनों के माध्यम से राम कथा के साथ अंगभूमि के पुत्र अष्टावक्र के उज्जवल व्यक्तित्व व कृतित्व के बारे में जाना तो कहलगांव के सुधी निवासी उद्वेलित हो उठे और अष्टावक्र के नाम पर भव्य मंदिर बनाने का संकल्प लिया। जगतगुरू श्रीराम भद्राचार्य की प्रेरणा से राघव परिवार के नेतृत्व में कहलगांव में एक वर्ष की अल्प अवधि में ऋषि अष्टावक्र का मंदिर बनकर तैयार हो गया है।

श्रृष्टि अष्टावक्र अयोध्या नरेश राजा दशरथ और विदेह (मिथिला) के राजा जनक के समकालीन थे। ऋषि अष्टावक्र के बारे में बाल्मिकी रचित रामायण के युद्ध काण्ड और महाभारत के वन पर्व सहित भवभूति द्वारा रचित उत्तर रामचरित सरीखे ग्रंथों में चर्चा की गई है। कहते हैं कि वे दुनिया के ऐसे पहले विद्वान हैं जिन्होंने सत्य और ज्ञान की व्याख्या शास्त्रों में वर्णित सिद्धांतों -नियमों से परे वास्तविकता के धरातल पर की। ऋषि अष्टावक्र के विचार और दर्शन सुप्रसिद्ध अष्टावक्र गीता में संग्रहित हैं।

ऋषि अष्टावक्र के नामकरण के बारे में ऐसी कथा है कि जब वे अपनी माता सुजाता के गर्भ में थे तो अपने पिता कहोल ऋषि द्वारा किये जानेवाले वेद के पाठ की त्रुटियों की ओर इशारा कर दिया।

इन्दौर बाजार भाव

इन्दौर। लेवाली ठंडी पड़ने से गुरूवार को खाद्य तेलों में बाजार मंदी के रहे। तिलहनों में भाव बने रहे। दलहनों में व्यापार ठहरा-ठहरा ही रहा। चने में बाजार मंदी पर रहे। किराना जिंसों में नारियल व मसाला जिंसों में लेवाली अटकी-अटकी रही। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार खाद्य तेलों में लेवाली ठंडी-ठंडी रहने से बाजार नरमी के रहे। तिलहनों में बाजार बने रहे। दलहनों में कामकाज ठंडा-ठंडा ही रहा। चने में बाजार मंदी पर रहे। उधर, किराना जिंसों में नारियल व मसाला जिंसों में व्यापार की मात्रा कम ही रही। बाजार सुस्ती पर रहे। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 4160-4190, खोपरा गोला 210-245, खोपरा बूरा 3800-5800 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 275-283, मीडियम 287-292, बेस्ट 300-310, ऊंझा हल्का 268-285, बेस्ट 295-310, हल्दी निजामाबाद 175-215, सांगली 260-280, साबूदाना हल्का 6000-6100, मीडियम 6200-6300, बेस्ट 6300-6500, ग्लास 6700, वरलक्ष्मी 5350, सौंफ मोटी 100-140, बेस्ट 280-300, एस्ट्रा बेस्ट 310-350, सौंफ बारिक 280-290, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 740-750, गरबल 715-720, मटरदाना 770-795, खसखस अनक्लीन 1050-1200, क्लीन 1220-1330, दालचीनी 250-265, जायफल 725-790, बेस्ट 750-780, वाद्यान फूल 440-495, शाहजीरा 385, तेजपान 90-95, पत्थर फूल 340-425, बेस्ट 475-500, जावत्री 1625-1900, केसर 175-185, सौंठ 375-400, धोली मूसली 2175-2250, लौंग 765-775, बेस्ट 800-810, हींग (वनदेवी 751) 2600, पाउच 2650, 121 नं. दाना 2400, पाउच 2250, 111 नं. डिब्बी 2200, पाउच 2250, सिंघाडा 160-185, सिंदूर 6600, देशी कपूर 750-775, पूजा बादाम 115-200, पूजा सुपारी 450-475, अरीठा 130-145, हरि इलायची शंकर 2700-2800, मीडियम 2900-3050, बोल्ड 3100-3300, एक्ट्रा बोल्ड 3500-3700, पानबार 2450, बड़ी इलायची 1600-1750, बेस्ट 1850-2000, तरबूज मगज 480-500, काजू (240) 950-1000, काजू (320) 825-860, काजू एस. डब्ल्यू 800-820, जे.एच. 850-870, टुकड़ी 800-840, बादाम मगज 910-915, सिंगापुरी 795-815, अखरोट 450-650, जर्दालु 250-350, बेस्ट 450-600, किशमिश कंधारी 420-470, बेस्ट 550-650, इंडियन 140-150, बेस्ट 170-190, चारौली 1550-1650, बेस्ट 1700, मुनक्का 450-550, बेस्ट 650-900, अंजीर 750-1450, मखाना 1100-1625, खारक 115-135, मीडियम 140-180, बेस्ट 225-250, एक्ट्रा बेस्ट 300-310, पिस्ता 1300-1450, कंधारी 1750-1900, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 2100-2150, (160) 2400-2450, (200) 2800-2850, (250) 2800-2850

तेल- सींगदाना 1310-1330, मुम्बई 1340, राजकोट तेलिया 2090, सोया साल्वेंट 1160-1165, सोया रिफाइंड 1225-1230, कपास्या 1230, धूलिया 1235, कड़ी 1240,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1270, मुम्बई पाम 1240, मुम्बई सोया 1270,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2240, देवास-उज्जैन 2240, खंडवा-बुरहानपुर 2215, अकोला 3050 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 6200-6300, रायडा 5600-5800, सोयाबीन 4300-4350, टोली (महुआ बीज) 4000-4200, करंज 4000-4200, अलसी 7500-7600, अरंडी 4500-4700,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 6000-6050, एवरेज 5800-5900, काबूली चना बिटकी 6300-6600, काबली चना काटकू 6700-7200, काबूली चना मीडियम 7400-8300, काबूली चना डॉलर 9600-10600, मसूर बेस्ट 6100-6150, एवरेज 6000-6050, मूंग देशी 7600-7700, पाला 7700-7800, चमकी 7800-7900, नायलोन 7900-8000, तुअर निमाड़ी बेस्ट 6900-7000, एवरेज 6500-6700, हल्की 6400-6500, तुअर महाराष्ट्र 7100-7400, उड़द बेस्ट 8500-8600, एवरेज 8300-8400, शंकर 7900-8000, हल्की 7300-7500,

दाल- चना दाल एवरेज 8000-8200, बेस्ट 8300-8500, तुअर दाल सवा नं. 8300-8400, तुअर दाल फूल 9500-9700, तुअर दाल बोल्ड 11700-11800, मसूर दाल एवरेज 7400-7550, बेस्ट 7600-7750, मूंग दाल 9500-9600, बोल्ड 9800-10000, मूंग मोगर 10400-10500, बोल्ड 10600-10800, उड़द दाल 10600-10700, बोल्ड 10800-10900, मोगर 10900-11000, बोल्ड 11200-11400,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2400-2500, लोकवन 2700-2650, बेस्ट 2750-2800, (147) 2600-2650, बेस्ट 2650-2800, मालवराज 2800-2900, पूर्णा 2900-3000, चन्द्रोसी 3000-3800, ज्वार देशी 2400-2550, मक्का पीली 2350-2400,

चावल- चावल हंसा सफेद 2900-3050, सेला 3400-3800, परमल 3400-3500, दुबराज 4000-4800, राजभोग 7000-7200, काली मुंछ 8500-8900, बासमती दुबार 8000-8500, मीनी दुबार 7000-7500, मोगरा 4500-6500, तिबार 9000-10000, बासमती (921) 10500-11500, बासमती सेला 6500-9000, पोहा 4500-5100,

मावा- इन्दौर 340, उज्जैन 260, रतलाम 300 रू. प्रति किलो।

इन्दौर सराफा बाजार

इन्दौर। गुरूवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार ठंडा-ठंडा ही रहा। दोनों ही मूल्यवान धातुओं में बाजार सुस्ती के रहे। भाव इस प्रकार रहे-

चाँदी (9999) 97300, चाँदी (99) 97200, टंच 96800, सिक्का 1000, सोना 10 ग्राम 97000,

रोजमर्रा के इस्तेमाल वाले उत्पादों में प्रवेश करेगी अमूल डेयरी

नई दिल्ली। अमूल अब डेयरी से बाहर निकलकर अपने एफएमसीजी पोर्टफोलियो को और मज़बूत करने जा रहा है। कंपनी ऑर्गेनिक चाय, चीनी और मसालों जैसे रोज़मर्रा के इस्तेमाल वाले उत्पादों में प्रवेश करने की तैयारी कर रही है। कंपनी के एक अधिकारी ने बताया कि अमूल अब भारत की सबसे बड़ी एफएमसीजी कंपनी बन चुकी है, जिसका टर्नओवर इसके सबसे नज़दीकी मल्टीनेशनल प्रतिद्वंद्वी से 10 फीसदी ज्यादा है। कंपनी का लक्ष्य वित्त वर्ष 26 के अंत तक 1 लाख करोड़ रुपए का टर्नओवर छूने का है। अमूल न सिर्फ घरेलू बाजार में बल्कि इंटरनेशनल लेवल पर भी तेजी से अपने पांव पसार रहा है।

आज का राशिफल

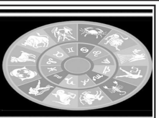

मेष- आज आप कुछ नए मित्र बनाने में कामयाब रहेंगे। राजनीति में कार्यरत लोगों को कोई बड़ी उपलब्धि हासिल हो सकती है। आपकी कुछ प्रभावशाली लोगों से मुलाकात होगी। आपको पढ़ाई-लिखाई को लेकर लापरवाही बिल्कुल नहीं करनी है। आपकी कोई पुरानी गलती से पर्दा उठ सकता है। माता-पिता की सेवा के लिए भी आप कुछ समय निकालेंगे। आपका कोई काम निपटने में समस्या आ सकती है और किसी से उधार का लेनदेन ना करें।

वृषभ- आज आपको भाग्य का पूरा लाभ मिलेगा। सरकारी योजना में आप इन्वेस्टमेंट थोड़ा सोच समझ करें, तो आपके लिए बेहतर रहने वाला है। आपको वाहनों के प्रयोग से सावधान रहना होगा और आप बेवजह किस बात को लेकर क्रोध न करें जीवनसाथी का सहयोग और सानिध्य आपको भरपूर मात्रा में मिलेगा। आपकी कोई मन की इच्छा पूरी हो सकती है। आप अपनी इनकम को बढ़ाने के सोर्स पर पूरा ध्यान देंगे।

मिथुन- आज का दिन आपके लिए सूझबूझ दिखाकर कामों को पूरा करने के लिए रहेगा। आप किसी काम को भाग्य के भरोसे न छोंड़े, तो आपका वह काम भी पूरा हो सकता है। आपको एक के बाद एक शुभ सूचना सुनने को मिलेगी। आपका कोई बड़ा लक्ष्य पूरा हो सकता है। आप किसी लंबी दूरी की यात्रा पर जाने की योजना बना सकते हैं।

कर्क- आज के दिन आपके मन में परस्पर सहयोग की भावना बनी रहेगी। आपको अपने आत्मविश्वास को मजबूत करके कामों को करना होगा। आप अपने डेली रूटीन को बनाए रखें और अपने आलस्य के कारण आप अपने कामों में कोई लापरवाही ना करें। यदि किसी यात्रा पर जाएं, तो उसमें आपको वाहनों का प्रयोग सावधानी से करना होगा।

सिंह- आज का दिन आपके लिए सकारात्मक परिणाम लेकर आएगा। आपको यदि कार्यक्षेत्र में कोई जिम्मेदारी मिलेगी, तो आप उसे समय से पूरा करने की कोशिश करेंगे। आपको अपने किसी संपत्ति संबंधित मामले में कानून के चक्कर काटने पड़ सकते हैं। आपकी कोई प्रिय वस्तु यदि खो गई थी, तो उसके आपको मिलने की पूरी संभावना है।

कन्या- आज का दिन आपके लिए मध्यम रूप से फलदायक रहने वाला है। आप आवेश में आकर कोई निवेश न करें। आप अपने खर्चों को लेकर बजट बनाकर चलेंगे, तो आपके लिए बेहतर रहेगा। आपकी निर्णय लेने की क्षमता बेहतर रहेगी। परिवार में किसी नए मेहमान का आगमन हो सकता है। आपकी धार्मिक कामों में काफी रुचि रहेगी। आप दान-पुण्य के कार्यों में भी अच्छा खासा धन लगाएंगे।

तुला- आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहने वाला है। आधुनिक विषयों में आपकी खूब रुचि रहेगी। आप अपनी कला और कौशल से अच्छा मुकाम हासिल कर सकते हैं। प्रतिस्पर्धा का भाव आपके मन में बना रहेगा। आपके विरोधी सक्रिय रहेंगे, जो आपको परेशान करने की कोशिश करेंगे। आपको किसी पुरानी गलती से सबक लेना होगा। आपको बड़ों की बातों को ध्यान देकर सुनना होगा। आपका किसी बात को लेकर मन परेशान रहेगा।

वृश्चिक- आज का दिन आपके लिए मौज-मस्ती से भरा रहने वाला है। आपकी दोस्तों से खूब पटेगी। व्यक्तिगत विषयों का आपको बढ़ावा मिलेगा। आप अपनी आय और व्यय में तालमेल बनकर चले, तो आपके लिए बेहतर रहने वाला है। आपकी आर्थिक स्थिति भी मजबूत होगी। पैतृक संपत्ति संबंधित मामले में आपको जीत मिलेगी। आपको भौतिक वस्तुओं की प्राप्ति हो सकती है। आप आवेश में आकर कोई निर्णय न लें।

धनु- आज का दिन आपके लिए सेहत के लिए लिहाज से कमजोर रहने वाला है। सेहत में उतार-चढ़ाव रहने से आप परेशान रहेंगे। आपको अपने आलस्य के कारण कामों में लापरवाही नहीं बरतनी है। आपको किसी पुरानी गलती से सबक लेना होगा। आपके बॉस आपके किए गए कामों से खुश रहेंगे और आपके सुझाव भी उनके खूब काम आएंगे। आपकी कुछ नई कोशिशे रंग लाएगी।

मकर- आज का दिन आपके लिए मिश्रित रूप से फलदायक रहने वाला है। परिवार में किसी शुभ और मांगलिक कार्यक्रम का आयोजन हो सकता है। भाई-बहनों की आपसे खूब पटेगी, लेकिन आपको कोई नुकसान होने से आपका मन परेशान रहेगा। आप किसी से मांगकर वाहन ना चलाएं, नहीं तो कोई दुर्घटना हो सकती है। रक्त संबंधी रिश्तो में मजबूती आएगी। आपके घर किसी अतिथि का आगमन हो सकता है। आपको किसी नए काम की शुरुआत करना अच्छा रहेगा।

कुंभ- आज का दिन आपके लिए तरक्की से आगे बढ़ने के लिए रहेगा। विद्यार्थी अपने कामों में कोई बदलाव कर सकते हैं। कार्यक्षेत्र में आपको कोई पुरस्कार मिलने से आपका मन खुश रहेगा। आपकी संतान आपकी उम्मीदों पर खरी उतरेगी। नौकरी की तलाश में इधर-उधर भटक रहे युवाओं को कोई बेहतर अवसर हाथ लगेगा। आपको किसी दूसरे के मामले में बेवजह बोलना भारी पड़ेगा। आप लोगों से काम से काम मतलब रखें, तो आपके लिए बेहतर रहेगा।

मीन- आज का दिन बिजनेस कर रहे लोगों के लिए सावधानी बरतने के लिए रहेगा। आप किसी बात को लेकर बहसबाजी में ना पड़ें। आपको पारिवारिक मामलों को धैर्य और साहस से निपटने की कोशिश करनी होगी। नई नौकरी के प्रयास आपके लिए बेहतर रहेंगे। किसी सरकारी काम में आपको उसके नीति नियमों पर पूरा ध्यान देना होगा, तो आप घूमने-फिरने की आप योजना बना सकते हैं। विद्यार्थियों को बौद्धिक और मानसिक बोझ से छुटकारा मिलेगा।

शब्दजाल - 7886

शब्द जाल में 10 योद्धाओं के नाम हैं, जिन्होंने महाभारत युद्ध लड़ा था. नाम उपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.

ची	दु	मे	रि	द्रो	णा	चा	र्य	न	प	क
न	र्यो	शा	प	इं	डो	भी	म	या	ड़	क
अ	ध	जा	स	र	ग	स	द	ह	प	न
जी	न	ल	पा	न	दू	स	न	ह	र्जु	ल
त	या	अ	सौ	न	जा	ला	न्यु	अ	प	दे
आ	यु	इ	मो	व	प	म	क	ह	यु	बां
ग	धि	ल	ह	च	भि	रि	पा	व	प	ग
र	ष्ठ	भा	त्क	अ	प	स	रा	ब्रा	वि	ला
क	र	टो	तें	व	न	क	र्ण	शा	जू	दे
र	घ	ल	प	व	सिं	ल	रु	अ	प	श
बां	स	ल	भी	ष्म	पि	ता	मा	ह	क	र

युधिष्ठर, घटोत्कच, अभिमन्यु, अर्जुन,भीम, दुर्योधन, भीष्म पितामाह, द्रोणाचार्य, कर्ण, दुशासन.

शब्दजाल - 7885 का हल

म	क	मु	ग	ल	दो	चो	र	म	ल	ध
लि	वि	ल	नी	ला	आ	का	श	ह	श	ड़
ल	अ	ल	म	दी	छ	स	आ	दे	ख	क
का	स	न	न	दि	वा	स	रा	ल	श	क
र	आ	दो	प	ल	ज	मे	तू	ग	झ	न
या	क	द	र	ढ़	व	उ	शी	ण	ल्ता	क
ती	या	ल	मी	गां	प	मो	व	सु	जू	बै
क	म	ऊ	रा	द	खा	क	या	ए	श	क
क	त	मे	प	र्द	गी	जि	री	औ	प	य
क	गॉ	ल	प	लि	र	त	ऐ	ओ	प	की
क	ड	रा	जा	जा	नी	स	व्य	ब	प	न

Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली - 6830

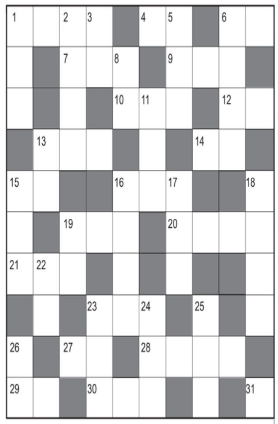

बायें से दायें:-

१. ऋषिकपूर, मनीषा की 'दिल की कही ना जाए' गीत वाली फिल्म-४
४. 'मैं नाचूँ बिन पायल' गीत वाली रितिक, करिश्मा, नेहा की फिल्म-२
६. कृतिका, सोनू की 'सुबह सुबह जब खिड़की' गीत वाली फिल्म-२
७. 'तेरी गलियों में ना' गीत वाली अनिल धवन, नीतूसिंह की फिल्म-३
९. फिल्म 'चोरी चोरी' में राजकपूर के साथ नायिका कौन थी-३
१०. फिल्म 'रणभूमि' में ऋषिकपूर के साथ नायिका कौन थी-३
१२. ऋषिकपूर, डिम्पल की 'मैं शायर तो नहीं' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'पिया तू अब तो आजा' गीत वाली फिल्म 'कारवाँ' का नायक-३
१४. प्रशांत, ऐश्वर्या की 'कोलंबस कोलंबस' गीत वाली फिल्म-२
१५. 'बाबा मेरी ये जवानी' गीत वाली मनोज वाजपेयी, तब्बू की फिल्म-२
१६. जैकी, जूही, अमृता की 'गोरिया रे गोरिया रे' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'दम भर जो उधर मुँह फेरे' गीत वाली राजकपूर, नर्गिस की फिल्म-३
२०. धर्मेन्द्र, हेमा की 'ए बी सी डी छोड़ो' गीत वाली फिल्म-२,२
२१. 'यादें' में रितिक की नायिका -३
२३. अमिताभ, मौसमी की 'यारा ओ यारा' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'मेरी जाँ प्यार करो' गीत वाली मिथुन, पद्मिनी, रंजीता की फिल्म-२
२८. शत्रुघ्न, मिथुन, हेमा, अनिल राज की 'बचके मेरी जान बचके' गीत वाली फिल्म-४
२९. 'कोई सोने के दिल वाला' गीत वाली देवआनंद, माला की फिल्म-२
३०. 'अगर जिंदगी हो तेरे संग हो' गीत वाली फिल्म-३
३१. 'चंदा ने दी चाँदनी' गीत वाली जीतेंद्र, जयाप्रदा की फिल्म-१

ऊपर से नीचे:-

१. 'हँसदे हँसदे' गीत वाली कमल हासन, रवीना, मनीषा की फिल्म-३
२. अमिताभ, शाहरूख, उदय चोपड़ा, ऐश्वर्या, किम शर्मा, प्रीति की फिल्म-४
३. 'आजा आजा गिव मी ए' गीत वाली सलमान, रेवती की फिल्म-२
५. 'दिल क्यों धड़कता है' गीतवाली फिल्म-३
६. 'सुनिये तो रूकिये तो' गीत वाली शाहरूख, जूही चावला की फिल्म-२,२
८. फिल्म 'सवेरे वाली गाड़ी' में नायक-२
११. मिथुन, आदित्य, रेखा की 'मेरा नाम बिल्लू' गीत वाली फिल्म-३
१३. 'अभी साँस लेने की' गीत वाली सलमान, सनी, करिश्मा की फिल्म-२
१५. सनी, मीनाक्षी, ममता की 'कोई जाए तो ले' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'मेरे सपनों की रानी' गीत वाली राजेश खन्ना, शर्मिला की फिल्म-४
१७. मिथुन, अतुल, पूजाभट्ट की 'तेरे बिन मैं कुछ' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'जीवन के सफर में राही' गीत वाली देवआनंद, नूतन की फिल्म-४
१९. 'कभी हाँ कभी ना' में सुचित्रा कृष्णामूर्ति के चरित्र का नाम-२
२२. 'सनम तेरी कसम' में नायिका कौन-२
२३. सनी, अमृता की 'तेरी तसवीर मिल गई' गीत वाली फिल्म-३
२४. 'प्यार कोई खेल नहीं' की नायिका-३
२५. 'रूके रूके से' गीत वाली फिल्म जिसमें संजीव, शर्मिला थे-३
२६. फिल्म 'संन्यासी' में नायिका कौन थी-२

फिल्म वर्ग पहेली - 6829

घ	गैं	दा	■	जा	लि	म	■	आ	■
र	■	मि	ल	न	■	न	सी	ह	त
■	स	नी	■	व	■	■	मा	■	र
खे	ल	■	नू	र	ज	हाँ	■	मा	ला
■	मा	धु	री	■	मी	■	आँ	सू	■
शा	न	■	■	औ	र	त	■	म	स्त
गि	■	दि	ल	■	■	श	खी	■	■
र्द	■	ल्ल	■	आ	र	जू	■	■	आ
■	स	गी	ना	■	वी	■	जा	गृ	ति
ह	त्या	■	ना	■	ना	गि	न	■	श

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 8354

बाएँ से दाएँ

1. अपनत्व, अपनाव-5
4. खाने लायक तैयार होना-3
6. गोंद, लाख-2
7. पति, शौहर-3
8. जंगल, अरण्य-3
10. उत्साह, ललक-2
11. प्रलय, आफत-3
12. ईश्वर, रब-4
15. वट वृक्ष-4
16. निर्माण(उर्दू-3)
17. धोखा, कपट-2
18. दृष्टि, निगाह-3
20. स्वदेश, मातृभूमि-3
22. एक पैसा-2
23. विजय, जीत-3
24. आत्मबलिदानी, साहसी-5

ऊपर से नीचे

1. उपद्रव की स्थिति, अशांति-5
2. लम्हा, क्षण-2
3. गिरावट, अवनति-3
4. मवाद-2
5. मरियल, दुर्बल-4
8. असरदार, प्रभावी-4
9. नाक छेदना-2,3
13. विदिर्ण, छिन्न भिन्न होना-4
14. मांग, अनुरोध-5
15. बलवा, गदर-4
19. विष, गरल-3
21. अस्तर, स्तर-2
22. देवदास की प्रेमिका-2

शब्द पहेली -8353 का हल

ती	[illegible]							
ब्र	[illegible]							
ता	[illegible]							
■	[illegible]							
प्र	ता	ड़	ना	■	स	र	ज	मीं
■	जो	■	त	र	ना	■	बा	■
बा	गी	■	■	सी	■	■	दी	न
य	■	ल	ची	ला	प	न	■	य
स	ना	त	न	■	र	स	खा	न

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

2 मई 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मेष में	वृष	06.13 बजे से
चंद्र	मिथुन में	मिथुन	08.11 बजे से
मंगल	कर्क में	कर्क	10.25 बजे से
बुध	मीन में	सिंह	12.41 बजे से
गुरु	वृष में	कन्या	14.53 बजे से
शुक्र	मीन में	तुला	17.03 बजे से
शनि	मीन में	वृश्चिक	19.18 ब.से
राहु	मीन में	धनु	21.34 बजे से
केतु	कन्या में	मकर	23.39 बजे से
राहुकाल		कुंभ	01.26 बजे से
10.30 से		मीन	02.59 बजे से
12.00 बजे तक		मेष	04.29 बजे से

शुक्रवार 2025 वर्ष का 122 वा दिन **दिशाशूल** पश्चिम **ऋतु** ग्रीष्म। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1946 **मास** वैशाख **पक्ष** शुक्ल **तिथि** पंचमी 09.15 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** आर्द्रा 13.04 बजे को समाप्त। **योग** सुकर्मा 05.39 बजे तदनन्तर धृति 03.20 बजे रात्र को समाप्त। **करण** बालव 09.15 बजे तदनन्तर कौलव 20.28 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 04.2 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 15° 23' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872332 **जूलियन दिन** 2460797.5 **कलियुग संवत्** 5125 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2551 **हिजरी सन्** 1446 **महीना** जिल्काद **तारीख** 03 **विशेष** स्कंद षष्ठी, शंकराचार्य जयंती, सूरदास जयंती, रामानुजाचार्य जयंती।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
चर	05.55 से	07.23 बजे तक	रोग	05.38 से	07.1 बजे तक
लाभ	07.23 से	08.51 बजे तक	काल	07.11 से	08.43 बजे तक
अमृत	08.51 से	10.19 बजे तक	लाभ	08.43 से	10.15 बजे तक
काल	10.19 से	11.47 बजे तक	उद्वेग	10.15 से	11.47 बजे तक
शुभ	11.47 से	01.15 बजे तक	शुभ	11.47 से	01.19 बजे तक
रोग	01.15 से	02.43 बजे तक	अमृत	01.19 से	02.51 बजे तक
उद्वेग	02.43 से	04.10 बजे तक	चर	02.51 से	04.23 बजे तक
चर	04.10 से	05.38 बजे तक	रोग	04.23 से	05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः अंतिम दीक्षा

एक बार महर्षि व्यास ने अपने पुत्र शुक को अंतिम दीक्षा के लिए राजा जनक के पास भेजा। शुक आए और राजभवन के द्वार पर निर्विकार भाव से खड़े हो गए। काफी देर बाद एक व्यक्ति ने एक आसन रख दिया। शुक उस पर बैठ गए। दो दिन तक बाहर ही बैठे रहे। किसी ने उनसे यह तक नहीं पूछा कि किससे मिलना है, क्या काम है। पर शुक इत्मीनान से बैठे रहे। तीसरे दिन एक मंत्री आया और उन्हें राजभवन के अंदर ले गया। वहां भी उन्हें कई दिनों तक अकेले रहना पड़ा। वहां उन्हें सभी राजसी सुख-सुविधाएं दी गईं तब भी उनके व्यवहार में कोई अंतर दिखाई नहीं दिया। जैसे पहले थे वैसे अब भी थे। अंत में एक मंत्री उन्हें राजा जनक के पास ले गया। जनक ने उन्हें पानी से लबालब एक कलश देते हुए कहा, 'इसे लेकर राजभवन के सात चक्कर लगाओ। ध्यान रखना कि एक बूंद भी छलकने न पाए।' शुक ने कलश लेकर राजभवन का चक्कर लगाया, फिर जनक के पास जाकर कहा, 'महाराज, आप के आदेशानुसार एक बूंद भी पानी नहीं छलका।' उनके चेहरे पर संतोष का भाव दिखाई दिया। जनक ने कलश लेते हुए कहा, 'बेटा, व्यास मुनि ने जिस दीक्षा के लिए तुम्हें भेजा है, वह पूरा हो गया है। तुम्हें अब और ज्ञान की आवश्यकता नहीं है।' शुक ने कहा, 'पर मैंने तो ऐसा कुछ किया ही नहीं जिससे आपको मेरा आकलन करने का अवसर मिलता।' जनक ने कहा, 'मैं एक सप्ताह से तुम्हारी परीक्षा ही ले रहा था। मैंने देखा कि दुख और सुख दोनों दशा में तुम्हारे अंदर किसी तरह का भाव उत्पन्न नहीं हुआ। तुमने अपने व्यवहार से सिद्ध कर दिया कि मोह-माया, क्रोध, लोभ, अहंकार और सुख-दुख आदि सभी विकारों पर तुमने विजय प्राप्त कर ली है। मन की एकाग्रता ही अंतिम दीक्षा है। मुझे विश्वास है कि तुम भी अपने पिता की तरह समाज की सेवा अच्छी तरह तरह करोगे।'

सूडोकू नवताल- 7139

★★★✯☆ मध्यम

		9		5		2		4
4	5				9	7	1	8
				7			5	3
	8	2	7		5			6
1	3			4			7	2
5			1		2	8	3	
8	4			9				
3	6	1	2				9	5
2		5		1		6		

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकू नवताल -7138 का हल

7	8	6	4	1	3	5	9	2
5	9	4	7	8	2	1	6	3
1	2	3	6	9	5	7	4	8
9	3	8	2	6	1	4	7	5
2	7	5	8	4	9	6	3	1
6	4	1	5	3	7	2	8	9
3	5	9	1	7	4	8	2	6
8	1	7	9	2	6	3	5	4
4	6	2	3	5	8	9	1	7

एनर्जी सेक्टर के इस शेयर पर पैसा लगाने की सलाह दे रहे

मुंबई । रिटेल निवेशकों का पंसदीदा सुजलॉन एनर्जी के शेयर करीब 4 महीनों में 60 रुपये के स्तर को पार कर चुके हैं। सुजलॉन एनर्जी इस साल 8 जनवरी और 7 जनवरी को 60 रुपये के स्तर पर बंद हुआ था।1 से 8 जनवरी तक छह सेशंस में से पांच में स्टॉक 60 रुपये या उससे ऊपर बंद हुआ था। हालांकि, इन दिनों इसमें फिर गिरावट है। बीते बुधवार को यह शेयर 56 रुपये पर पहुंच गया था।

बाजार जानकारों के मुताबिक, सुजलॉन रिन्यूएबल एनर्जी सेक्टर से मेरा पसंदीदा शेयर होगा। स्टॉक 55-58 रुपये की सीमा में समेकित हो रहा है। 62 रुपये सुजलॉन के लिए एक ब्रेकआउट स्तर होगा। यदि यह 62 रुपये से ऊपर बंद होता है, तब यह 75-78 रुपये के आगे के टारगेट को छू सकता है। एक अन्य जानकार ने कहा, एक आशाजनक अपट्रेंड रैली के बाद, शेयर में वर्तमान में उच्च स्तरों पर मुनाफावसूली देखी जा रही है। हालांकि, स्टॉक की अल्पकालिक बनावट सकारात्मक बनी हुई है। तकनीकी रूप से, 54 पर 50-दिवसीय एसएमए (सिंपल मूविंग एवरेज) व्यापारियों के लिए एक प्रमुख समर्थन क्षेत्र के रूप में कार्य करेगा। यदि स्टॉक इस स्तर से ऊपर व्यापार करने में सफल होता है, तो तेजी का रुख जारी रहने की संभावना है, संभावित रूप से 60-61 रुपये के स्तरों का पुनः परीक्षण किया जा सकता है।

सुजलॉन का शेयर बीते बुधवार को बीएसई पर 1.02 प्रतिशत की गिरावट के साथ 57.02 रुपये पर कारोबार कर रहा था। सुजलॉन एनर्जी के शेयरों का बीटा 1.3 है, जो एक साल में बहुत अधिक अस्थिरता दर्शाता है। सुजलॉन एनर्जी का शेयर 5 दिन, 10 दिन, 100 दिन, 150 दिन, 200 दिन की मूविंग एवरेज से कम पर कारोबार कर रहा है, लेकिन 20 दिन, 30 दिन और 50 दिन की मूविंग एवरेज से ऊपर है। फर्म ने तीसरे क्वाटर में शुद्ध लाभ में 91 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की और चालू वित्त वर्ष के तीसरे क्वाटर में शुद्ध लाभ में 96 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की।

एटीएम से पैसे निकालना हुआ महंगा

नई दिल्ली। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने 1 मई से लागू होने वाले नए एटीएम दिशा-निर्देशों की घोषणा की है, जिनके तहत एटीएम से पैसे निकालना अब पहले से महंगा हो गया है। नए नियमों के अनुसार, ग्राहकों को हर महीने केवल कुछ फ्री ट्रांजैक्शन की सुविधा मिलेगी, जिससे अतिरिक्त शुल्क से बचने के लिए सावधानी बरतने की आवश्यकता है। नए दिशा-निर्देशों के पालन में कई बड़े बैंकों ने अपने नियमों में बदलाव किए हैं, जिससे ग्राहकों को ध्यान देना होगा। यदि कोई ग्राहक तय सीमा से अधिक बार एटीएम का उपयोग करता है, तो उसे हर अतिरिक्त ट्रांजैक्शन पर 23 देने होंगे। पहले यह शुल्क 21 था, जिसे अब बढ़ा दिया गया है। इस बदलाव से बैंक ग्राहक अब हर महीने अपनी जरूरत के अनुसार ट्रांजैक्शन की योजना बनाने के लिए मजबूर होंगे। इस संबंध में कई बड़े बैंकों ने भी अपने नियमों में बदलाव की घोषणा की है। एचडीएफसी बैंक ने बताया है कि 1 मई 2025 से फ्री लिमिट पार होने के बाद हर कैश ट्रांजैक्शन पर 23 के साथ टैक्स भी वसूला जाएगा। हालांकि एचडीएफसी के अपने एटीएम पर गैर-फाइनेंशियल ट्रांजैक्शन जैसे बैलेंस जांच अब भी मुफ्त रहेंगे। वहीं, पंजाब नेशनल बैंक ने कहा है कि 9 मई से अन्य बैंकों के एटीएम पर तय सीमा से अधिक कैश ट्रांजैक्शन पर 23 और गैर-फाइनेंशियल ट्रांजैक्शन पर 11 रुपए वसूले जाएंगे। इंडसंड बैंक ने भी यही दरें घोषित की हैं, जो सभी प्रकार के खाताधारकों पर लागू होंगी।

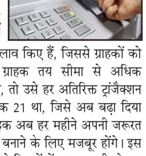

अप्रैल में अब तक का सबसे ज्यादा 2.37 लाख करोड़ जीएसटी कलेक्शन

नई दिल्ली। नए महीने की शुरुआत के साथ ही देश के लिए अच्छी खबर आई है. अप्रैल महीने के दौरान जीएसटी में शानदार बढ़ोतरी हुई है. इस बढ़ोतरी के साथ जीएसटी कलेक्शन रिकॉर्ड हाई लेवल पर पहुंच गया है. सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, अप्रैल में वस्तु एवं सेवा कर कलेक्शन साल-दर-साल 12.6 प्रतिशत बढकर 2.37 लाख करोड़ रुपये के रिकॉर्ड हाई लेवल पर पहुंच गया। इससे पहले सबसे ज्यादा जीएसटी कलेक्शन अप्रैल 2024 में हुआ था, जो 2.10 लाख करोड़ रुपये था। हालांकि अब ये रिकॉर्ड भी टूट चुका है। मार्च 2025 में यह कलेक्शन 1.96 लाख करोड़ रुपये था। घरेलू लेनदेन से जीएसटी राजस्व 10.7 प्रतिशत बढकर लगभग 1.9 लाख करोड़ रुपये हो गया, जबकि आयातित वस्तुओं से राजस्व 20.8 प्रतिशत बढकर 46,913 करोड़ रुपये हो गया है। जनवरी से मार्च तक कितना रहा जीएसटी कलेक्शन सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, मार्च में यह कलेक्शन 1.96 लाख करोड़ रुपये रहा, जो पिछले वर्ष की तुलना में 9.9 प्रतिशत की ग्रोथ है। फरवरी में जीएसटी कलेक्शन 1.83 लाख करोड़ रुपये रहा, जो साल-दर-साल 9.1 प्रतिशत की ग्रोथ रही। वहीं जनवरी में भी 1.96 लाख करोड़ रुपये जीएसटी कलेक्शन रहा, जो 12.3 प्रतिशत की ग्रोथ को दिखाता है। जीएसटी कलेक्शन में हर महीने बढ़ोतरी की बड़ी वजह देश में घरेलू मांग की बढ़ोतरी रही है। इन जगहों पर ज्यादा हुआ जीएसटी कलेक्शन लक्षद्वीप में जीएसटी कलेक्शन में 287 प्रतिशत की ग्रोथ हुई है. राज्यों में, अरुणाचल प्रदेश ने 66 प्रतिशत की ग्रोथ दर्ज की है, जबकि मेघालय और नागालैंड में क्रमशः 50 प्रतिशत और 42 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। हरियाणा, बिहार और गुजरात जैसे बड़े राज्यों ने भी दोहरे अंकों की ग्रोथ दर्ज की है। इसके विपरीत, आंध्र प्रदेश, त्रिपुरा और मिजोरम में गिरावट देखी गई, जिसमें मिजोरम में 28 प्रतिशत की सबसे बड़ी गिरावट देखी गई।

सी एम राइज बोलेगांव में 20 दिवसीय समर कैम्प का हुआ शुभारंभ

लांजी (पद्मेश न्यूज)। लांजी विकासखंड अंतर्गत सी एम राइज शास उच्च माध्यमिक विद्यालय बोलेगांव में मध्यप्रदेश शासन स्कूल शिक्षा विभाग लोक शिक्षण संचालनालय भोपाल के दिशा निर्देश अनुसार विगत दो वर्षों से विद्यालय में समर कैंप का आयोजन किया जा रहा हैं। वर्तमान सत्र में 1 मई से 20 मई 2025 तक विद्यालय बोलेगांव में समर कैंप का आयोजन किया गया है। जिसमें कक्षा तीसरी से बारहवी तक के छात्र छात्राएं 10 रुपए रजिस्ट्रेशन फीस के साथ कैंप से जुड़ सकते हैं। 01 मई 2025 तक 207 छात्र छात्राओं ने समर कैंप में रजिस्ट्रेशन करा कर सम्मिलित हुए। प्रथम वर्ग में कक्षा 3 से 8 तक(4 थीम्स के अंतर्गत) सोशल इमोशनल लर्निंग एक्टिविटी, मेडिटेशन एक्टीविटी, थिएटर एक्सप्रेशन, फोटोग्राफी लोककथाएँ एवं लोक कलाएँ , पारंपरिक नृत्य, क्षेत्रीय संगीत, हस्तकला, सांस्कृतिक प्रदर्शन, पारंपरिक खेलों की खोज, योग और ध्यान, थिएटर, पब्लिक स्पीकिंग, कविता और कहानियों की रचना, डिजिटल स्टोरीटेलिंग एवं कक्षा 9 से 12 तक(5 थीम्स के अंतर्गत) सोशल इमोशनल लर्निंग, ड्रॉइंग पपेंटिंग, सृजनात्मक लेखन, थिएटर, फोटोग्राफी, ड्रॉइंग पेंटिंग, सृजनात्मक लेख, खेल (इनडोर एंड आउटडोर) लीगल लिटरेसी, योग और ध्यान, लोक शिल्प निर्माण, वित्तीय साक्षरता, व्यवसाय मॉडल निर्माण, मार्केटिंग और ब्रांडिंग, डिजिटल टूल्स का उपयोग। (कंप्यूटर, सोशल साइट) प्रोजेक्ट बेस्ड लर्निंग, डिज़ाइन थिंकिंग, डिजिटल लिटरेसी, रोल-प्ले आधारित नागरिक शिक्षा है। समर कैंप जहाँ विद्यार्थी व्यक्तित्व और कौशल विकास की रोमांचक यात्रा पर निकलते हैं, जो उनको 21वीं सदी की चुनौतियों और अवसरों के लिए तैयार करने का एक सुनहरा अवसर प्रदान करता है। समर कैंप के दौरान विद्यार्थी सुरक्षित वातावरण मे सहज महसूस करते हुए, मौज-मस्ती करते हैं, जीवन और स्वयं के बारे में नई और दिलचस्प चीजें सीखते हैं, नए अनुभवों और चुनौतियों का सामना करने के लिए अपने शारीरिक और भावनात्मक कौशल को मजबूत करते हैं एवं अपने विचारों को व्यक्त करने और संवाद करने के कौशल विकसित करते हैं। आज की तेजी से बदलती दुनिया में, केवल विषय ज्ञान एवं पारंपरिक कौशल के अलावा 21वीं सदी उन योग्यताओं की मांग करती है जिसके माध्यम से नागरिक रचनात्मकता, सहयोग, संचार, अनुकूलता, और डिजिटल साक्षरता जैसे कौशल का उपयोग कर समझदारी से समस्याओं का हल निकालने, समूह में प्रभावी रूप से काम करने, विचारों को स्पष्ट रूप से व्यक्त करने और प्रौद्योगिकी को आत्मविश्वासपूर्वक उपयोग करने की क्षमताओं को विकसित कर सकें। यह समर कैंप विद्यार्थियों को न केवल रोचक गतिविधियों मे संलग्न करने के साथ-साथ विद्यार्थियों को महत्वपूर्ण कौशल विकास, सामाजिक जुड़ाव, विविधता एवं संस्कृति को प्रोत्साहित करने जैसे उद्देश्यों की परिकल्पना के साथ योजनाबद्ध किया गया है। समर कैंप में विद्यार्थियों को विविध थीम्स में भागीदारी का अवसर मिलेगा। तकनीकी पहलुओं के साथ-साथ 21वीं सदी के कौशलों पर ध्यान दिया जाएगा। समर कैंप को सामाजिक मुद्दों से जोड़कर एक व्यापक सीखने का अवसर बनाया जाएगा। समर कैंप 2025 के उद्देश्य - विद्यार्थियों को रचनात्मकता, सहयोग, संचार, अनुकूलता, टीमवर्क, समस्या समाधान, आपसी सामंजस्य, तार्किकता और नेतृत्व जैसे जीवन कौशल विकसित करने के लिए अवसर प्रदान करना। समाजिक, सांस्कृतिक जागरूकता, डिजिटल और वित्तीय साक्षरता को बढ़ावा देना। छात्रों को वास्तविक जीवन की समस्याओं को हल करने के लिए प्रेरित करना। समानुभूति, समता, करुणा भाव और आत्म-जागरूकता को बढ़ावा देना।

मुख्यमंत्री जन कल्याण योजना संबल अंतर्गत हितग्राहियों के खाते में राशि हुई हस्तांतरित

लांजी (पद्मेश न्यूज)। मध्य प्रदेश सरकार ने राज्य के असंगठित श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने के लिए वर्ष 2018 में मुख्यमंत्री जन कल्याण (संबल) योजना शुरू की। इस योजना का उद्देश्य श्रमिकों को विभिन्न प्रकार की सहायता प्रदान करना है, जिसमें वित्तीय सहायता अंतर्गत अंत्येष्टि सहायता, सामान्य मृत्यु सहायता, दुर्घटना मृत्यु सहायता, स्थायी विकलांगता सहायता प्रदान की जाती है। इसी के तहत 30 अप्रैल को नगर परिषद लांजी में मुख्यमंत्री जन कल्याण योजना (संबल)अंतर्गत हितग्राहियो को ई-भुगतान आदेश जारी कर संबल देने का कार्य किया गया। प्रदेश के मुखिया मोहन यादव द्वारा एक क्लिक के माध्यम से हितग्राहियो के खातो में राशि अंतरित की गई। जिसमें लांजी नगर परिषद के अंतर्गत 07 हितग्राही लाभान्वित हुए। जिसका वेबकास्ट के माध्यम से सीधा प्रसारण नगर परिषद लांजी प्रांगण में लाइव कार्यक्रम दिखाया गया।

उक्त कार्यक्रम में अध्यक्ष श्रीमती रेखा ताराचंद कालबेले एवं परिषद पदाधिकारी उपाध्यक्ष संदीप रामटेककर, किशोर रामटेककर, विजय गोस्वामी उपस्थित रहे। 30 अप्रैल को सभी हितग्राहियों के खाते में आन लाइन के माध्यम से राशि हस्तांतरित की गई। जिनमें मृतक 1. सेवाराम माधवी वार्ड 01 लांजी, 2, संतोष राउत वार्ड 02, 3. राजेश कुमार वार्ड 05, पुष्पलता चापडे, 5.श्यामलाल नागमारे वार्ड 08 ,6 किशोर भौंडेकर वार्ड 10 ,7. मोतीचंद कच्छवाहे वार्ड 15 सभी मृतक के परिवार को 2-2 लाख की अनुग्रह सहायता राशि प्रदाय की गई।

विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी डी आर गजबे को सेवा निवृत्ति पर दी बिदाई

लांजी (पद्मेश न्यूज)। विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी एवं कुम्हारीकला प्राचार्य डी आर गजबे को अपनी अधिवार्षिकी आयु पूर्ण कर सेवा निवृत्त होने पर 1 मई को विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी कार्यालय लांजी में बिदाई समारोह आयोजित कर बिदाई दी गई। बिदाई समारोह शिवेन्द्र उके बीआरसी लांजी, एम के अवसरे प्राचार्य शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मोहझरी, जैनेन्द्र बेदरे प्राचार्य शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय टेमनी की प्रमुख उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। सर्वप्रथम श्री गजबे को तिलक लगाकर व पुष्पमाला पहनाकर तथा शाल श्रीफल भेंट कर स्वागत किया गया। विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी कार्यालय का स्टाफ व शिक्षकों द्वारा उन्हें उपहार स्वरूप भेंट भी दी गई। इस अवसर पर बीआरसी शिवेन्द्र उके , प्राचार्य एम के अवसरे, प्राचार्य जैनेन्द्र बेदरे ने श्री गजबे जी के कार्यकाल की सराहना करते हुए अपने अनुभव को साझा किया। अंत में डी आर गजबे ने अपने सेवाकाल के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि उनकी प्रथम नियुक्ति 1 जुलाई 1986 को खैरलांजी गर्ल्स हायर सेकेण्डरी स्कूल में हुई, चार साल बाद जुलाई 1990 को बीएड करने जबलपुर चला गया। बीएड करने के बाद मई 1991को कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय लांजी में पदस्थ हुआ। इसके उपरांत फरवरी 1997 में पदोन्नति पर कन्या माध्यमिक शाला लांजी किले के पास प्रधानपाठक के रूप में पदस्थ हुआ। फरवरी 2000 में कारंजा चला गया, वहां 2007 तक रहा तथा वहां से पदोन्नत होकर अप्रैल 2007 में हाई स्कूल कालीमाटी में प्राचार्य के पद पर पदस्थ हुआ एवं वहां 2011 तक सेवाएं दीं। अगस्त 2011 में प्लस टू प्राचार्य के प्रमोशन में मुझे दमोह जिले में एक साल सेवाएं देने का मौका मिला, जून 2012 में भानेगांव में स्थानांतरित होकर आया एवं वहां तीन वर्ष सेवाएं दी। इसके बाद हायर सेकेण्डरी स्कूल कुम्हारीकला में स्थानांतरण हुआ जहां जुलाई 2015 से 30 अप्रैल 2025 तक सेवाएं दीं। इसी के साथ दिसम्बर 2022 से सेवा निवृत्ति तक विकास खण्ड शिक्षा अधिकारी के अतिरिक्त प्रभार पर रहा। आज जितने भी साथी बैठे हुए हैं सभी का बराबर साथ मिलता रहा है। जिससे मैं अपने कार्य को निष्ठा के साथ कर पाया हूं। इस अवसर पर एस के चौहान सहायक ग्रेड-2, बीआर रामटेके, श्रीमती नीरा घोरमारे, पी एल ध्रुव, हेमन्त मरठे, जी एस आसटकर, मिलिन्द्र कुमार रूसीकर, चेतन बागडे, भाऊराव भावे, एस एल घोरमारे, युवराज टेम्भरे, अरुण कुमार भिमटे, खिलेश डोहरे, श्रीमती कल्पना खोटेले, विनोद कुमार नेवारे, सुरेश कुमार सुलाखे, दादुराम रणदिवे, राजेंद्र धारणे, अनिश वैध, भृत्य मंगल वासनिक, रविप्रकाश बैस, श्रीमती राधिका वानखेडे आदि प्रमुख रूप से उपस्थित थे। कार्यक्रम का मंच संचालन लक्ष्मीकांत मड़ामे बीएसी द्वारा किया गया।

विश्व मजदूर दिवस पर न्यायधीश प्रीतम शाह ने श्रमदान कर दिया जल गंगा सवर्धन अभियान जागरूकता का सन्देश

लांजी (पद्मेश न्यूज)। सिविल न्यायालय लांजी के न्यायधीश प्रीतम शाह ने विश्व मजदुर दिवस के अवसर पर शासन के पर्यावरण संरक्षण हेतू चल रहे जल सर्वधन अभियान अन्तर्गत निर्माण कार्यों में सहभागिता किया व श्रमदान कर जल गंगा सवर्धन अभियान जागरूकता का सन्देश दिया। इस परिपेक्ष्य में 1 मई को सुबह 9 बजे जनपद पंचायत लांजी के अंतर्गत ग्राम पंचायत घोटी में रमेश पिता कोरक्या चौके के तालाब निर्माण स्थल पर उपस्थित श्रमिको के माध्यम से जल प्रबंधन एवं पर्यावरण को स्वच्छ रखने हेतु सन्देश दिया गया। साथ ही श्रमिकों के साथ श्रमदान भी किया गया। उक्त कार्यक्रम में न्यायाधीश प्रीतम शाह तहसील विधिक सेवा समिति सिविल कोर्ट लांजी, सरपंच श्रीचंद कामड़े, सचिव हेमेंद्र ऐरपुड़े, पंचायत समन्वयक अधिकारी लेखराम रामटेक्कर, जनपद सदस्य श्रीमति सरस्वती बारेकर, उपसरपंच राजेश्वर दांदरे, विजय कुमार भोंडेकर, न्यायालय कर्मचारी, न्यायालय के न्यायाधीश प्रीतम शाह ने ग्राम घोटी स्थित सिविल विधिक सेवा प्राधिकरण सेवा समिति लांजी द्वारा विश्व मजदुर पर न्यायपालिका एवं जनता के बीच समन्वय स्थापित किये जाने हेतु निति निर्देशो को अवगत कराया। पी.एल.वी. धीरज वाहने, श्रीमती हेमलता दशहरे, श्रीमति बिंदेश्वरी मुरकुटे एवं मेट राजन नागफासे, धनीराम चौके अन्य ग्रामीणजन उपस्थित रहें।

बेदखली आदेश के तहत तहसीलदार ने की अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही

किरनापुर (पद्मेश न्यूज)। तहसील क्षेत्र अंतर्गत ग्राम वारा मे बसंत पिता रेखलाल मस्करे जाति लोधी निवासी ग्राम वारा तहसील किरनापुर जिला बालाघाट (म.प्र.) द्वारा किए गए अवैध अतिक्रमण पर तहसीलदार किरनापुर पूर्णिमा भगत अपने अधीनस्थ अमले के साथ ग्राम वारा पहुंचकर अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही की गई। तत्संबंध मे जानकारी मे बताया गया कि न्यायालय तहसीलदार किरनापुर का पत्र कमांक/5229/ प्रवा.तह. / 2022 किरनापुर दिनांक 22.12.2022 एवम् न्यायालय तहसीलदार किरनापुर का बेदखली आदेश दिनांक 16.05.2023 एवम् न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) का पत्र कमांक/178/अ.वि.अ./री.-1/2024 किरनापुर दिनांक 27.06.2024 तथा न्यायालय तहसीलदार किरनापुर का बेदखली आदेश कमांक/1829/तह./अतिक्रमण/2024 किरनापुर दिनांक 10.10.2024 से आपको ग्राम वारा रा.नि.मं. किरनापुर में स्थित शासकीय आराजी खसरा कमांक 358 रकवा 0.166 हे. मद वृक्ष कुंज के अंश रकबा 0.004 हे. पर पक्का मकान निर्माण कर अनाधिकृत रूप से कब्जा किये जाने पर इस न्यायालय का राजस्व प्रकरण कमांक 0019/37-68/2022-23 में पारित आदेश दिनांक 05.07.2022 में अतिक्रमण करने का दोषी पाते हुए बेदखल किए जाने का आदेश पारित कर रू. 2000/- (दो हजार रूपये) का जुर्माने से दण्डित किया गया है। साथ ही आदेश प्राप्ति के सात दिवस के भीतर अधिरोपित धनराशि शासकीय कोष में संचित करते हुए चालान पेश करने शासकीय भूमि रिक्त करते हुए न्यायालय को सूचित करें। यह भी आदेश दिया गया है कि शासकीय भूमि खाली नहीं करने पर बलात हटाया जाएगा और उसमें आने वाला खर्चा भू-राजस्व की भांति वसूल किया जाएगा और बेदखली दिनांक से रू. 500/- प्रति दिन के हिसाब से अर्थदण्ड वसूला जायेगा तथा सिविल जेल की कार्यवाही हेतु वरिष्ठ न्यायालय की ओर प्रस्तावित किये का निर्देश दिया गया था। किन्तु आपके द्वारा न्यायालय के सभी आदेशों का उल्लंघन करते हुए हठधर्मितापूर्वक आज दिनांक तक अतिक्रमण नहीं हटाया गया है। जिस पर अनावेदक को आदेशित किया गया कि शासकीय भूमि से अपना अतिक्रमण दिनांक 27.04.2025 तक स्वयं हटा लेवे अन्यथा अतिक्रमण नहीं हटाने की दशा में दिनांक 28.04.2025 को 11.00 बजे प्रशासन द्वारा अनावेदक का अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई किए जाने के आदेश जारी किए गए थे। जिसके परिपालन मे 1 मई 2025 को अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही की गई। इस दौरान दोनो पक्षों सहित ग्राम पंचायत सदस्यो

29 हज यात्रियों को लगाए गए टीके

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। सीएमओ डा. परेश उपलप के मार्गदर्शन में जिले के अंजुमन उर्दू स्कूल में हज यात्रा के लिए जाने वाले सभी 31 हज यात्रियों में से 29 को टीके लगाए गए। इन टीको में मेनी गोकेकल डाइल्यूट, जेएसआई, औरल पोलियो वैक्सीन कार्य करते हुए स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। इस स्वास्थ्य शिविर में अर्बन नोडल अधिकारी डॉ. निशांत नंदागोली, डॉ. करिश्मा सिलहारे, संजय मानेश्वर, डीपी खरोले,दुर्गावती मेश्राम, अनीज फातिमा खान, बबिता मानेश्वर, अंजुम निषाद अली व अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड)
कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

मप्र में स्वास्थ्य सेवाएं वेंटिलेटर पर

- सरकार की योजनाएं नहीं हो पा रही सफल

भोपाल। मप्र सरकार स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। लेकिन योजनाएं सफल नहीं हो पा रही है। आलम यह है कि सरकार ने सार्वजनिक निजी भागीदारी (पीपीपी)पर भी जोर दिया है, लेकिन उसका असर होता नजर नहीं आ रहा है। जिससे स्वास्थ्य सेवाएं वेंटिलेटर पर हैं। ऐसे में बड़े जिलों को छोड़ दें तो अन्य जगह लोगों को बड़ी स्वास्थ्य सुविधाएं देना सरकार के लिए बड़ी चुनौती बन गया है। प्रदेश में कई सुविधाएं आउटसोर्स पर जा चुकी हैं। मेडिकल कालेज, जिला अस्पताल और सीएचसी-पीएचसी में जांच सुविधाएं आउटसोर्स पर हैं। वहीं प्रयोग के तौर पर कुछ सीएचसी, पीएचसी और सिविल अस्पताल को पीपीपी मोड पर संचालित करने के लिए सरकार निर्णय ले चुकी है।

जानकारों का कहना है कि बजट की कमी के चलते सरकार खुद सुविधाएं शुरू करने की जगह सार्वजनिक निजी भागीदारी (पीपीपी) माडल अपनाने पर जोर दे रही है। इसके बाद भी लोगों को राहत नहीं मिल पा रही है। इस संदर्भ में स्वास्थ्य अधिकार मंच मप्र के संयोजक अमूल्य निधि का कहना है कि देश में प्रदेश में कहीं भी आज तक पीपीपी माडल सफल नहीं रहा है। स्वास्थ्य अत्यावश्यक सेवा है। सरकार को खुद उपलब्ध कराना चाहिए। बीपीएल हो या एपीएल सभी को निश्शुल्क उपचार मिलना उसका अधिकार है। राजस्थान सहित कई राज्यों में सभी सेवाएं बिना शुल्क दी जा रही हैं। सरकार के प्रयास इस दिशा में सही होते तो शिशु मृत्यु दर, मातृ मृत्यु दर और अन्य सूचकांकों में प्रदेश की बुरी स्थिति नहीं होती। अन्य स्वास्थ्य सूचकांक भी नहीं सुधर रहे हैं। निजी निवेशक जितना कमा कर जा रहे हैं उतने से कई गुना कम में सरकार खुद सेवा दे सकती है।

सरकार का पीपीपी पर जोर

गौरतलब है कि इसी माह स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा और उसके दो दिन बाद पीएमश्री एयर एंबुलेंस सेवा की समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव खुद बोल चुके हैं कि जहां अस्पताल नहीं हैं, वहां पीपीपी से प्रयास किए जाएं। एक बैठक में उन्होंने यह भी कहा था कि जो अस्पताल हम नहीं चला पा रहे हैं, उन्हें पीपीपी से संचालित करना चाहिए। उधर, निजी निवेशकों को निवेश लाभ का धंधा नहीं लग रहा है, जिससे वे रुचि नहीं ले रहे हैं। इस तरह रोगियों को न तो पीपीपी से सुविधा मिल पा रही है न ही सरकार दे पा रहे हैं। हाल यह है कि कैंसर जैसी बीमारी के उपचार की भी पर्याप्त सुविधाएं सरकार रोगियों को नहीं दे पा रही है। कैंसर की सिकाई (रेडिएशन) के लिए लीनियर एक्सीलेरेटर (लीनैक) मशीन किसी भी सरकारी अस्पताल में नहीं है। लगभग पांच वर्ष पहले पीपीपी से यह मशीनें लगाने के लिए निविदा जारी की गई, जिसे बाद में रद कर दिया गया। इसके बाद अब सरकार ने खुद कुछ बड़े कालेजों में लीनैक लगाने के लिए टेंडर किया, पर उसे भी रद कर दिया गया। चिकित्सा शिक्षा विभाग पिछले आठ साल से यह सुविधा देने की योजना बना रहा है, पर रोगियों को लाभ आज तक नहीं मिला।

अस्पतालों में कई जरूरी सुविधाएं नहीं

प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाएं कैसी हैं इसका आकलन इसी से लगाया जा सकता है कि अस्पतालों में कई जरूरी सुविधाएं नहीं हैं। इनमें एमआरआई मशीन जरूरी है। हड्डी रोगों के अतिरिक्त कैंसर, हार्ट और फेफड़े की गंभीर बीमारियों में कई बार तुरंत एमआरआई जांच की आवश्यकता होती है। इंदौर, भोपाल जैसे कुछ बड़े मेडिकल कालेज छोड़ दें तो बाकी में एमआरआइ मशीन न तो सरकार ने लगाई न पीपीपी मोड में लगी। छोटे जिलों के अस्पतालों में मरीज कम होने से निजी निवेशक भी आगे नहीं आते। इंदौर, भोपाल में पीपीपी से मशीनें चल रही हैं तो यहां के लिए सरकार भी खरीद रही है। वहीं निजी मेडिकल कालेज ऐसी ही स्थिति पीपीपी से निजी कालेज खोलने की है। मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव ने 12 जिलों में पीपीपी से मेडिकल कालेज खोलने के निर्देश दिए हैं। नीति भी बन चुकी है। इसमें निवेशक को एक रुपये की लीज पर 25 एकड़ जमीन दी जाएगी। दो बार की निविदा में किसी निवेशक ने रुचि नहीं ली। अब तीसरी बार निविदा जारी की गई है जो दो मई को खुलेगी। इसमें सामने आएगा कि कालेज खोलने के लिए निवेशक रुचि ले रहे हैं या नहीं।

इस महीने 48 डिग्री के पार पहुंचेगा पारा

- मप्र में दोहरा मौसम...कहीं गर्मी, कहीं बारिश

भोपाल। मप्र में गर्मी के इस दौर में दोहरा मौसम देखने को मिल रहा है। कहीं गर्मी सारे रिकॉर्ड तोड़ रही है, वहीं कहीं बारिश हो रही है। वहीं मौसम विभाग का अनुमान है कि इस महीने पारा 48 डिग्री के पार पहुंच सकता है। मप्र में पिछले 24 घंटे के दौरान बारिश, आंधी वाला मौसम रहा। नीमच, मंदसौर, आगर-मालवा, उज्जैन, इंदौर, शाजापुर, राजगढ़, भोपाल, हरदा, रतलाम, खंडवा, देवास, सीहोर, अनूपपुर, डिंडौरी और नर्मदापुरम में हल्की बारिश हुई। तेज आंधी भी चली। शाजापुर में सबसे ज्यादा 73 किमी प्रतिघंटा की रफ्तार से आंधी चली। हरदा में इसकी रफ्तार 69 किमी, उज्जैन में 58 किमी, आगर-मालवा में 42 किमी, इंदौर में 65 किमी, नीमच-अनूपपुर में 45 किमी, सीहोर में 41 किमी, सिवनी में 36 किमी प्रतिघंटा रही।

मप्र में मई महीने में भीषण गर्मी पडऩे का ट्रेंड है। पिछले 10 साल के आंकड़ों पर नजर डालें तो राजस्थान और उत्तर प्रदेश बॉर्डर से जुड़े एमपी के जिलों में तापमान 48 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच चुका है। इस बार भी ऐसी ही गर्मी पड़ सकती है। हालांकि, मई के पहले सप्ताह में बारिश के साथ ओले गिर सकते हैं। आखिरी सप्ताह में सबसे ज्यादा तपिश होगी। साइक्लोनिक सर्कुलेशन के एक्टिव होने से अगले 24 घंटे में सतना, रीवा, मऊगंज, सीधी, सिंगरौली, मैहर, कटनी, उमरिया, शहडोल, अनूपपुर और डिंडोरी में हवा की रफ्तार 50 से 60 किमी प्रतिघंटा तक रह सकती है। भोपाल, इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर, जबलपुर, मुरैना, भिंड, दतिया, नीमच, मंदसौर, आगर-मालवा, राजगढ़, शाजापुर, धार, देवास, खरगोन, खंडवा, बुरहानपुर, हरदा, सीहोर, रायसेन, नर्मदापुरम, बैतूल, नरसिंहपुर, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, सिवनी, मंडला और बालाघाट में भी आंधी-बारिश का अलर्ट है।

मौसम विभाग के अनुसार, मध्यप्रदेश में मई के महीने में ही सबसे ज्यादा गर्मी पड़ती है। पिछले 10 साल का ट्रेंड देखें तो कई शहरों में पारा 47-48 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच चुका है। दिन में हीट वेव चलेगी तो रातें भी गर्म रहेंगी। मई में बारिश का भी ट्रेंड रहता है। इस बार मई की शुरुआत में ही मौसम बदला हुआ रहेगा।

हाईटेक होगी पुलिसियां जांच

भोपाल। मध्यप्रदेश में पुलिसियां जांच और भी हाईटेक होगी। प्रदेश में जल्द ही 25 हजार से अधिक जांच अधिकारियों को टैबलेट दिया जाएगा। इसके लिए पुलिस मुख्यालय ने टेंडर जारी किया है। बताया जा रहा है कि जल्द ही टैबलेट खरीदी की प्रक्रिया शुरू होगी। मप्र पुलिस अपराध की जांच को और प्रभावी और पारदर्शी बनाने की कवायद में जुटी हुई है। पुलिस विभाग अपने अधिकारियों और कर्मचारियों को आधुनिक तकनीक से लैस करने उन्हें टैबलेट देने की योजना बनाई है। प्रदेश में जल्द ही 25 हजार से ज्यादा विवेचना अधिकारियों को टैबलेट दिया जाएगा। पुलिस मुख्यालय ने टैबलेट खरीदी के लिए टेंडर जारी किया है। टैबलेट में नक्शा मौका, एफआईआर, गिरफ्तारी फॉर्म रियल टाइम भरे जा सकेंगे। अदालत में वर्चुअल पेशी होगी। तलाशी के

ईओडब्ल्यू के शिकंजे में फंसे पीडब्ल्यूडी के ईएनसी

- ब्लैकलिस्ट कंपनी को ठेका देने की शिकायत

भोपाल। लोक निर्माण विभाग के प्रभारी प्रमुख अभियंता केपीएस राणा और पीआईयू के प्रभारी प्रमुख अभियंता शालिगराम बघेल ईओडब्ल्यू के शिकंजे में फंस गए हैं। एजेंसी ने दोनों अधिकारियों के खिलाफ भ्रष्टाचार की जांच शुरू कर दी है। राणा पर आरोप हैं कि उन्होंने एनएचएआई में प्रभारी मुख्य अभियंता रहते ब्लैक लिस्टेड ठेकेदार को 38.39 करोड़ का ठेका दिलवाया, जबकि शालिगराज बघेल पर संयुक्त निविदाएं आमंत्रित करने के आरोप हैं। दोनों मामलों में ईओडब्ल्यू ने जांच शुरू कर दी है। मामला उजागर होने पर सरकार राणा को प्रमुख अभियंता पद से हटा भी सकती है।

बताया गया कि बीना टोल प्लाजा के निर्माण में काम नहीं करने के कारण राणा ने एनएचएआई में प्रभारी सीई रहते राजेंद्र सिंह किलेदार कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड को एक साल के लिए ब्लैक लिस्टेड किया था, लेकिन 13 दिन बाद ही उन्होंने राजेंद्र सिंह किलेदार कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड को 7.50 किलोमीटर आष्टा बायपास का 38.39 करोड़ रुपए का टेंडर दे दिया।

तत्कालीन ईएनसी की आपित्त भी दरकिनार

इस संबंध में लोनिवि के रिटायर्ड ईएनसी नरेंद्र कुमार ने आपत्ति जताते हुए पत्र लिखा था कि चयनित संविदाकार का पंजीयन 13 दिसंबर 2022 को निलंबित किए जाने के बाद इनकी दूसरी फाइनेंशियल बिड 17 दिसंबर 2022 को कैसे खोल दी। लेकिन जब यह मामला सामने आया, तब लोकसभा चुनाव की आचार संहिता प्रभावी थी, उसी दौरान दूसरी बार में ब्लैक लिस्टेड ठेकेदार का टेंडर स्वीकृत कर लिया गया।

कांग्रेस के आधे जिला अध्यक्षों की कुर्सी खतरे में

- खाली जिलों में एक सप्ताह में होगी घोषणा

भोपाल। मप्र में कांग्रेस बड़े बदलाव की तैयारी में जुटी हुई है। पार्टी के सूत्रों के अनुसार जिलाध्यक्षों का रिपोर्ट कार्ड खंगला जा रहा है। रिपोर्ट कार्ड ही उनका सियासी भविष्य तय करेगा। प्रारंभिक रिपोर्ट के मुताबिक 50 फीसदी जिलों में बदलाव होना तय है। वहीं नए की तलाश भी शुरू हो गई है। लेकिन कांग्रेस का पहला फोकस उन जिलों पर है जहां जिलाध्यक्ष की कुर्सी खाली है। बताया जा रहा है कि पार्टी इस महीने उन जिलों में अध्यक्षों की नियुक्ति कर देगी, जहां अध्यक्ष नहीं हैं। बता दें कि मप्र में कांग्रेस के अभी 80 संगठनात्मक जिला और 800 संगठनात्मक ब्लॉक अध्यक्ष के पद हैं। इनमें से 50 फीसदी जिला अध्यक्षों को बदलने की तैयारी है। कांग्रेस ने जिलाध्यक्ष के लिए 60 वर्ष और ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष के लिए 45 साल की उम्र लगभग तय कर दी है।

मप्र कांग्रेस कमेटी द्वारा करीब दो महीने से जिला और ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष की नए सिरे से नियुक्ति करने की कवायद की जा रही है। माना जा रहा था कि लगभग 50 फीसदी जिलों में कांग्रेस अपने जिलाध्यक्ष बदल देगी। लेकिन अब जानकारी निकलकर सामने आ रही है कि अभी केवल पांच जिलों में ही अध्यक्ष की नियुक्ति की जाएगी। बाकी जिलों की घोषणा जून माह के बाद होगी। जिन पांच जिलों में घोषणा होगी, उनमें खंडवा के शहर और ग्रामीण, रतलाम ग्रामीण, कटनी और रायसेन जिला शामिल है। इन पांच जिले में मई माह में अध्यक्ष की नियुक्ति करने की तैयारी है। पांच ही जिलों के लिए तीन-तीन नाम की पैनल बना ली गई है। संगठन से जुड़े अधिकारियों ने बताया कि बाकी जिलों की घोषणा जून के बाद होगी। फिलहाल पार्टी का फोकस 40 दिनी अभियान पर है, जिसके तहत मप्र की प्रत्येक विधानसभा में घर-घर संपर्क अभियान चलाया जा रहा है।

जिलाध्यक्षों का बनाया जाएगा पावरफुल

दरअसल, अहमदावाद अधिवेशन में जिलाध्यक्षों के मामले में अहम प्रस्ताव पारित हुआ था। इसके तहत उन्हें पावरफुल बनाया जाना है। यानी जिला स्तर के फैसले इनकी मर्जी से होंगे। चुनाव में उम्मीदवार तय करने में भी भूमिका होगी। प्रस्ताव को संपूर्ण नियमावली के साथ संगठनात्मक ढांचा मजबूत बनाने सभी प्रतिनिधियों के समक्ष रखा जाएगा। ऐसे में जिला स्तर पर फेरबदल तय है। जिलाध्यक्षों से लेकर ब्लॉकों में नए पदाधिकारी नियुक्त होंगे। ग्रामीण जिलाध्यक्ष भी बदलेंगे। जिले के संगठनात्मक स्तर पर कई बदलाव होंगे। ऐसे कार्यकर्ता जो लंबे समय से पार्टी के लिए समर्पित भाव से कार्य कर रहे हैं, उन्हें नई और अहम जिमेदारियां दी जाएंगी। युवा, उर्जावान लोगों को अवसर दिया जाएगा। शहर व जिले के लगभग सभी ब्लॉक में नए अध्यक्ष नियुक्त करने की तैयारी है। अप्रेल अंत या मई की शुरुआत में परिवर्तन हो सकता है। इसी तरह कांग्रेस अब राज्य सरकार पर और आक्रामक होगी। इसके लिए कार्यक्रम तैयार हो रहे हैं।

दिल्ली से नियुक्त होंगे ऑब्जर्वर

कांग्रेस के सूत्र बताते हैं कि गुजरात में जिस तरह जिला अध्यक्षों के चयन की प्रक्रिया शुरू हुई है, मप्र में भी उसी पैटर्न पर जिला अध्यक्षों के नाम खोजे जाएंगे। मप्र के सभी 55 जिलों में एआईसीसी की ओर से हर जिले के लिए एक ऑब्जर्वर नियुक्त किया जा सकता है। एमपी कांग्रेस की ओर से भी ऑब्जर्वर जिला अध्यक्ष के नाम खोजने में मदद करेंगे। हर जिले में पार्टी अध्यक्ष चुनने के लिए पांच सदस्यों की समिति बनाई जाएगी। इसमें एक केंद्रीय और चार राज्य स्तरीय पर्यवेक्षक शामिल होंगे। ये समितियां अपने-अपने जिले का दौरा करेंगी और जिलाध्यक्ष के चयन से पहले स्थानीय नेताओं और पार्टी कार्यकर्ताओं से बातचीत करेंगी। गुजरात में पूरी प्रक्रिया 45 दिनों में पूरी हो जाएगी। मप्र कांग्रेस के संगठन प्रभारी संजय कामले ने बताया कि अहमदाबाद में कांग्रेस पार्टी के संगठन में एक बड़ा परिवर्तन आया है। नई व्यवस्था में पार्टी जिला अध्यक्षों के माध्यम से काम करना शुरू करेगी। गुजरात में इसका पायलट प्रोजेक्ट चल रहा है। बहुत सारे ऑब्जर्वर वहां गए हैं। जिला अध्यक्षों के चयन की एक नई प्रक्रिया सामने आई है।

जंगल में तेंदूपत्ता ठेकेदार नहीं ले जा सकेंगे कैश

भोपाल। देश में इस समय नक्सलियों के खिलाफ निर्णायक लड़ाई चल रही है। मप्र और छत्तीसगढ़ सहित अन्य राज्य मिलकर नक्सलियों के खिलाफ अभियान चला रहे हैं। मप्र में पुलिस ने नक्सलियों की इस कदर घेराबंदी की है कि वे घने जंगलों में छिपे बैठे हैं। ऐसे में नक्सलियों का दाना-पानी बंद करने के लिए खास प्लान बनाया गया है। इस प्लान के तहत नक्सलियों के फंडिंग को रोकने के लिए तेंदूपत्ता ठेकेदारों को निर्देश दिया गया है कि वे जंगल में कैश लेकर नहीं जाएं।

गौरतलब है कि मप्र में बालाघाट सबसे नक्सल प्रभावित जिला है। ऐसे में बालाघाट पुलिस ने तेंदूपत्ता सीजन में नक्सलियों के फंडिंग रोकने के लिए विशेष प्लान बनाया है। अब ठेकेदार पुलिस को सूचना दिए बगैर जंगल में कैश और वाहन नहीं ले जा सकेंगे।

नक्सली करते हैं अवैध वसूली

दरअसल, बालाघाट जिले में इस बार 21 ठेकेदार और 58 से अधिक तेंदूपत्ता समितियां काम करेंगी। करीब 720 फड़ों में तुड़ाई और संग्रहण का काम होगा। पुलिस ने 250 तेंदूपत्ता फड़ को नक्सल प्रभावित संवेदनशील श्रेणी में शामिल किया है। नक्सली तेंदूपत्ता के सीजन में अवैध वसूली करते हैं। लेकिन इस पर अंकुश लगाने के लिए बालाघाट पुलिस-प्रशासन ने 2026 नक्सली सफाए अभियान के अंतर्गत विशेष कार्य योजना बनाई है। बता दें कि बालाघाट के दक्षिण और उत्तर सामान्य वनमंडल में तेंदूपत्ता तुड़ाई और संग्रहण का काम होता है। इस काम से स्थानीय आदिवासियों और ग्रामीणों को रोजगार मिलता है। शासन के निर्देश पर मजदूरों को बोनस भी दिया जाता है। बालाघाट का तेंदूपत्ता अच्छी क्वालिटी का होने से महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़ और अन्य राज्यों के ठेकेदार वहां आते हैं।

इस हफ्ते आएगा एमपी बोर्ड का रिजल्ट

भोपाल। मप्र माध्यमिक शिक्षा मंडल की बोर्ड परीक्षाओं के परिणामों का छात्र बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। आपको बता दें कि अब यह इंतजार जल्द ही पूरा होने वाला है। मई के पहले सप्ताह में रिजल्ट जारी होने वाला है। इस बात का निर्देश खुद राज्य के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अधिकारियों को दिए हैं।

मूल्यांकन कार्य पूरा हो चुका है। बता दें कि इस बार मूल्यांकन केंद्र मालव कन्या उमावि में 10वीं और 12वीं की कुल 3 लाख 4 हजार 511 कॉपियां जांच के लिए अन्य जिलों से आई थीं। 13 मार्च 2025 से परीक्षा मूल्यांकन का कार्य शुरू हुआ था। इस बार मूल्यांकन कार्य 25 अप्रैल तक पूरा होना था, जिसको चार दिन पहले ही पूरा कर लिया। राज्य शिक्षा केंद्र ने निर्देश जारी किए कि अगर संशोधित प्राप्तांकों की एंट्री पोर्टल पर अपलोड नहीं की तो मूल्यांकन अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

उत्तरपुस्तिकाओं को जांचने का काम पूरा

अधिकारियों ने बताया कि उत्तरपुस्तिकाओं को जांचने का काम पूरा हो गया है। सभी जिलों में समन्वयक केंद्रों पर मूल्यांकन कार्य पूरा हो चुका है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने विभाग के अधिकारियों को परीक्षा परिणाम मई के पहले सप्ताह में जारी करने के निर्देश दिए हैं। वहीं निर्देश के अनुसार 5वीं और 8वीं के परीक्षा परिणाम की घोषणा के बाद तीन अप्रैल से परीक्षा पोर्टल पर पुनर्गणना की सुविधा लाइव की जा चुकी है। पुनर्गणना के लिए विद्यालय के माध्यम से विद्यार्थियों के पुनर्गणना के आवेदन पोर्टल पर पंजीकृत किए जा रहे हैं। विद्यालयों से कहा गया है कि पोर्टल पर लाग इन कर पुनर्गणना विंडो को ओपन कर 5वीं और 8वीं का चयन किया जा सकता है।

मुस्लिम समाज ने पाकिस्तान का झंडा फाड़ा, पैरों से रौंदा

भोपाल। पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भोपाल में पाकिस्तान के खिलाफ लगातार विरोध-प्रदर्शन हो रहे हैं। मुस्लिम युवा और महिलाएं गुरुवार को एकजुट होकर कलेक्टर कार्यालय पहुंचीं। समाज के प्रतिनिधियों ने कलेक्टर को ज्ञापन सौंपते हुए बॉर्डर पर जाकर भारतीय सेना के साथ काम करने की अनुमति मांगी। इस संबंध में जिला कलेक्टर को समाज के लोगों के नाम और मोबाइल नंबरों की सूची भी सौंपी गई। युवाओं ने कहा कि आतंकवाद की इस कायराना हरकत को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। विरोध स्वरूप मुस्लिम समाज के लोगों ने पाकिस्तान का झंडा फाड़ा और पैरों तले रौंदा। वार्ड 41 के पार्षद मोहम्मद रेहान के नेतृत्व में मुस्लिम समाज के लोग कलेक्टर कार्यालय पहुंचे। इस दौरान लोगों ने भारत माता की जय और पाकिस्तान मुर्दाबाद के नारे लगाए। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि अब समय आ गया है जब देश का मुस्लिम समाज भी दुश्मनों को करारा जवाब देगा। पार्षद मोहम्मद रेहान ने कहा कि हम कलेक्टर महोदय से मांग करने आए हैं कि भारत सरकार जिस प्रकार सेना को 'फ्री हैंड' देती है, उसी प्रकार भोपाल के मुस्लिम युवाओं को भी मौका दिया जाए।

मप्र में आग की चपेट में नेशनल पार्क

4 टाइगर रिजर्व क्षेत्र में भी घुसी आग : भोपाल, ग्वालियर जैसे महानगरों के पास धधक रहे जंगल

भोपाल। प्रदेश पिछले एक महीने से लगातार जंगलों में आग की घटनाएं सामने आ रही हैं। अभी तक दो दर्जन से ज्यादा जिलों में वन क्षेत्र में आग की घटना हो चुकी है। भोपाल, ग्वालियर, जबलपुर जैसे महानगरों से सटे जंगलों में अभी भी आग धधक रही है। विभाग के अनुमान के अनुसार करीब 1 लाख हेक्टेयर वन क्षेत्र आग की चपेट में आया है। खास बात यह है कि अभी तक जंगल की आग से 4 बाघ अभयारण्य क्षेत्र भी चपेट में आ चुके हैं। जिससे वन संपदा के अलावा वन्य जीवों के लिए भी खतरा बढ़ गया है।

प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों से वनों में आग की सूचनाएं मार्च के आखिरी से आने लगीं थी, जो अब बढ़ गईं। जिन जिलों में घने जंगल है, वहां वनों में लगातार आग लग रही हैं। जंगल की इस आग के बीच आबादी क्षेत्र से सटे जंगल में हाईवे किनारे जंगल की आग को विभाग भी संदिग्ध मान रहा है। शिवपुरी में सतनबाड़ा रेंज क्षेत्र के जंगल में पिछले एक महीने से लगी आग पर विभाग के अपर मुख्य सचिव अशोक वर्णवाल ने संज्ञान लेकर विशेष दल भेजा है। जबकि शहडोल के जैतपुर में पिछले दिनों से जंगलों की आग का जायजा लेन वन राज्यमंत्री दिलीप अहिरवार खुद पहुंचे।

ये टाइगर रिजर्स आग की चपेट में

भोपाल- पिछले हफ्ते राजधानी भोपाल के कलियासोत बांध के ऊपर बाघ अभयारण्य क्षेत्र में कई एकड् जंगल में आग लगी। इस क्षेत्र में माफिया भी सक्रिय है। वन विभाग ने आग बुझा ली, साथ ही आगजनी के पीछे माफिया का हाथ भी तलाश जा रहा है।

सीधी- संजय गांधी राष्ट्रीय उद्यान भी आग की चपेट में आ चुका है। पिछले दिनों बड़ी संख्या में आग लगी। अभी भी सीधी के जंगलों में आग लग रही है।

शिवपुरी- माधव राष्ट्रीय उद्यान को पिछले महीने ही बाघ अभयाण्य का दर्जा मिला है। सतनबाड़ा रेंज में पिछले एक महीने से अलग-अलग हिस्से में आग धधक रही है। वन प्राणियों पर खतरा बरकरार है। राष्ट्रीय उद्यान क्षेत्र से खैर की लकड़ी को माफिया काट रहा है।

ग्वालियर- यूं तो शिवपुरी से ग्वालियर के बीच कई किलोमीटर तक दोनों ओर जंगल धधक दिखाई दे रहा है। ग्वालियर के घाटीगांव क्षेत्र में सोनचिरैया अभयारण्य भी आग की चपेट में है। ग्वालियर के आसपास की पहाड़ियां आग से खाक हो गई हैं। अभी जंगल जल रहे हैं।

पन्ना- बाघ अभयारण का बफर जोन भी आग की चेपट में आ चुका है। विश्रामगंज क्षेत्र में आग लगी।

शहडोल- हाल ही में पपौधा क्षेत्र, जैतपुर वन क्षेत्र में बड़े स्तर पर आग लगी। बांधवगढ् राष्ट्रीय उद्यान के हिस्सा भी आग की चपेट में आया।

इन जिलों में भी जला जंगल

प्रदेश के घने जंगल वाले जिले बैतूल की, हरदा, बुरहानपर, निवाड़ी, छतरपुर, टीकमगढ़, अनूपपुर की मैकल पहाड़ी, दमोह की पाटना वीट, खंडवा, बड़वानी, श्योपुर, कटनी रीठी वन परिक्षेत्र, सागर जैसीनगर क्षेत्र आग की चपेट में आ चुका है।

फर्जी मार्कशीट मामले में मुरैना महापौर को राहत

कोर्ट ने कहा- आम जनता का केस से लेना-देना नहीं

भोपाल। मुरैना में कांग्रेस छोड़ भाजपा में शामिल हुई महापौर शारदा सोलंकी को उच्च न्यायालय से बड़ी राहत मिल गई है। उनकी 10 वीं की फर्जी अंकसूची मामले में उच्च न्यायालय ग्वालियर की खण्डपीठ ने याचिका को खारिज कर दिया है। कोर्ट ने कहा कि उससे आम जनता को कोई लेना-देना नहीं है।

भाजपा की मेयर पद की दावेदार रही मीना जाटव ने शारदा सोलंकी के खिलाफ न्यायालय में परिवाद दायर किया था। इसमें उन्होंने कहा शारदा सोलंकी की 10 वीं की अंकसूची को फर्जी बताया था। साथ ही चुनाव घोषणा पत्र में उनके न्यू हाउसिंग बोर्ड में निवास की जानकारी को गलत कहा था। यह याचिका मुरैना जिला न्यायालय में दायर की गई थी। मुरैना जिला न्यायालय ने उस याचिका पर गौर करते हुए मुरैना कोतवाली पुलिस को आदेश जारी किया था कि शारदा सोलंकी को गिरफ्तार किया जाए।

खारिज की याचिका

इस याचिका को चुनौती देते हुए महापौर शारदा सोलंकी ने उच्च न्यायालय की ग्वालियर खण्डपीठ में याचिका लगाई थी। इसके बाद उच्च न्यायालय ने मुरैना जिला न्यायालय के आदेश को गलत ठहराते हुए महापौर शारदा सोलंकी के खिलाफ लगाई याचिका को खारिज कर दिया है।

चर्चा में रहीं शारदा सोलंकी

महापौर शारदा सोलंकी जब से महापौर का चुनाव लड़ी हैं तभी से चर्चा में रही हैं। पहले वह फर्जी मार्कशीट तथा उससे उपजी उनकी महापौर पद के उम्मीदवारी को लेकर चर्चा रही। उसके बाद वे कांग्रेस छोडक़र भाजपा का दामन थामने को लेकर चर्चा में रहीं।

आज गुजरात और हैदराबाद में होगी टक्कर

अहमदाबाद। आईपीएल में शुक्रवार को गुजरात टाइटंस अपने घरेलू मैदान पर सनराइजर्स हैदराबाद का मुकाबला करेगी। गुजरात का लक्ष्य अपने घरेलू मैदान पर जीत के साथ ही पिछले मैच में मिली हार से उबरकर प्लेऑफ की अपनी दावेदारी मजबूत करना रहेगा। पिछले मैच में 14 साल के वैभव सूर्यवंशी की तूफानी बल्लेबाजी के कारण उसे राजस्थान रॉयल्स के हाथों हार का सामना करना पड़ा था। गुजरात की टीम का प्रदर्शन इस सत्र में अब तक काफी अच्छा रहा है, ऐसे में अब वह सनराइजर्स के खिलाफ मैच में जीत की प्रबल दावेदार है। दूसरी ओर सनराइजर्स हैदराबाद की टीम इस सत्र में बल्लेबाजी और गेंदबाजी हर क्षेत्र में उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पायी है। ऐसे में उसे इस मैच में जीत के लिए सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। सनराइजर्स सनराइजर्स की राह इसलिए भी कठिन नजर आती है क्योंकि उसकी ताकत बल्लेबाजी है जिसमें ही वह अब तक अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पायी है। वहीं गुजरात ने अब तक अच्छी बल्लेजी और गेंदबाजी की है। उसके पास शुभमन गिर और साई सुदर्शन जैसे बल्लेबाज हैं। सुदर्शन ने इस सत्र में अब तक सबसे अधिक रन बनाये हैं।

गुजरात टीम नौ मैचों में छह जीत के साथ 12 अंक लेकर चौथे स्थान पर है। उसे बाकी पांच मैचों में से सिर्फ दो जीतने होंगे जिससे की प्लेआफ में पहुंचने के लिए उसे 16 अंक मिल जायें। गुजरात के सुदर्शन ने अब तक पांच अर्धशतक समेत 456 रन बनाये हैं। वहीं शुभमन ने 389 और जोस बटलर ने 406 रन बनाए हैं।

गेंदबाजी में गुजरात के पास प्रसिद्ध कृष्णा, मोहम्मद सिराज और ईशांत शर्मा जैसे तेज गेंदबाज हैं। कृष्णा ने इस स्त्रत में अब तक सबसे अधिक विकेट लिए हैं और उनका सामना करना सनराइजर्स के लिए आसान नहीं रहेगा।

उसके पास स्पिनर के तौर पर राशिद खान और वॉशिंगटन सुंदर जैसे गेंदबाज हैं जबकि सनराइजर्स अब तक नौ में से सिर्फ तीन मैच जीतकर तालिका में नौवे स्थान पर है। एक और हार से वह प्लेआफ से बाहर होगी। सनराइजर्स के लिए अभिषेक शर्मा और ट्रेविस हेड ने अब तक अच्छा प्रदर्शन किया है पर इनमें निरंतरता की कमी रही है। शीर्षक्रम के विफल होने से मध्यक्रम पर दबाव बना है जिससे हेनरिक क्लासेन, नीतिश कुमार रेड्डी और ईशान किशन रन नहीं बना पा रहे।

पिछले दो मैचों में अभिषेक दो अंक तक भी नहीं पहुंच सके जबकि हेड ने 8 पारियों में सिर्फ एक अर्धशतक लगाया है। गेंदबाजी की बात करें तो कप्तान पैट कमिंस और मोहम्मद शमी जैसे अनुभवी तेज गेंदबाज भी विफल रहे हैं। अब तक केवल पे हर्षल पटेल ने ही प्रभावित किया है। कुल मिलाकर देखा जाये तो इस मैच में गुजरात का पलड़ा भारी नजर

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं =

सनराइजर्स हैदराबाद = पैट कमिंस (कप्तान), ईशान किशन (विकेटकीपर), अथर्व तायदे, अभिनव मनोहर, अनिकेत वर्मा, सचिन बेबी, स्मरण रविचंद्रन, हेनरिक क्लासेन (विकेटकीपर), ट्रैविस हेड, हर्षल पटेल, कामिंडु मेंडिस, वियान मुल्डर, अभिषेक शर्मा, नितीश कुमार रेड्डी, मोहम्मद शमी, राहुल चाहर, सिमरजीत सिंह, जीशान अंसारी, जयदेव उनादकट, ईशान मलिंगा।

गुजरात टाइटंस = शुभमन गिल (कप्तान), जोस बटलर (विकेटकीपर), बी साई सुदर्शन, शाहरुख खान, शेरफेन रदरफोर्ड, राहुल तेवतिया, राशिद खान, कैगिसो रबाडा, रविश्रीनिवासन साई किशोर, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, ईशांत शर्मा, वाशिंगटन सुंदर, ग्लेन फिलिप्स, अनुज रावत, महिपाल लोमरोर, अरशद खान, जयंत यादव, निशांत सिंधु, कुलवंत खेजरोलिया, गेराल्ड कोएट्जी, मानव सुथार, कुमार कुशाग्र, गुरनूर बराड़ और करीम जनत।

आईपीएल प्लेऑफ की दौड़ में सबसे आगे हैं ये चार टीमें

मुम्बई । इंडियन प्रीमियर लीग आईपीएल के 18 सत्र में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलुर (आरसीबी), पंजाब किंग्स , गुजरात टाइटंस और मुम्बई इंडियंस प्लेऑफ की दौड़ में शामिल हुई शीर्ष चार टीमें हैं।

आरसीबी –रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने अब तक 10 में से 7 मैच 14 अंक हासिल किये हैं। आरसीबी की नजरें प्लेऑफ का टिकट हासिल कर शीर्ष-2 में बने रहने पर होगी ताकि उन्हें फाइनल में पहुंचने के लिए दो मौके मिले। टीम के अब 4 मैच बाकी है, एक से ज्यादा जीत से वह प्लेऑफ में पहुंच सकेगीदेगी। वहीं टीम 3 मैच जीतकर शीर्ष-2 में रहना चाहेगी।

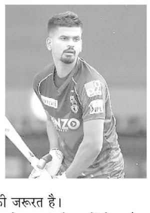

पंजाब किंग्स- श्रेयस अय्यर की पंजाब किंग्स 10 में से 6 मैच जीती है, केकेआर के खिलाफ उनका एक मैच बारिश के कारण नहीं हो पाया था। उसके अब तक 13 अंक है। दाके अब प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई करने के लिए 2 और मैच जीतने होंगे जिससे कि उसके 16 अंक से ऊपर हो जाएं। वहीं टॉप-2 में बने रहने के लिए उन्हें तीन मैच जीतने की जरूरत है।

मुंबई इंडियंस- खराब शुरुआत से उबरते हुए मुंबई 10 में से 6 मैच जीतकर अंक तालिका में अभी तीसरे स्थान पर है, उसने 6 में से लगातार 5 मैच जीते हैं। उसके 16 अंक तक पहुंचने के लिए बचे 4 में से 2 मुकाबले जीतने होंगे। शीर्ष-2 के लिए उसकी टक्करी आरसीबी और पंजाब किंग्स से होगी।

गुजरात टाइटंस- गुजरात की टीम प्लेऑफ में पहुंचने की प्रबल दावेदार है। गुजरात के 9 मैचों में 12 अंक है। टीम को अभी 6 और मुकाबले खेलने हैं। इनमें से 2 मैच जीतकर वह प्लेऑफ में अपनी जगह पक्की कर सकती है, मगर उनकी नजरें शीर्ष 2 पर रहेगी।

विजेंदर की पोस्ट से वैभव की उम्र पर उठे सवाल

नई दिल्ली। 14 साल की उम्र में आईपीएल में अपनी आतिशी बल्लेबाजी से धूम मचाने वाले क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी की उम्र पर फिर सवाल उठे हैं। इसका कारण है कि पूर्व भारतीय मुक्केबाज विजेंदर सिंह ने अपनी कए सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा है कि अब उम्र की धोखाधड़ी क्रिकेट में भी हावी हो गयी है। आयु धोखाधड़ी का मतलब गलत तरीके से उम्र कम करके खेलना है। ये आम तौर पर तब होता है जब जूनियर स्तर पर या उस स्तर पर जगह बनाने किया जाता है जहां एक तय उम्र की बात होती है हालांकि बीसीसीआई ने इस मामले को हल करने के लिए सख्त सत्यापन प्रक्रियाओं सहित कई कदम भी उठाए हैं।

ओलंपिक पदक विजेता विजेंदर ने सोशल मीडिया में लिखा, आज कल उम्र छोटी कर भी लोग क्रिकेट में भी खेलने लगे हैं। इसके बाद ही वैभव की उम्र को लेकर सवाल फिर उठन लगे हैं हालांकि आईपीएल में उम्र की ऐसी कोई सीमा नहीं है। वहीं एक क्रिकेट प्रशंसक ने अपने जवाब में लिख, भले ही वैभव ने अपनी उम्र कम छह माह ये एक साल कम बतायी हो पर 15 से 16 साल की उम्र में ऐसे बल्लेबाजी करना आसान नहीं है। दूसरी ओर एक अन्य व्यक्ति ने वैभव का एक पुराना वीडियो पोस्ट किया जिसमें उन्होंने कहा, वैभव निश्चित रूप से अपने अपनी बतायी गयी उम्र से बड़े हो सकते हैं क्योंकि इस क्रिकेट ने कुछ साल पहले ही कहा था कि वह अपनी उम्र से कम दिखता है। ऐसे में इस मामले को बीसीसीआई को देखना चाहिए।

श्रेयस पर 12 लाख रुपए का जुर्माना

नई दिल्ली। पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर को चेन्नई सुपर किंग्स (सीएएसके) के खिलाफ मैच में जीत के बाद भी झटका लगा है। श्रेयस पर इस मैच में धीमी ओवर गति के लिए 12 लाख रुपए का जुर्माना लगा है। इस मैच में श्रेयस पर जुर्माना इसलिए नहीं लगा क्योंकि पंजाब की टीम तय समय में 20 ओवर पूरे नहीं कर पायी। पंजाब टीम की ये इस सत्र में पहली गलती है इस कारण से केवल कप्तान पर ही जुर्मान लगाया गया है। अब अगर आगे के मैचों में पंजाब किंग्स इस गलती को फिर करती है तो पूरी टीम को इसका दंड भुगतना होगा। आईपीएल प्रबंधन के एक बयान के अनुसार, 卐पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस पर सीएसके चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ मैच के दौरान धीमी ओवर-रेट बनाए रखने के लिए जुर्माना लगाया गया है।इसमें आगे लिखा है, यह आईपीएल आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के तहत उनकी टीम का सत्र का पहला अपराध है, इसलिए अय्यर पर 12 लाख रुपये का जुर्माना ही लगा है।

मुंबई इंडियंस के स्पिनर पुथुर बाहर हुए, रघु शामिल

नई दिल्ली । मुंबई इंडियंस स्पिनर विग्नेश पुथुर चोटिल होने के कारण आईपीएल के बचे हुए सत्र से बाहर हो गये हैं। पुथुर का बाहर होना मुम्बई के लिए करारा झटका है क्योंकि उन्होंने इस सत्र में शानदार गेंदबाजी की है। पुथुर ने इस सत्र में कुछ मैच ही खेले पर उन मैचों में उनका प्रभावी प्रदर्शन रहा। मुंबई इंडियंस ने इस स्पिनर की जगह पर विकल्प के तौर पर रघु शर्मा को शामिल किया है।

मुंबई इंडियंस ने कहा है कि पंजाब के लेग स्पिनर रघु को 30 लाख रुपये के आधार मूल्य पर पुथुर की जगह शामिल किया गया है। पुथुर दोनों पिंडलियों में हड्डी के स्ट्रैस फ्रैक्चर के कारण इस सत्र से बाहर हुए हैं। वहीं रघु शर्मा जो अब तक सहयोगी गेंदबाजों में शामिल थे उन्हें अब मुख्य टीम में शामिल किया गया है। रघु ने पंजाब और पांडिचेरी की ओर से 11 प्रथम श्रेणी, 9 लिस्ट ए और 3 टी20 मैच खेले हैं। उन्होंने अपने प्रथम श्रेणी करियर में अब तक पांच 5 विकेट और तीन 10 विकेट लिए हैं।

रघु ने साल 2024-25 विजय हजारे ट्रॉफी में पंजाब की ओर से अच्छा प्रदर्शन किया था, इसमें उन्होंने 9 मैचों में 14 विकेट लिए थे। वहीं विग्नेश ने मुंबई इंडियंस के लिए आईपीएल के इस सत्र में कुल 5 मैचों में 6 विकेट लिए है। उन्होंने पहले ही मैच में तीन विकेट लिए थे। अब वह मुंबई इंडियंस मेडिकल और एसएंडसी टीम के साथ अपनी रिकवरी और रिहैब पर ध्यान देंगे।

सीएसके बनी आईपीएल के 18 वें सत्र से बाहर होने वाली पहली टीम

चेन्नई । चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) की टीम आईपीएल के 18 वें सत्र से बाहर होने वाली पहली टीम बन गयी है। पंजाब किंग्स के खिलाफ घरेलू मैदान में हार के साथ ही उसका प्लेऑफ का सफल समाप्त हो गया है। सीएके के लिए ये सत्र अच्छा नहीं रहा और उसे केवल दो मैचों में ही जीत मिली। वहीं अपने ही घरेलू मैदान पर लगातार पांच मैचों में हार का सामना करना पड़ा हालांकि सीएसके ने सत्र की शुरुआत जीत के साथ की थी। उसे अपनी ही धरती पर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु आरसीबी, दिल्ली, कोलकाता, हैदराबाद के बाद पंजाब किंग्स ने भी हराया है। आईपीएल इतिहास में सीएसके लगातार दूसरी बार प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई करने में विफल रही है। रितुराज गायकवाड़ के चोटिल होकर बाहर होने के बाद महेन्द्र सिंह धोनी की कप्तानी में प्लेऑफ की दौड़ में बने रहने के लिए उसे पंजाब किंग्स के खिलाफ हर हाल में जीत दर्ज करनी चाहिये थी पर वह इसमें सफल नहीं रही। अब उसे लीग स्तर पर केवल चार मैच और खेलने हैं। उसमें भी वह अगर सभी जीत ले तो भी उसके अधिक से अधिक 12 अंक ही रहेंगे। जिस उसके पास आगे जाने का कोई रास्ता नहीं है।

पंजाब किंग्स के खिलाफ मुकाबले में युजवेंद्र चहल की हैट्रिक के बाद कप्तान श्रेयस अय्यर ने अर्धशतक लगाते हुए 72 रन बनाये। वहीं प्रभसिमरन सिंह ने भी 54 रनों की पारी खेली जिससे पंजाब को जीत हासिल करने में परेशानी नहीं आई। इस जीत के साथ ही पंजाब किंग्स एक बार फिर अंक तालिका में छलांग लगाकर दूसरे नंबर पर पहुंच गयी है। पंजाब किंग्स के अब छह जीत से 13 अंक हो गये हैं। वहीं आरसीबी के 14 अंक हैं और वह दूसरे नंबर पर है। वहीं सीएसके की टीम लगातार पांचवीं हार के के साथ ही सत्र से बाहर हो गयी है।

साई किशोर को शामिल करना चाहती थी सनराइजर्स – विटोरी

नई दिल्ली। सनराइजर्स हैदराबाद के कोच डेनियल विटोरी ने गुजरात टाइटंस के स्पिनर आर साई किशोरकी जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि हम उन्हें नीलामी में लेना चाहते थे पर सफल नहीं हुए थे। विटोरी ने कहा कि किशोर बेहद योग्य हैं और उनमें सीमित ओवरों के क्रिकेट में सफल गेंदबाज बनने की पूरी क्षमताएं हैं। इस सत्र में इस गेंदबाज ने काफी अच्छा प्रदर्शन किया है। किशोर ने इस सत्र में गुजरात की ओर से बेहतर प्रदर्शन किया है और वह सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाजों में वह पांचवें नंबर पर हैं। उन्होंने अभी तक 8 मैचों में 12 विकेट लिए हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 30 रन देकर तीन विकेट लेना रहा है।

विटोरी से जब पूछा गया कि वह बाएं हाथ के किस स्पिनर से प्रभावित हैं तो उन्होंने कहा कि मैं किशोर का नाम लूंगा। उसने शानदार प्रदर्शन किया है। साथ ही कहा कि वह एक ऐसा खिलाड़ी था जिस पर नीलामी में हमारी नजर थी हालांकि हम उसे शामिल नहीं कर पाय थे।। वह एक निडर गेंदबाज है। उसके पास गेंद को टर्न करने विकेट के ऊपर और आसपास अपनी गति बदलने की क्षमताएं हैं। मुझे लगता है कि वह अन्य स्पिनरों के लिए मानदंड स्थापिक करता है कि आप वास्तव में कैसे प्रतिस्पर्धा कर सकते हैं और सफल हो सकते हैं।

सीएसके पर जीत से उत्साहित श्रेयस बोले, लक्ष्य का पीछा करना है पसंद

चेन्नई । पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर ने चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के खिलाफ मिली जीत पर खुशी जतायी है। इस जीत के साथ ही पंजाब की टीम 13 अंक लेकर आईपीएल अंक तालिका में दूसरे स्थान पर पहुंच गयी है। उसे अब पलेऑफ में जगह बनाने दो और मुकाबले जीतने होंगे। जीत से उत्साहित अय्यर ने कहा कि मुझे किसी भी मैदान पर लक्ष्य का पीछा करना अच्छा लगता है। साथ ही कहा कि मुझे अपने पर भरोसा है और लगता है कि किसी भी लक्ष?य का पीछा कर सकता हूं।

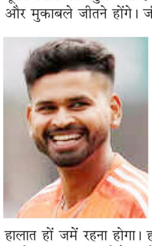

श्रेयस ने कहा कि मैदान पर क्षेत्ररक्षण बहुत कठिन था, लांग ऑन से वाइड लांग ऑन तक भागना आसान नहीं था। आपको क्षेत्ररक्षण में काफी प्रयास करना होता है। हमने मैच से पहले ही तय किया था कि कैसे भी हालात हों जमें रहना होगा। हमें पता था कि कई गेंदबाज आएंगे पर हमारे पास पॉवरहिटर्स तैयार थे। आज जब मैं मैदान पर उतरा, तो मुझे कुछ गेंदें खेलनी थीं और देखना था कि विकेट कैसा खेल रहा है। मैंने 10 गेंदें खेलीं और तय किया कि अब गेंदबाजों को चुनौती देने का सही समय है। हमारे सलामी बल्लेबाज प्रभसिमरत सिंह और प्रियांस आर्य ने जबरदस्त शुरुआत की जिसका लाभ हमें मिला है।

चहल की हैट्रिक से उत्साहित नजर आयी महवश

चेन्नई। पंजाब किंग्स के स्पिनर युजवेंद्र चहल का आईपीएल के इस सत्र में प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है। चहल ने चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के खिलाफ शानदार गेंदबाज करते हुए हैट्रिक ली थी। चहल के इस शानदार प्रदर्शन से आरजे महवश भी बेहद उत्साहित नजर आयीं। पिछले कुछ समय से महवश चहल के सभी मैच में स्टेडियम में नजर आती रही हैं जिससे दोनो के बीच अफेयर की चर्चाएं जोर पकड़ती जा रही हैं। महवश ने सोशल मीडिया पर भी चहल के प्रति प्यार जताया उसके प्रदर्शन की जमकर प्रशंसा की है। चहल ने सीएसके के खिलाफ 19वें ओवर में हैट्रिक सहित चार विकेट लिए थे।

श्रेयस पर 12 लाख रुपए का जुर्माना

नई दिल्ली। पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर को चेन्नई सुपर किंग्स (सीएएसके) के खिलाफ मैच में जीत के बाद भी झटका लगा है। श्रेयस पर इस मैच में धीमी ओवर गति के लिए 12 लाख रुपए का जुर्माना लगा है। इस मैच में श्रेयस पर जुर्माना इसलिए नहीं लगा क्योंकि पंजाब की टीम तय समय में 20 ओवर पूरे नहीं कर पायी। पंजाब टीम की ये इस सत्र में पहली गलती है इस कारण से केवल कप्तान पर ही जुर्मान लगाया गया है। अब अगर आगे के मैचों में पंजाब किंग्स इस गलती को फिर करती है तो पूरी टीम को इसका दंड भुगतना होगा। आईपीएल प्रबंधन के एक बयान के अनुसार, 卐पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस पर सीएसके चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ मैच के दौरान धीमी ओवर-रेट बनाए रखने के लिए जुर्माना लगाया गया है।इसमें आगे लिखा है, यह आईपीएल आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के तहत उनकी टीम का सत्र का पहला अपराध है, इसलिए अय्यर पर 12 लाख रुपये का जुर्माना ही लगा है।卐 इस सत्र में पंजाब का प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है और सीएसके पर जीत के साथ ही वह अंक तालिका में दूसरे नंबर पर पहुंच गयी है।

चहल आईपीएल में दो हैट्रिक लगाने वाले पहले गेंदबाज बने

नई दिल्ली। पंजाब किंग्स के स्पिनर युजवेंद्र चहल आईपीएल में दो हैट्रिक लगाने वाले पहले गेंदबाज बन गये हैं। चहल ने चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ मैच में हैट्रिक लगायी। इससे पहले उन्होंने 2022 आईपीएल में भी हैट्रिक लगायी थी। उनकी दूसरी हैट्रिक इसलिए भी अहम है क्योंकि सीएसके के खिलाफ आईपीएल में पहली बार कोई गेंदबाज हैट्रिक लगा पाया है। चहल ने ये हैट्रिक 19वें ओवर में लगायी। चहल ने ओवर की दूसरी गेंद पर कप्तानी महेन्द्र सिंह धोनी का विकेट लिया। तीसरी गेंद पर दीपक हुड्डा ने दो रन लिए पर चौथी गेंद पर चहल ने उन्हें आउट कर दिया। उसके बाद चहल ने बाकि की दो गेंदों पर अंशुल कंबोज और नूर अहमद को आउट कर हैट्रिक बनायी। युजवेंद्र चहल की यह आईपीएल में दूसरी हैटट्रिक थी। इससे पहले उन्होंने साल 2022 में राजस्थान रॉयल्स की तरफ से कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ हैटट्रिक लगायी थी। तब उन्होंने श्रेयस अय्यर, शिवम मावी और पैट कमिंस को आउट किया था। अब चहल आईपीएल में सबसे ज्यादा बार हैटट्रिक लेने के मामले में पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह के साथ संयुक्त रूप से दूसरे नंबर पर हैं। दोनों के नाम आईपीएल में 2-2 हैटट्रिक हैं। इनसे ज्यादा सिर्फ अमित मिश्रा ने ही हैट्रिक लिए हैं। मिश्रा ने आईपीएल में यह कारनामा 3 बार किया है।

अब कीनिया में भी शुरु होगी टी20 क्रिकेट लीग

नैरोबी। अफ्रीकी देश कीनिया अब अपने क्रिकेट ढ़ांचे को बेहतर बनाने के लिए एक टी20 क्रिकेट लीग शुरु करने जा रही है। ये लीग सितंबर में शुरु होगी। लीग का पहला सत्र 25 दिन का होगा जिसमें छह फ्रेंचाइजी हिस्सा लेंगी। इसमें दुनिया भर के कम से कम पांच अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों को अपनी टीम में शामिल किया जा सकता है। क्रिकेट कीनिया और और कंपनी एओएस स्पोर्ट के बीच इस लीग के आयोजन को लेकर एक समझौता हुआ है। कीनिया के पूर्व अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर कैनेडी ओबुया ने कहा, 'यह बहुत बड़ा आयोजन होगा। यह रोमांचक होगा। यह रोमांचकारी होगा। इससे कीनिया में क्रिकेट को नई दिशा मिलेगी और वह तेजी से आये बढ़ेगा। कीनिया की तरफ से 90 एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाले इस पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज ने कहा, 'किसी भी मैच के लिए एक टीम को चार विदेशी खिलाड़ियों को ही अंतिम एकादश में शामिल करने की अनुमति दी जाएगी। वहीं अन्य सभी खिलाड़ी स्थानीय होंगे। कीनिया की टीम का वर्तमान समय में प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है पर एक समय वह अपने अच्छे प्रदर्शन के लिए जानी जाती थी। वह साल 2003 में एकदिवसीय विश्व कप के सेमीफाइनल में भी पहुंची थी। अब ओबुया की तरह ही कई अन्य क्रिकेटरों को भी भरोसा है कि इस लीग से कीनियाई क्रिकेट आगे बढ़ेगा। भारत में आईपीएल शुरु होने के बाद से ही दक्षिण अफ्रीका पाकिस्तान सहित कई देशों में क्रिकेट लीग शुरु हुई है।

अब बांग्लादेश से पांच मैचों की टी20 सीरीज खेलेगी पाकिस्तान टीम

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने कहा है कि इसी माह उसकी टीम बांग्लादेश से घरेलू धरती पर टी20 सीरीज खेलेगी। इसके लिए बांग्लादेश टीम मई में पांच मैचों की टी20 सीरीज के लिए पाकिस्तान पहुंचेगी। यह सीरीज 25 मई से 3 जून तक फैसलाबाद और लाहौर में खेली जाएगी। फ्यूचर टूर्स प्रोग्राम (एफटीपी) के तहत तीन ही तीन एकदिवसीय के अलावा अब पांच टी20 मैच खेले जाएंगे जबकि पहले तीन टी20 मैच खेले जाने थे।

पीसीबी ने कहा, यह सीरीज भविष्य दौरा कार्यक्रम (एफटीपी) का ही हिस्सा है। इसमें पहले तीन एकदिवसीय और तीन टी20 मैच शामिल थे पर अगले साल होने वाले आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप को देखते हुए ही दोनों बोर्ड ने एकदिवसीय की जगह दो अतिरिक्त टी20 मैच कराने की बात कही है। ये मैच इकबाल स्टेडियम में होंगे। यहां 17 साल के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मुकाबला खेला जाएगा। इस ऐतिहासिक स्थल पर अंतिम अंतरराष्ट्रीय मैच अप्रैल 2008 में बांग्लादेश और पाकिस्तान के बीच खेला गया था।

इसमें 25 और 27 मई को होने वाले सीरीज के पहले दो टी20 मैच खेले जाएंगे जबकि बचे हुए तीन टी20 मैच लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में 30 मई, 1 और 3 जून को खेले जाएंगे। बांग्लादेश की टीम 21 मई को पहुंचेगी और 22 से 24 मई तक इकबाल स्टेडियम में प्रशिक्षण सत्र में भाग लेगी।

आईपीएल से बाहर होने के बाद निराश नजर आये धोनी

चेन्नई । चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) की टीम पंजाब किंग्स के खिलाफ मिली हार के साथ ही आईपीएल के 18 वें सत्र से बाहर हो गयी है। सीएसके को इस सत्र में केवल दो मुकाबलों में ही जीत मिली है। प्लेऑफ की दौड़ से बाहर होने से निराश टीम के कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी ने कहा कि पंजाब के खिलाफ टीम ने कम रन बनाये जिससे ये मैच हमारे हाथ से निकल गया। इस मैच में हमें थोड़ा और प्रयास करना चाहिए था। मैच में सैम करन और डेवाल्ट ब्रेविस के बीच अच्छी साझेदारी हुई।

जिलेभर में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया मजदूर दिवस

जगह-जगह विभिन्न कार्यक्रमों की हुए आयोजन, जगह-जगह मजदूरों का किया गया सम्मान : मजदूरों के हक अधिकारों पर चर्चा कर विभिन्न मांगों को पूरा कराने बनाई गई

बालाघाट (पदमेश न्यूज़)। समाज में मजदूर ,श्रमिकों का योगदान ,उनके सहयोग और मजदूरों के हक अधिकारों को याद करते हुए प्रति वर्ष की तरह इस वर्ष भी जिला मुख्यालय सहित तहसीलो व ग्रामीण अंचलों में अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस मनाया गया।जहां 1 मई दिन गुरुवार को अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस पर जगह-जगह विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन कर मजदूरों को पुष्प गुच्छ और गमछा पहनाकर उनका सम्मान किया गया, तो वही मजदूरों की विभिन्न समस्याओं उनकी विभिन्न मांगों को लेकर मजदूर संगठनों ने जगह-जगह बैठक का आयोजन कर मजदूरों को उनके हक अधिकार दिलाने को लेकर आगामी योजना बनाई।जहां गुरुवार सुबह से ही नगर के विभिन्न स्थानों पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस कार्यक्रम देर शाम तक चलते रहे।

मजदूरों के संघर्ष और बलिदान को किया याद

मजदूरों के संघर्ष और बलिदान को याद करने हर वर्ष 1 मई को पूरे देश में अंतराष्ट्रीय मजदूर दिवस मनाया जाता है। इसी कड़ी में हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी 1मई को सीटू और एम.आर युनियन सहित अन्य संगठनों के संयुक्त तत्वाधान में नगर के बस स्टैण्ड स्थित धर्मशाला में मजदूर दिवस मनाया गया। इस दौरान अमेरिका के शिकांगों में अपने हक व अधिकार के लिये संघर्ष करते हुये शहीद हुये श्रमिकों के बलिदान को याद करते हुये श्रद्धाजंली दी गई।

आंदोलन की बनाई गई रणनीति

बैठक में विभिन्न वक्ताओं ने बताया कि अमेरिका के शिकांगों में अपने हक व अधिकार के लिये संघर्ष करते 1 मई 1886 को में मजदूरों ने बड़ा आंदोलन किया था।जिसमे उन्होंने मजदूरों को एकत्र बंधुआ मजदूरी ने निजाद दिलाकर मजदूरी का समय 8 घंटे किए जाने की गुहार लगाई थी। हजारों मजदूरों द्वारा किए गए इस बड़े प्रदर्शन के दौरान मजदूरों की आवाज को दबाने के लिये पुलिस द्वारा आंदोलनकारियों पर गोलियां चलाई गई। जिससे काफी मजदूरों की मौत हो गई व कई घायल हो गये थे। उन बलिदानियों की याद में भारत में मजदूर दिवस मनाये जाना 1 मई 1923 से चेन्नई में प्रारंभ किया गया। 1 मई को अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस के रूप में मनाया जाने लगा। जिन्होंने मजदूर दिवस पर मजदूरों के हक अधिकार को लेकर आंदोलन करने की भी रणनीति बनाए जाने की भी जानकारी दी।

विद्युत विभाग ने मनाया मजदूर व यूनियन स्थापना दिवस

अमेरिका के शिकांगों में अपने हक व अधिकार के लिये संघर्ष करते 1 मई 1886 को वहां के मजदूरों ने एक बड़ा आंदोलन किया था और उस आंदोलन के माध्यम से उन्हें बंधवा मजदूरी छोड़कर, 8 घंटे काम करने का अधिकार मिला था। जिसकी याद में प्रतिवर्ष 1 मई को अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस मनाया जाता है। जहां शिकागो के उन मजदूरों को याद कर विद्युत विभाग के अधिकारियों कर्मचारियों की विभिन्न समस्याओं को सुलझाने के लिए ही आज से करीब 15 वर्ष पूर्व मध्य प्रदेश यूनाइटेड फोरम फॉर पावर इंप्लाइज एंड इंजीनियर्स संघ की स्थापना की गई थी।जिसके माध्यम से विघुत विभाग के छोटे-छोटे विभिन्न संगठनों को यूनाइटेड फोरम में जोड़कर संगठन द्वारा सातवें वेतनमान सहित अन्य मांगे पूरी कराई जा चुकी है। आज ही के दिन 1मई को मजदूर दिवस और संगठन का स्थापना दिवस होने के चलते विद्युत विभाग में मजदूर एवं यूनियन स्थापना दिवस मनाया गया। मध्य प्रदेश यूनाइटेड फोरम फॉर पावर इंप्लाइज एंड इंजीनियर्स संघ, मध्य प्रदेश विद्युत मंडल पेंशनर्स एसोसिएशन और मध्य प्रदेश विद्युत कर्मचारी संघ फेडरेशन (इंटक)के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित इस कार्यक्रम के दौरान जहां विभिन्न वक्ताओं ने अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस पर अपने विचार व्यक्त किए, तो वहीं उन्होंने संगठन के स्थापना दिवस अब तक संगठन के माध्यम से अधिकारियों कर्मचारियों की विभिन्न मांगों पर किए गए कार्यों आदि की जानकारी देते हुए संगठन को मजबूती प्रदान कर आगामी समय में अन्य मांगों के लिए किए जाने वाले संघर्षों की जानकारी दी। तो वहीं उन्होंने संगठन को मजबूत बनाने सहित अन्य मांगों को लेकर सह- विस्तार चर्चा कर उन्हें पूरी करने के लिए आगामी रणनीति बनाई। आयोजित कार्यक्रम के दौरान यूनाइटेड फोरम संरक्षक दीपक उईके, प्रांतीय अध्यक्ष आईडी पटले, पेंशनर्स संघ जिला अध्यक्ष केएल गौतम, विघुत कर्मचारी फेडरेशन जिला अध्यक्ष आरके शर्मा मीडिया प्रभारी शिव मुनेश्वर, वीके भगत, एमएल कटरे, महेंद्र चौधरी, देवेंद्र पटले, नजमा शेख, डीआर उइके, श्रावण गौतम, राधेलाल बिसेन, रामेश्वर बिसेन, और श्यामलाल राउत सहित सभी संगठनों के अन्य पदाधिकारी सदस्य व अन्य कर्मचारी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

20 मई को करेंगे राष्ट्री व्यापी आंदोलन- बिसेन

इस संबंध में सीटू युनियन के अध्यक्ष वाय.आर बिसेन व एम.आर युनियन अध्यक्ष नोकेश बिसेन ने बताया कि वर्तमान सरकार द्वारा 2014 तक जितने श्रम कानून बने है उन्हें निरस्त किया जा रहा है और चार श्रम संहिता बनाया गया है।जो श्रमिक विरोधी कानून है। जिसके विरोध, एंव अपनी विभिन्न मांगों को लेकर 20 मई को राष्ट्रीय स्तर पर हड़ताल घोषित कर सीटू युनियन, एम.आर संगठन व 10 अन्य राष्ट्रीय युनियन के द्वारा 8 घंटे काम, 8 घंटे आराम व 8 घंटे परिवार के लिये दिये जाने की मांग की जायेगी।

आज भी मजदूर शोषित वर्ग में आता है- विशाल

आयोजित कार्यक्रम के दौरान वैनगंगा मजदूर यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष विशाल बिसेन से कहा की सारी दुनिया मे सृजन व नव निर्माण के प्रतिक हमारे मजदूर साथी ही है और हमारे समाज का सबसे महत्वपूर्ण अंग होने के बावजूद भी आज सबसे ज्यादा शोषित भी यही वर्ग है।अभी इनके लिए व परिवार के लिए, इनके स्वास्थ्य, शिक्षा व आर्थिक प्रगति की दिशा मे बहुत कुछ काम करने की गुंजाईश है।उन्होंने आगामी समय मे मजदूर साथियों के लिए बालाघाट मे जिला स्तर का एक स्वास्थ्य शिविर लगाने व शासन की विभिन्न योजनाओं से मजदूर साथियों व परिवार को लाभांवित करने शासन के संबन्धित विभाग के साथ एक कैंप करने की बात कही।

वैनगंगा मजदूर यूनियन ने मनाया मजदूर दिवस

नगर में अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस के अवसर पर 1 मई गुरुवार को जय हिंद टाकीज परिसर स्थित ठिए में अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस का आयोजन किया गया। आयोजित कार्यक्रम के दौरान वैनगंगा मजदूर यूनियन द्वारा मजदूर साथियों का फूल मालाओं से स्वागत कर उन्हें अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस की शुभकामनाएं दी गई, तो वही समस्त मजदूरों को गमछा भेंट कर उनका सम्मान किया गया।जय हिंद टाकीज परिसर स्थित मजदूर कार्यालय में आयोजित इस कार्यक्रम के दौरान वैनगंगा मजदूर यूनियन ने मजदूर कार्यालय में उपस्थित तमाम मजदूर साथियों के साथ मजदूरों की विभिन्न मांगों और उनके हक अधिकारों को लेकर चर्चा की। जहां हाथ ठेला यूनियन, मालवाहक यूनियन, और बिल्डिंग वर्क यूनियन सहित विभिन्न क्षेत्रों में काम करने वाले श्रमिकों ने सामूहिक रूप से मजदूरों की मजदूरी दर बढ़ाए जाने, उन्हें शासन प्रशासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ देने, योजनाओं के लाभ के लिए ठिए में शिविर का आयोजन कराने और व्यापारी संगठनों के साथ बैठक कर मजदूरों की मजदूरी दर बढ़ाए जाने की मांग की। पूरे कार्यक्रम का संचालन यूनियन के प्रदेश उपाध्यक्ष (संगठन) आशीष शुक्ला व आभार प्रदर्शन यूनियन के जिला अध्यक्ष प्रहलाद (अन्नू) ठाकुर ने किया। कार्यक्रम मे वरिष्ठ पदाधिकारी सत्यम वाघे का सराहनीय योगदान रहा। कार्यक्रम मे यूनियन के सभी विंग मालवाहक, किसान सहित सभी विंग के सैकड़ों पदाधिकारी व मजदूर साथी उपस्थिति रहे।

चिन्हांकित एक-एक दिंव्यांग व वरिष्ट नागरिकों को सहायक उपकरण देना ही लक्ष्य-सांसद श्रीमती पारधी

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। सामाजिक न्याय अधिकारिता मंत्रालय की एडीप व वयोश्री योजनान्तर्गत बालाघाट में सांसद श्रीमती भारती पारधी के मुख्य आतिथ्य में 1435 दिव्यांग व वृद्धजनों को 5058 सहायक उपकरण वितरित किये गए। सांदीपनि विद्यालय परिसर में आयोजित हुए कार्यक्रम में सांसद श्रीमती पारधी ने कहा कि भारत सरकार और मप्र शासन का प्रयास है कि कैसे भी हितग्राहियों तक योजनाओँ का लाभ पहुँचाया जाए। इसके लिए निरंतर प्रयास किये जा रहें है। यह शिविर भी उन्ही में से एक है, इससे पूर्व भी जनवरी माह में दिव्यांगजनों व वृद्धजनों को बड़े स्तर पर सहायक उपकरण वितरित किये गए। इस शिविर के आयोजन के लिए जिला प्रशासन और जिला पंचायत द्वारा 8 से 19 अप्रैल तक विकासखंड वार शिविरों का आयोजन किया गया। शिविरों में चिन्हांकित करने के पश्चात एलिम्को द्वारा उपकरण बनाएं गए। अब यही लक्ष्य है कि एक-एक चिन्हित व्यक्ति को ये उपकरण पहुचाएं जाए। साथ ही आगे भी ऐसे शिविरों के द्वारा चिन्हित कर सहायक उपकरण वितरित किये जायेंगे। कार्यक्रम के दौरान कलेक्टर मृणाल मीना ने कहा कि प्रयास किये गए की जिनके पास सहायक उपकरण नही है, उन्हें चिन्हित कर उपकरण प्रदान किये जायें। उद्देश्यों के तहत शिविरों को आयोजन हुआ और आज वितरण किया जा रहा है।आगे भी शिविरों का आयोजन कर दिव्यांगों व वरिष्ठ नागरिकों को उपकरण प्रदान कर सेच्युरेशन करने की स्थिति में बढ़ रहें है।कार्यक्रम के दौरान जिला पंचायत सीईओ ने भी स्वागत संबोधन में शिविरों के सम्बंध में जानकारी दी। कार्यक्रम में पूर्व नपा अध्यक्ष रमेश मंगलानी, नपा उपाध्यक्ष योगेश बिसेन, नपा सभापति योगिता बोपचे, पार्षद श्रीमती संगीता कावरे, राज हरिनखेड़े,

श्वेता जैन, वंदना बारमाटे, सुधीर चीले कमलेश पांचे,एसडीएम गोपाल सोनी, सीएमओ बीडी कतरोलिया,समाजिक न्याय विभाग की नूपुर झा सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। कार्यक्रम का मंच संचालन अजय बैस ने किया।

अंतिम छोर के व्यक्ति का कल्याण कैसे हो इस पर शासन कार्य कर रही

कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती भारती ठाकुर ने संबोधित करते हुए कहा कि शासन के प्रयास है कि अंतिम छोर के व्यक्ति तक शासन की जनकल्याणकारी योजनाएं पहुँचे। आज जो जीवन जीने में सहायक उपकरण बांटे जा रहें है, ये उन्हीं प्रयासों का परिणाम है। कार्यक्रम में जिला पंचायत उपाध्यक्ष राजा लिल्हारे ने भी संबोधित किया।

118.7 लाख रुपये के सहायक उपकरण वितरित किये गए

कार्यक्रम के दौरान 1435 में से 983 वरिष्ट नागरिक व 452 दिव्यांगजनों को उपकरण वितरित किये गए। जिनकी मूल लागत 118.7 लाख रुपये है। दिव्यांगजनों को कुल 39 नग मोटराइज्ड ट्राइसिकल, कुल 153 नग ट्रायसिकल, 95 नग व्हीलचेयर, 5 सीपी चेयर, 110 वैसाखी, 77 वॉकिंग स्टिक, 01 फोल्डेबल वाकर, 6 रोलेटर, 14 टीएलएम किट, 24 सुगम्य केन, 01 एलएस बेल्ट, 106 श्रवण यंत्र प्रदाय किये गए। इस तरह एडीप योजना अंतर्गत कुल 452 लाभार्थियों को 651 उपकरण प्रदाय किये गए। वहीं वरिष्ठजनों में 983 लाभार्थियों को कुल 4606 उपकरण प्रदाय किये गए। जिसमे 769 नग वाकिंग स्टिक, 16 नग वैसाखी, 311 व्हीलचेयर, 1746 नी-ब्रेस, 853 एलएस बेल्ट, 5 वाकर, 81 सिलिकॉन कुशन, 169 ट्रायण ?ड, 30 सरवाइकल कॉलर एवं 626 श्रवण यंत्र शामिल है।

गोधूली बेला में विवाह कर समाज को दिया प्रेरणादायी संदेश

परसवाड़ा(पद्मेश न्यूज)। 29 अप्रैल 2025। वर्तमान समय में जहां वैवाहिक कार्यक्रमों में दिखावा, फिजूलखर्ची और कई सामाजिक विसंगतियाँ देखने को मिल रही हैं, वहीं पंवार समाज ने एक अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत करते हुए पारंपरिक मूल्यों और सामाजिक जिम्मेदारियों को प्राथमिकता दी है। तहसील परसवाड़ा के ग्राम लोटमारा (चंदना) निवासी ट्रस्टी सदस्य डॉ. बी. एल. हनवत के भतीजे चिरंजीव रोहित हनवत (पुत्र श्री सुरजलाल हनवत) का विवाह सौ. कु. पल्लवी (पुत्री श्री बाबूलाल पटले, ग्राम समनापुर - चरेगांव) के साथ दिनांक 29 अप्रैल को परंपरागत गोधूली बेला, शाम 6:30 बजे संपन्न हुआ। इस शुभ लग्न में संपन्न हुए मंगल परिणय ने नई पीढ़ी के लिए एक प्रेरणास्रोत बनकर समाज में एक नई लहर जगाई। इस वैवाहिक आयोजन की विशेष बात यह रही कि इसमें पर्यावरण संरक्षण का भी विशेष ध्यान रखा गया — किसी भी प्रकार के डिस्पोज़ल सामग्री का उपयोग नहीं किया गया। यह निर्णय न केवल सामाजिक जिम्मेदारी का उदाहरण बना, बल्कि स्वच्छ और हरित भविष्य की ओर एक ठोस कदम भी सिद्ध हुआ। पंवार समाज संगठन सर्कल लिंगा परसवाड़ा, जो समाज में व्याप्त कुरीतियों के उन्मूलन के लिए निरंतर प्रयासरत है, ने इस अनूठी पहल की सराहना करते हुए आयोजन को सामाजिक चेतना का प्रतीक बताया। इस अवसर पर सर्कल अध्यक्ष श्री टामेश्वर पटले, सचिव श्री चंद्रशेखर कटरे (चरेगांव), एवं सर्कल अध्यक्ष श्री शंकर बिसेन स्वयं उपस्थित रहे। समाज द्वारा वर-वधु को शुभाशीष देते हुए उनके पालकों को प्रशस्ति पत्र एवं पंवार दर्पण वार्षिक पत्रिका (अंक 20, वर्ष 2025) की प्रति भेंट की गई। यह सम्मान समारोह समाज के नवाचार और परंपरा के समन्वय का जीवंत उदाहरण बन गया। यह आयोजन न केवल एक विवाह था, बल्कि सामाजिक जागरूकता, पर्यावरणीय जिम्मेदारी और सांस्कृतिक गौरव का उत्सव भी बन गया।

आज आयोजित होगा लाडली लक्ष्मी उत्सव

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। मप्र शासन के निर्देशानुसार 02 मई को समस्त जिलों में लाडली लक्ष्मी उत्सव का आयोजन किया जाएगा। मुख्यमंत्री लाडली लक्ष्मी योजना अंतर्गत लाडली लक्ष्मी दिवस को उत्सव के रूप में आयोजन जिले के साथ साथ नगरीय निकायों एवं ग्राम पंचायतों में भी आयोजन किया जाएगा। जिसमे स्थानीय जनप्रतिनिधियों के साथ ही लाडली बालिकाएं उनके अभिभावक एवं लाडली क्लब की अध्यक्ष एवं सदस्य भी शामिल होगी। लाडली लक्ष्मी उत्सव के वृहद स्तर पर प्रचार के लिए लाडली लक्ष्मी पथ पर मुख्यमंत्री लाडली लक्ष्मी योजना से संबंधित चित्र, पोस्टर, बैनर, स्लोगन लगाए जाएंगे। इस दौरान विभिन्न गतिविधियां भी क्रियांवित की जाएगी जिसमें लाडली बलिकाओं द्वारा संगीत नृत्य व अन्य सांस्कृतिक गतिविधियों का प्रदर्शन किया जाएगा। साथ ही प्रत्येक स्तर पर एक पेड़ लाडली लक्ष्मी के नाम जनप्रतिनिधियों व लाडली बालिकाओं द्वारा पौधरोपण किया जाएगा। लाडली लक्ष्मी उत्सव कार्यक्रम का आयोजन शुक्रवार को जिले में, नगरीय निकायों में व ग्राम पंचायतों में सुबह 11 बजे से सुनिश्चित किया जाएगा।

जिला अस्पताल की सबसे कठिन परीक्षा सम्पन्न, जल्द आएगा परिणाम

बालाघाट (पदमेश न्यूज़)। सोमवार से बुधवार तीन दिनों तक चली जिला अस्पताल की सबसे कठिन परीक्षा 30 अप्रैल बुधवार को सम्पन्न हुई।जहां जिला अस्पताल के स्टैंडर्ड का निर्धारण करने एनक्यूएएस की टीम ने बालाघाट जिला अस्पताल पहुंचकर तीन दिनों तक जिला अस्पताल में मरीजों को मिलने वाली सेवाओं, सुविधाओं और व्यवस्थाओ का आकलन किया। तो वही नेशनल प्रोटोकॉल के तहत दिए गए बिंदुओं पर जिला अस्पताल की वस्तु स्थिति जानी। जहां बुधवार देर शाम जिला अस्पताल प्रबंधन के साथ बैठक कर, इस टीम ने निरीक्षण सम्बंधित आवश्यक जानकारी दी ,तो वही आवश्यक दिशा निर्देश देकर यह टीम अपने गंतव्य की ओर रवाना हुई । इस दौरान एनक्यूएएस (नेशनल क्वालिटी इंश्योरेंस स्टैंडर्ड) की टीम में शामिल सदस्य वेस्ट बंगाल अस्पताल से डॉ शिशिर नसकर, महाराष्ट्र जिला हिंगोली से सिविल सर्जन डॉ गोपाल शंकराराव कदम और चंडीगढ़ से आई डॉ रेनू ने जिला अस्पताल के सिविल सर्जन, आरएमओ सहित अन्य चिकित्सा अधिकारियों नर्सिंग स्टाफ सहित अन्य पदाधिकारियो स्टाफ के साथ बैठक कर, निरीक्षण व सर्वे संबंधी जानकारी देकर, जल्द ही केंद्र द्वारा इस सर्वे रिपोर्ट के अंक जारी किए जाने की बात कही गई है। उधर अस्पताल प्रबंधन द्वारा उम्मीद जताई जा रही है कि वे अस्पताल की सबसे कठिन परीक्षा में जरुर सफल होंगे और केंद्र से आवश्यक पैकेज प्राप्त कर जिला अस्पताल की सेवाओं, सुविधाओं और व्यवस्थाओ में विस्तार किया जाएगा। जिसका सीधा फायदा जिला अस्पताल पहुंचने वाले मरीज और उनके परिजनों को मिलेगा।

70 से अधिक अंक मिलने पर केंद्र सरकार से मिलेगी प्रोत्साहन राशि

बालाघाट जिला अस्पताल की स्वास्थ्य सेवाओं को नेशनल क्वालिटी इंश्योरेंस स्टैंडर्ड के तहत परखने के लिए तीन सदस्यीय राष्ट्रीय स्तर की टीम ने सोमवार से बुधवार तक अस्पताल

का व्यापक निरीक्षण किया है। बताया गया कि टीम के निरीक्षण का मुख्य उद्देश्य अस्पताल की गुणवत्ता और स्वास्थ्य सेवाओं के स्तर का मूल्यांकन करना है।निरीक्षण टीम में देश के विभिन्न राज्यों से आए। तीनो स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने जिला अस्पताल के विभिन्न विभागों जैसे ओपीडी, गहन चिकित्सा इकाई (आईसीयू), नवजात शिशु देखभाल इकाई (एनआईसीयू), ब्लड बैंक और ट्रामा सेंटर सहित गर्भवती महिलाओं को मिलने वाली सुविधाओं सहित अन्य सेवाओ व व्यवस्थाओ का गहन अवलोकन किया।बताया गया कि टीम द्वारा तैयार की गई रिपोर्ट केंद्र सरकार को प्रस्तुत की जाएगी। यदि बालाघाट जिला अस्पताल को 100 में से 70 या उससे अधिक अंक प्राप्त होते हैं, तो अस्पताल को स्वास्थ्य सेवाओं को और बेहतर बनाने के लिए लगभग 40 लाख रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाएगी।हालांकि यदि 70 से कम अंक प्राप्त होते हैं, तो निरीक्षण टीम द्वारा पाई गई कमियों को सुधारने के निर्देश दिए जाएंगे और पुन: निरीक्षण के बाद अस्पताल की स्थिति का मूल्यांकन किया जाएगा।

हमें उम्मीद है कि इस परीक्षा में हम जरुर सफल होंगे-जैन

जिला अस्पताल के नेशनल सर्वे पूर्ण होने को लेकर की गई चर्चा के दौरान सिविल सर्जन डॉ निलय जैन ने बताया कि बाहर से आई एनक्यूएएस नेशनल टीम ने तीन दिनों तक जिला अस्पताल में रहकर सर्वे किया है ।सभी डाक्यूमेंट्स ,पेपर वर्क, स्टैंडर्ड वर्क ,डॉक्टरों, व मेडिकल स्टाफ की ट्रेनिंग, हवा, पानी, बिजली, मरीज को मिलने वाली सभी सुविधाए, बाबूओ के वर्किंग कार्य, अस्पताल में मिलने वाली विभिन्न सुविधाओं सेवाओं व व्यवस्थाओं की जानकारी ली है।इस टीम को नेशनल प्रोटोकॉल के तहत जो बिंदु दिए गए थे उन सभी बिंदुओं का बारीकी से निरीक्षण कर टीम ने वास्तविक स्थिति जानी है।इसके अलावा अस्पताल प्रबंधन के साथ करीब 2 से 3 बार बैठक ली है। इस बैठक में हमने बताया कि बालाघाट जिला पिछड़ा जिला है, आदिवासी जिला होने के कारण यहां संसाधनों की कमी है। बाहर से कोई भी डॉक्टर जिला अस्पताल आना नहीं चाहते, हमारे पास जो भी संसाधन है उससे ही बेहतर कार्य करने का प्रयास किया जाता है। जिला अस्पताल में अब तक मरीज और उनके परिजनों की कोई शिकायत भी नहीं है। इसमें जिला अस्पताल के सभी लोगों ने काफी मदद की है। हमने आईएएस जैसी कठिन परीक्षा दे दी है, पता नहीं इसका परीक्षा परिणाम क्या होगा और हमें कितने अंक मिलेंगे। लेकिन हमें उम्मीद है कि हम इस परीक्षा में जरुर सफल होंगे और इस नेशनल सर्वे में हमे बेहतर अंक मिलेंगे साथ ही केंद्र से यहां सेवाओं सुविधाओं और व्यवस्थाओ के लिए अतिरिक्त फंड भी जारी किया जाएगा। जिसका सीधा फायदा जिले वासियों को मिलेगा।

सर्वाधिक नक्सल प्रभावित जिलों की सूची से बालाघाट हुआ बाहर

अब सिर्फ नक्सल प्रभावित जिलों की सूची में रहेगा बालाघाट का नाम, पुलिस अधीक्षक ने कहा लगातार नक्सलियों के खिलाफ किए जा रहे ऑपरेशनों का मिला परिणाम

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। बालाघाट जिला पहले सर्वाधिक नक्सल प्रभावित जिला कहलाता था। देश में टॉप 12 सर्वाधिक नक्सल प्रभावित जिलों की सूची में बालाघाट जिले का नाम था। किंतु बीते कुछ वर्षों से पुलिस द्वारा सतत नक्सली उन्मूलन के लिए किए जा रहे काम और पुलिस द्वारा लगातार सर्चिंग और कैंप लगाने की वजह से अब बालाघाट जिला सर्वाधिक नक्सल प्रभावित जिलों की सूची से बाहर हो गया है। अब सिर्फ बालाघाट नक्सल प्रभावित जिलों की सूची में आ गया है । जिसमें पुलिस अधीक्षक द्वारा बताया गया कि यह जिले के लिए हर्ष का विषय है कि पुलिस द्वारा लगातार कैंप और नक्सलियों के खिलाफ किया जा रहे ऑपरेशनों का नतीजा है कि आज बालाघाट जिला सर्वाधिक नक्सल प्रभावित जिलों की सूची से हट चुका है। सिर्फ नक्सल प्रभावित जिलों की सूची में देश के 38 जिलों में बालाघाट का नाम भी आ गया है। जबकि पहले सर्वाधिक नक्सल प्रभावित 12 जिलों में बालाघाट जिले का नाम था।

आपको बता दे कि नक्सल उन्मूलन अभियान के तहत बालाघाट जिले के लिए बड़ी और अहम खबर सामने आई है। पिछले तीन सालों से देशभर के 12 'सर्वाधिक नक्सल प्रभावित' जिलों की सूची में शामिल बालाघाट को अब इस श्रेणी से हटा दिया गया है। बालाघाट अब देशभर के 38 'नक्सल प्रभावित' जिलों की श्रेणी में आ गया है। पुलिस इसे नक्सलियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियानों और गतिविधियों के सकारात्मक प्रयासों का असर मान रही है। जानकारी के अनुसार, हाल ही में केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा देशभर के नक्सल प्रभावित राज्यों और उनके प्रभावित जिलों की समीक्षा की गई थी। बालाघाट जिले को पहले देश के उन 12 सर्वाधिक नक्सल प्रभावित जिलों की सूची में रखा गया था, जहां नक्सल गतिविधियां, मुठभेड़, नक्सलियों व उनके दलमों की सक्रियता अधिक थीं, लेकिन पिछले कुछ वर्षों में बालाघाट में लगातार नक्सलियों को पटखनी देने के बाद बालाघाट को अब सिर्फ 'नक्सल प्रभावित' जिलों की श्रेणी में रखा गया है। बालाघाट के साथ इस श्रेणी में मंडला और डिंडौरी भी हैं। बता दे कि पहले देश भर में 58 जिले नक्सल प्रभावित जिलों की श्रेणी में शामिल थे। किंतु अब पुलिस द्वारा समीक्षा किए जाने पर 38 जिले ही नक्सल प्रभावित जिलों की श्रेणी में आते हैं । सर्वाधिक नक्सली जिलों की श्रेणी 12 से घटकर 6 हो गई है ।जिसमें बालाघाट जिला भी सर्वाधिक नक्सल

प्रभावित जिला की श्रेणी से हट चुका है। ऐसा भी माना जा रहा है कि अब पुलिस को सर्वाधिक नक्सल प्रभावित जिले के रूप में मिलने वाले बजट में भी अंतर आ सकता है। हालांकि पुलिस अधीक्षक का कहना है कि वह जितनी डिमांड जिले से भेजेंगे वह उन्हें मिलेगी। किंतु अभी यह स्पष्ट नहीं हुआ है कि सर्वाधिक नक्सल प्रभावित जिले की श्रेणी से बालाघाट को हटाने के बाद किन-किन मिलने वाली सुविधाओं में कमी होगी। क्या अंतर सामने आएगा। हालांकि पुलिस इसे एक बड़ी सफलता बता रहे हैं । उनका कहना है कि पुलिस द्वारा सतत वर्षों से चलाए जा रहे सर्चिंग अभियान, कैंप और अन्य नक्सली उन्मूलन के लिए किए गए काम का आज परिणाम जिले को मिला है।

अब सिर्फ छह जिले सर्वाधिक नक्सल प्रभावित ही हैं

केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा समय-समय पर नक्सल प्रभावित जिलों की समीक्षा की जाती है। नई समीक्षा में बालाघाट सहित कई जिलों की श्रेणी में सुधार हुआ है। वर्तमान में अब देशभर के 38 जिलों को 'नक्सल प्रभावित' जिलों में रखा गया है। जबकि छह जिले अब भी 'सर्वाधिक नक्सल प्रभावित' श्रेणी में हैं। पुलिस की मानें तो वर्ष 2021-22 में बालाघाट को नक्सल प्रभावित से सर्वाधिक नक्सल प्रभावित की श्रेणी में रखा गया था, लेकिन नक्सलियों के खिलाफ हो रहीं कार्रवाइयों के कारण बालाघाट में नक्सलवाद की जड़ें कमजोर हुई हैं। बताया गया कि सर्वाधिक और नक्सल प्रभावित जिलों में सबसे ज्यादा जिले छत्तीसगढ़ राज्य के हैं।

नक्सली पूरी तरह बैकफुट पर हैं - नगेंद्र सिंह

पुलिस अधीक्षक नगेंद्र सिंह ने बताया की मिशन 2026 के लिए हम लगातार प्रभावी कार्रवाइयां कर रहे हैं। इस बीच बालाघाट को सर्वाधिक अथवा अति नक्सल प्रभावित जिलों की श्रेणी से हटाना अथवा श्रेणी में सुधार होना, सकारात्मक प्रयासों का परिणाम है। इसके पीछे कई कारण हैं । कैंपों की संख्या में बढ़ोत्तरी, आपरेशन, फंडिंग आदि के कारण नक्सली पूरी तरह बैकफुट पर हैं। नक्सलियों से अपील है कि वे मप्र की आत्मसमर्पण नीति के तहत हथियार डालें और समाज की मुख्य धारा में आकर बेहतर जिंदगी बसर करें। पुलिस अधीक्षक ने यह भी कहा कि आज कहीं ना कहीं नक्सलियों की बड़ी संख्या में कमी आई है । आज बहुत कम मात्रा में नक्सली की संख्या हैं। कई नक्सलियों के दलम खत्म हुए हैं। पुलिस अधीक्षक ने नक्सलियों से आत्म समर्पण नीति के तहत आत्म समर्पण करने को लेकर भी जोर दिया है उन्होंने कहा कि यदि नक्सलियों को पुलिस से डर लगता है तो वह जिला प्रशासन या

अन्य माध्यम से आकर आत्म समर्पण कर सकते हैं। यदि वह आत्मसमर्पण नहीं करते तो उन्हीं के लिए नुकसानदायक होगा।

ग्राम नेतरा में सूने मकान का ताला टूटा सोने चांदी के जेवरात नगदी घरेलू सामान सहित 81हजार रुपये की चोरी

बालाघाट(पदमेश न्यूज)। ग्रामीण थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम नेतरा में चोरों ने एक सूने मकान को निशाना बनाते हुए सोने चांदी के जेवरात नगदी एवं घरेलू सामान सहित करीब 81हजार रुपये की चोरी कर ली। यह चोरी 24 अप्रैल से 28 अप्रैल के बीच उसे समय हुई जब इस मकान की रहवासी महिला अपने परिवार के साथ शादी में दुर्ग छ ग गई हुई थी। ग्रामीण पुलिस ने श्रीमती सीमा पति अशोक तरवरे 40 वर्ष ग्राम नेतरा निवासी द्वारा की गई रिपोर्ट पर अज्ञात आरोपी के विरुद्ध पुरी का अपराध दर्ज कर जांच शुरू की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार सीमा तरवरे ग्रहणी है। जिसके परिवार में पति और दो बच्चे हैं। पति अशोक तरवरे मलाजखंड माइंस में काम करते हैं और वह वहीं रहते है जो समय-समय पर अपने घर आना-जाना करते हैं। 24 अप्रैल को 12 बजे सीमा तरवरे अपने बच्चों के साथ छत्तीसगढ़ राज्य के दुर्ग रिश्तेदारी में शादी में गई हुई थी। 28 अप्रैल की रात्रि 8ः00 बजे सीमा तरवरे अपने बच्चों के साथ अपने घर नेतरा पहुंची, देखी घर के दरवाजे का ताला टूटा हुआ था। घर के अंदर पेटी और आलमारी खुली हुई थी और सामान बिखरा पड़ा हुआ था। समान चेक करने पर सोने की नथ,सोने की लोंग, चांदी का हाफ करधन, चांदी की पायल, नगद 1000 रुपये के अलावा घर के बर्तन गैस चूल्हा सिलेंडर कपड़ा सहित अन्य घरेलू सामान नहीं थे। अज्ञात चोरों ने घर का ताला तोड़कर एक सोने चांदी के जेवरात नगदी सहित घरेलू सामान की चोरी कर लिए। ग्रामीण पुलिस ने सीमा तरवरे 40 वर्ष द्वारा की गई रिपोर्ट पर अज्ञात आरोपी के विरुद्ध धारा 305 331(4) भारतीय न्याय संहिता 2023 के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू की है।

डीजे बजाकर ध्वनि प्रदूषण कर रहे दो डीजे संचालक के विरुद्ध कोतवाली पुलिस ने की कार्रवाई

दो वाहन में रखें डीजे साउंड सिस्टम किए गए जप्त

बालाघाट(पदमेश न्यूज)। कोतवाली पुलिस ने नगर में तेज आवाज में डीजे साउंड बजाकर ध्वनि प्रदूषण कर रहे दो डीजे संचालक के विरुद्ध कोलाहल अधिनियम के तहत करते हुए दोनो डीजे वाहन और उनमें रखें साउंड सिस्टम को जप्त किया। दोनो डीजे संचालक जिनमे जितेंद्र पिता परशुराम पिछोड़े 32 वर्ष वार्ड नंबर 10 बड़ी कुमारी बालाघाट एवं सुनील पिता तुकाराम पडोकार 28 वर्ष वार्ड नंबर 12 ग्राम बुदबुदा थाना वारासिवनी निवासी है। कोतवाली पुलिस के मुताबिक वर्तमान में बालाघाट शहर में लगातार बढ़ते ध्वनि प्रदूषण को लेकर वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा तेज आवाज में साउंड बजाने वाले डीजे वालों पर कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया था। इसके पालन में यह कार्रवाई की गई है। 30 अप्रैल की रात्रि नगर के झुग्गी झोपड़ी बस्ती और नया राम मंदिर गोंदिया रोड में तेज आवाज में डीजे बजाकर ध्वनि प्रदूषण किया जा रहा था। जिसकी सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने दोनों स्थान के डीजे साउंड सर्विस सिस्टम मय वाहन एमपी 22 जी 41 12 एवं इस वाहन में रखें 10 नग साउंड बॉक्स, एक बीटा 03 कम्पनी एक एमप्लीफायर मशीन दूसरे वाहन क्रमांक एमपी 20 जी ए 3383 एवं इस वाहन में रखें आठ नग साउंड बॉक्स एक एमप्लीफायर मशीन को जप्त किया गया तथा इन डीजे साउंड सिस्टम के संचालक जितेंद्र पिछोड़े वार्ड 32 वर्ष वार्ड नंबर 10 बड़ी कुमारी बालाघाट और सुनील पडोकार 28 वर्ष वार्ड नंबर 12 ग्राम बुदबुदा थाना वारासिवनी निवासी के विरुद्ध धारा 4/15 मध्य प्रदेश कोलाहल अधिनियम 2003 के तहत कार्यवाही की गई। डीजे संचालको के विरुद्ध यह कार्यवाही नगर पुलिस अधीक्षक सुश्री वैशाली सिंह के मार्गदर्शन एवं थाना प्रभारी निरीक्षक विजय राजपूत के नेतृत्व में उप निरीक्षक नवीन पांडेय,सहायक उप निरीक्षक दिनेश पंचेश्वर, प्रधान आरक्षक राहुल गौतम, प्रधान आरक्षक गजेंद्र माटे, आरक्षक प्रियांक, आरक्षक संदीप जाट ,आरक्षक अजय उपाध्याय ,आरक्षक गजेंद्र सहित कोतवाली के स्टाफ ने की।

मछली मारने गए एक व्यक्ति की तालाब में डूबने से मौत

बालाघाट(पदमेश न्यूज)। रामपायली थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम बकेरा में इसी ग्राम के एक व्यक्ति की तालाब में डूबने से मौत हो गई ।30 अप्रैल को 4:00 करीब यह घटना उस समय हुई जब यह व्यक्ति अपने घर के पिछे तालाब में मछली मारने के लिए गया था। रामपायली पुलिस ने मृतक विनोद पिता सूरज लाल कोड़पे 36 वर्ष का शव पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार विनोद को ?पे अपने परिवार के साथ मछली मारने का धंधा करता था। जिसके परिवार में पत्नी दो बच्चे और माँ है। 30 अप्रैल को 4ः00 बजे करीब विनोद अपने घर के पीछे तालाब में मछली मारने के लिए गया था। जो मछली मारने के दौरान तालाब के गहरे पानी में जाने से डूब गया। इसी दौरान तालाब की पार में बकरी चराने वालों ने विनोद को तालाब में डूब से देखें और उसके घर वालों को जाकर बताएं। खबर मिलते ही विनोद के परिवार के अलावा गांव मोहल्ले के लोग भी तालाब पहुंचे और विनोद को तालाब से बाहर निकाले। किंतु उसकी मौत हो चुकी थी। इस घटना की रिपोर्ट धर्मेंद्र पिता शंकरलाल कोड़पे 47 वर्ष ग्राम बकेरा निवासी ने रामपायली थाना में की थी। जहां से सहायक उप निरीक्षक नरेंद्र सिंह ठाकुर ने ग्राम बकेरा पहुंचकर मृतक विनोद का शव बरामद किये और पंचनामा कार्यवाही पश्चात विनोद का शव पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिए। आगे धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 के तहत मर्ग कायम कर जांच की जा रही है।

जमीन बेचना है
प्रस्तावित लवादा-समानापुर-लामता फोरलेन मार्ग के समीप ग्राम रटेगांव कोसमी (खमरिया) में स्थित प.ह.नं. 34 खसरा नं. 45 तथा 46/1,, 13 एकड़ सिंचित भूमि (भूमि पर कार द्वारा पहुंचा जा सकता है)
विक्रय करना है
संपर्क करें- 7879121671

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.९, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर काली पुतली चौक, बालाघाट से प्रकाशित, संपादक- उमेश बागरेचा, मो.नं. - ९४२५१३८७१० रजि. नं. एम.पी. एच. आई. एन. /२००९/३२३११, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट